'किंग मूवी' के थिएटर राइट्स पूरे 250 करोड़ रुपये में बिके

शाहरुख खान के फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। उनकी नई एक्शन फिल्म 'किंग' की घोषणा हो चुकी है। इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। जानिए रिलीज से पहले 'किंग' के थिएटर राइट्स कितने में खरीदे गए हैं और किसने खरीदे हैं?

कितने में खरीदे गए 'किंग' के थिएटर राइट्स

पेन मरुधर कंपनी ने पूरे भारत में फिल्म 'किंग' के थिएटर रिलीज अधिकार खरीद लिए हैं। इस कंपनी ने 'किंग मूवी' के थिएटर राइट्स पूरे 250 करोड़ रुपये में खरीद लिए हैं। यह इस साल की सबसे बड़ी थिएटर डील में से एक है। फिल्म के घरेलू टीवी और डिजिटल अधिकारों के लिए भी कई बड़ी कंपनियां बोली लगा रही थीं, जैसे जियो स्टूडियोज, यश राज फिल्म्स और धर्मा प्रोडक्शंस।

पहले भी शाहरुख की कई फिल्मों के खरीद चुके हैं थिएटर राइट्स

पेन मरुधर ने पहले भी शाहरुख खान की कई फिल्में रिलीज की हैं, जैसे 'जवान', 'डंकी', 'जीरो' और कई सारी फिल्में। फिल्म 'किंग' लगभग 400 करोड़ रुपये के बजट में बन रही है। इसमें शाहरुख और दीपिका पादुकोण फिर से साथ नजर आएंगे। सुहाना खान की भी फिल्म में अहम भूमिका है। इस फिल्म से पहले दीपिका और शाहरुख फिल्म 'पठान' में नजर आए थे। इसके अलावा भी शाहरुख और दीपिका कई फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं।

'किंग' की रिलीज के साथ होगा बॉक्स ऑफिस क्लैश

शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' क्रिसमस 2026 में रिलीज होगी, यानी 24 दिसंबर 2026 को। इस समय हॉलीवुड की बड़ी फिल्में भी रिलीज हो रही हैं, जैसे 'एवेंजर्स डूम्सडे', 'ड्यून 3' और 'जुमांजी 3'। एक साथ इतनी फिल्में रिलीज हो रही है, जिसका पूरा असर इन फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर दिखाई देगा।

शाहरुख खान अपनी नई फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अरशद वारसी जैसे बड़े सितारे नजर आ सकते हैं।

आशा भोसले की अस्थियां गंगा में विसर्जित, रो पड़ीं पोती जनाई

आशा भोसले की अस्थियां आज सोमवार को पवित्र गंगा में विसर्जित कर दी गईं। मुंबई से उनके बेटे आनंद भोसले और पोती जनाई भोसले अस्थि कलश लेकर वाराणसी के असि घाट पहुंचे। वैदिक मंत्रों के बीच पोती जनाई ने रोते हुए अपनी दादी की अस्थियां मां गंगा में प्रवाहित कर दीं।

भावुक हुईं जनाई भोसले

आशा भोसले का निधन 12 अप्रैल को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में हुआ था। उनके बेटे आनंद भोसले ने बताया कि मरने से कुछ दिन पहले आशा भोसले ने कहा था कि उनकी अस्थियां काशी में गंगा जी में विसर्जित की जाएं। बेटे आनंद और पोती जनाई ने आशा भोसले की अंतिम इच्छा पूरी की। इस दौरान आशा भोसले की पोती जनाई अपनी दादी के विसर्जन के दौरान काफी भावुक हो गईं।

दादी के निधन के बाद लिखा भावुक नोट

जनाई भोसले ने दादी के निधन के बाद इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने आशा भोसले को अपनी सबसे अच्छी दोस्त और जिंदगी का बहुत बड़ा हिस्सा बताया। जनाई ने लिखा, 'अब मुझे समझ नहीं आ रहा कि सुबह चाय किसके साथ पियूंगी या अपने मजाक किससे शेयर करूंगी।'

जनाई ने यह भी लिखा, 'मैं मानती हूं कि मेरी दादी हमेशा मेरे साथ रहेंगी और एक दिन फिर मुझे गले लगाने लौट आएंगी। मेरी दादी सिर्फ एक महान गायिका ही नहीं, बल्कि मेरे लिए खुशी और जिंदगी की मिसाल थीं।' जनाई ने अपनी पोस्ट में आशा भोसले के साथ कई पुरानी तस्वीरें भी साझा कीं। एक तस्वीर में तीनों- आशा, आनंद और जनाई साथ में गाना गाते दिख रहे हैं। दूसरी में आशा भोसले जनाई को गले लगा रही हैं। तीसरी तस्वीर दिवाली की है।

आशा भोसले ने पार्श्व गायिका के रूप में बहुत लंबा और शानदार सफर तय किया। 1995 में उन्होंने 'रंगीला' फिल्म के लिए 'रंगीला रे' और 'तन्हा तन्हा' जैसे गाने गाए। उसी साल 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में 'जरा सा झूम लूं मैं' गाया। उनके पुराने लोकप्रिय गाने जैसे 'दम मारो दम' और 'पिया तू अब तो आजा' आज भी युवाओं में बहुत पसंद किए जाते हैं।

क्यों मां नहीं बनना चाहती थीं पत्रलेखा?

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के बीच एक्ट्रेस ने किया खुसाला

राजकुमार राव की पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर चर्चाओं में हैं। हाल ही में मां बनने के बाद वे पब्लिक में नजर आईं थीं, जिसके बाद कुछ लोगों ने मां बनने के बाद उनमें हुए बदलावों को लेकर ट्रोल किया था। इसके बाद एक्ट्रेस ने एक स्टोरी के जरिए उन्हें कड़ा जवाब दिया था। अब एक्ट्रेस ने अपने मां बनने के अनुभव पर खुलकर बात की है।

मां बनने पर क्या बोलीं पत्रलेखा?

एक इंटरव्यू में पत्रलेखा ने कहा, 'मैं हमेशा सोच रही थी। शायद मैं मां नहीं बनना चाहती थी। शायद आपको कभी-कभी समझ नहीं आता। लेकिन अब मेरा बच्चा मेरे साथ है, जो काफी अच्छी फीलिंग है। मुझे लगता है मैं अपने इस वक्त अपने बेस्ट वर्जन में हूं।

पत्रलेखा की डेब्यू फिल्म बतौर प्रोड्यूसर

बता दें कि पत्रलेखा ने हाल ही में 'टोस्टर' फिल्म को प्रोड्यूस किया है। ये फिल्म बतौर प्रोड्यूसर पत्रलेखा की पहली फिल्म थी। मूवी 15 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है। पत्रलेखा ने पहली बार मूवी प्रोड्यूस करने पर भी बात की।

उन्होंने कहा, 'हां, प्रोड्यूसर बनना एक शानदार और कठिन काम है। लेकिन ये सबसे जरूरी चीज मेरे साथ हुई है, वो है मां बनना। और ये सबसे महान अनुभव है।'

कब हुई थी राजकुमार राव और पत्रलेखा की शादी?

पत्रलेखा ने 15 नवंबर, 2021 को राजकुमार राव से शादी की थी। अपनी शादी की चौथी सालगिरह पर नवंबर 2025 में कपन ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। उन्होंने बेटी का नाम पार्वती पॉल राव रखा है।

टोस्टर मूवी के बारे में

बता दें कि पत्रलेखा द्वारा प्रोड्यूस्ड फिल्म 'टोस्टर' 15 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। मूवी में उनके पति और एक्टर राजकुमार राव, सान्या मलहोत्रा और अर्चना पूरन सिंह लीड रोल में नजर आएंगे।

सूरज बड़जात्या की 'ये प्रेम मोल लिया' जल्द थिएटर्स में रिलीज होगी

आयुष्मान और शरवरी साथ रोमांस करते आयेंगे नजर

सूरज बड़जात्या ने आखिरी फिल्म 'ऊंचाई' डायरेक्ट की थी। अब इन दिनों वे अपनी अगली फिल्म बनाने में व्यस्त हैं। फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट भी डायरेक्टर ने कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ये अपडेट शेयर किया, और फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी भी दी।

क्या है फिल्म का नाम?

सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म का नाम आधिकारिक तौर पर 'ये प्रेम मोल लिया' रखा गया है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस राजश्री फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की और इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया है।

इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी लीड रोल में नजर आएंगे। अब तक इस प्रोजेक्ट की ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई थी, लेकिन मंगलवार सुबह मेकर्स ने फिल्म का टाइटल और रिलीज डेट दोनों अनाउंस कर दिए।

हिमेश रेशमिया देंगे म्यूजिक

फिल्म का म्यूजिक हिमेश रेशमिया तैयार कर रहे हैं। राजश्री फिल्म्स इस फिल्म को महावीर जैन फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। आने वाले हफ्तों में फिल्म से जुड़ी और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

यह पहली बार होगा जब आयुष्मान खुराना और शरवरी एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। यह फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज डेट का खुलासा होने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।

आयुष्मान और शरवरी का वर्कफ्रंट

आयुष्मान की आने वाली फिल्मों में उड़ता तीर और पति पत्नी और वो 2 शामिल हैं। वहीं शरवरी भी इम्तियाज अली की 'मैं वापस आऊंगा' और 'अल्फा' में नजर आएंगी, जिसमें वह आलिया भट्ट के साथ काम कर रही हैं। यह सूरज बड़जात्या के 38 साल के फिल्मी करियर की 8वीं डायरेक्टोरियल फिल्म है।

मनी लॉन्ड्रिग केस में जैकलीन के अप्रूवर बनने पर विवाद : ईडी ने आपत्ति जताई

200 करोड़ रुपए के हाई-प्रोफाइल मनी लॉन्ड्रिग केस में नया कानूनी मोड़ आया है। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में अर्जी देकर खुद को अप्रूवर यानी सरकारी गवाह बनाने की मांग की है। यह मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा है, जिस पर करोड़ों की ठगी और मनी लॉन्ड्रिग के आरोप हैं।

जैकलीन की अर्जी पर प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत में आपत्ति जताई है। ईडी ने कोर्ट से कहा कि याचिका अस्पष्ट और अधूरी है, इसलिए जवाब के लिए समय दिया जाए। कोर्ट ने ईडी की बात मानते हुए उसे जवाब दाखिल करने के लिए समय दे दिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जैकलीन ने कोर्ट में कहा कि वह जांच एजेंसियों के साथ सहयोग करना चाहती हैं और सच्चाई सामने लाने में मदद करना चाहती हैं। अप्रूवर का दर्जा मिलने पर वह आरोपी से अलग होकर जांच में गवाह बन सकती हैं। यह प्रक्रिया अदालत की मंजूरी और ईडी की सहमति पर निर्भर करती है।

यह मामला करीब 200 करोड़ रुपए की कथित ठगी से जुड़ा है। इसमें सुकेश चंद्रशेखर पर हाई-प्रोफाइल लोगों को निशाना बनाने और अवैध तरीके से धन जुटाने के आरोप हैं। जांच एजेंसी का दावा है कि मामले में बड़े लेन-देन और महंगे गिफ्ट्स का इस्तेमाल हुआ है।

जैकलीन फर्नांडिस लंबे समय से इस केस में पूछताछ का सामना कर रही हैं। वह पहले भी दावा कर चुकी हैं कि उन्हें सुकेश के आपराधिक बैकग्राउंड की जानकारी नहीं थी और गलत जानकारी देकर फंसाया गया। अब अदालत में ईडी का जवाब और अगली सुनवाई केस की दिशा तय करेगी।

'है जवानी तो इश्क होना है' के टीजर पर ट्रोलिंग!

एआई के इस्तेमाल पर डेविड धवन ने दी सफाई

बीते दिनों फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की नई रिलीज डेट का एलान किया गया था। पहले जून में रिलीज होने वाली यह फिल्म अब मई में दस्तक देगी। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। दिलचस्प बात यह रही कि इसमें एआई का इस्तेमाल किया गया था, जिसके बाद कई लोगों ने टीजर को ट्रोल किया। अब इस मामले पर खुद डायरेक्टर डेविड धवन ने सफाई दी है।

वरुण धवन ने किया खुलासा

टीजर में एआई से बनाए गए छोटे बच्चों के इस्तेमाल से कई लोग निराश हो गए और सोशल मीडिया पर इसको लेकर बहस भी शुरू हो गई थी। इस विवाद के बीच फिल्म के डायरेक्टर डेविड धवन ने भी इस पर अपनी बात रखी है। हाल ही में उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में साफ किया कि उनकी फिल्म में एआई का इस्तेमाल नहीं किया गया है, बल्कि सिर्फ टीजर में इसका यूज हुआ है।

फिल्म में एआई का इस्तेमाल नहीं किया है

डेविड धवन ने कहा, 'फिल्म में बिल्कुल भी एआई का इस्तेमाल नहीं किया गया है... इसे सिर्फ टीजर में इस्तेमाल किया गया है। हमने कुछ अलग करने का सोचा और ऐसा बनाया। यह सिर्फ एक टीजर है। जब गाने रिलीज होंगे, तब आपको समझ आ जाएगा कि फिल्म का एआई से कोई लेना-देना नहीं है।'

यह फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। 'है जवानी तो इश्क होना है' का निर्देशन वरुण धवन के पिता व दिग्गज निर्देशक डेविड धवन ने किया है। 'मैं तेरा हीरो' और 'जुड़वा 2' के बाद वरुण और डेविड की पिता-पुत्र की जोड़ी की ये तीसरी फिल्म है। मूवी में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेग्डे लीड रोल में नजर आएंगे।

'टॉक्सिक' की कहानी को लेकर यश ने किया बड़ा खुलासा

बोले- फिल्म में अलग तरह के एक्शन और कहानी के अनोखे नजरिए हैं

कन्नड़ स्टार यश इस साल दो बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। इनमें एक है उनके द्वारा लिखित और स्टारर फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' और दूसरी है नितेश तिवारी की 'रामायण'। हाल ही में यश ने 'टॉक्सिक' को लेकर जानकारी दी और फिल्म की कहानी के बारे में बताया। उन्होंने फिल्म में अलग तरह के एक्शन और कहानी के अनोखे नजरिए के बारे में भी बात की।

हर सीन में कुछ अलग होना चाहिए

हाल ही में लास वेगास में सिनेमाकॉन में अपनी फिल्म 'रामायण' की झलक दिखाई और 'रामायण' के पहले पार्ट को लेकर बात भी की। इसी दौरान यश ने 'टॉक्सिक' के बारे में भी कुछ बातें बताईं। एक्टर ने फिल्म के एक्शन और भावनाओं के अलग दृष्टिकोण पर बात करते हुए कहा कि जिस पैमाने और तीव्रता के साथ फिल्म बनी है, हर सीन में कुछ न कुछ अलग होना चाहिए। विविधता होनी चाहिए। एक्शन में एक अलग शैली, एक अलग रूप अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक्शन में गहराई होनी चाहिए। आपको दर्द महसूस होना चाहिए। असल में दिमाग खुल जाना चाहिए। इसीलिए हम सभी को सिनेमा पसंद है।

इंसान की भावनाओं की बात करती है 'टॉक्सिक'

'टॉक्सिक' की कहानी के उद्देश्य के बारे में यश ने कहा कि जब आप कोई फिल्म देखते हैं, तो हम फिल्में क्यों देखते हैं? क्योंकि जीवन में हर कोई हर भावना का अनुभव नहीं कर सकता। इसलिए जब आप कोई फिल्म देखते हैं, तो आप किसी के जीवन से गुजरते हैं और आप समस्याओं या दर्द को समझते हैं। इंसानों की भावनाओं की सबसे गहरी भावनाओं, सबसे गहरी दुविधाओं को इस फिल्म में दिखाया गया है या कम से कम हमने ऐसा करने का प्रयास किया है।

यह बहुत परतदार है। यह सीधे तौर पर नहीं दिखाया गया है। ऐसा नहीं है कि हम इसे जबरदस्ती थोप रहे हैं और कह रहे हैं कि यह डार्कनेस का पक्ष है। नहीं, यह बहुत परतदार है सांकेतिक और भावनात्मक तरीके से। उनका मानना है कि यही खासियत फिल्म को दर्शकों से जोड़ने का तरीका है।

लव स्टोरी है 'टॉक्सिक'

'टॉक्सिक' को एक लव स्टोरी बताते हुए यश ने कहा कि यह एक प्रेम कहानी है। इसमें एक गहरी प्रेम कहानी छिपी है। यह पिता-पुत्र के बदले की गाथा है। इसलिए मुझे लगता है कि इसे बहुत अच्छे से डिजाइन किया गया है। कच्ची भावनाओं और परतदार कहानी कहने का यही मिश्रण फिल्म को अलग बनाता है, जो भव्यता और गहराई दोनों का वादा करती है। इससे पहले यश ने 'टॉक्सिक' की तुलना ऑस्कर विजेता फिल्म सिनर्स से भी की थी।

गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित और यश व गीतू मोहनदास द्वारा लिखित 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजरा है। फिल्म में यश के अलावा नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया सहित कई कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। पहले 19 मार्च को रिलीज होने वाली 'टॉक्सिक' अब 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक पैन इंडिया फिल्म है।

सान्या मल्होत्रा को करियर के शुरुआती दिनों में 'पैनिक अटैक आते थे'

सान्या मल्होत्रा हाल ही में फिल्म 'टोस्टर' में नजर आई हैं। ओटीटी पर रिलीज हुई इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। हाल ही में सान्या ने इंडस्ट्री में अपने दस साल भी पूरे किए हैं। इस बीच एक्ट्रेस ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे समय के साथ उन्होंने अब ना कहना भी सीख लिया है।

समय के साथ सीखा ना कहना

सान्या मल्होत्रा ने समय के साथ खुद में आए बदलाव और इम्प्रूवमेंट को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि समय के साथ मैंने ना कहना सीख लिया। अब तो मैं आसानी से ना कह देती हूं। लेकिन इसमें मुझे थोड़ा समय लगा। ना बोलने से पहले मुझे पैनिक अटैक आ जाता था। मैं सोचती थी कि ना कैसे कहूं?

मुझे डर लगता था कि अगर मैंने ना कह दिया तो शायद मुझे आगे काम न मिले। अगर किसी तरह कह भी दिया तो महीनों तक मुझे इस बात का पछतावा होता रहता था। मुझे न सिर्फ और मौके नहीं मिलते थे, बल्कि मुझे ये डर लगता था कि कहीं उन्हें बुरा न लग जाए।

अपनी बात कहने का होता है तरीका

सान्या ने कहा कि अब मैंने दृढ़ रहने का भी निश्चय किया है। उन्होंने कहा कि आपको यह समझना होगा कि फिल्म निर्देशक का माध्यम है। लेकिन आप एक अभिनेता के रूप में निश्चित रूप से अपने सुझाव दे सकते हैं। कभी-कभी वे आपकी बात सुनते हैं और कभी-कभी नहीं।

लेकिन मैंने यह बात बहुत मुश्किल से सीखी है कि अगर मैं ना नहीं कहूंगी, तो इसका मतलब होगा कि मैं सिर्फ उनके सपने जी रही हूं और उनके तरीके से काम कर रही हूं, न कि अपनी जिंदगी जी रही हूं।

मेरा मानना है कि अपनी बात कहने का एक तरीका होता है। अगर आप इसे सही तरीके से करते हैं, तो कोई समस्या नहीं है। अगर बात किसी स्टंट की है, तो आपको वाकई में कड़ा रुख अपनाना होगा। आप इन चीजों को हल्के में नहीं ले सकते।

'टोस्टर' में नजर आई हैं सान्या मल्होत्रा

वर्कफ्रंट की बात करें तो सान्या हाल ही में फिल्म 'टोस्टर' में नजर आई हैं। विवेक दासचौधरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राजकुमार राव, अर्चना पूरन सिंह, अभिषेक बनर्जी, फराह खान, उपेंद्र लिमये, विनोद रावत, जितेंद्र जोशी और सीमा पाहवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम कर रही है।

भाजपा विधायक संजय पाठक की बढ़ीं मुश्किलें

जज को फोन करने के मामले में अब हाई कोर्ट करेगा फैसला

कटनी, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सबसे अमीर विधायकों में शुमार और विजयराघवगढ़ से भाजपा विधायक संजय पाठक के लिए कानूनी मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने और आपराधिक अवमानना के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि इस केस की चाबी अब हाई कोर्ट के पास ही रहेगी।

पूरा मामला सितंबर 2025 का है, जब संजय पाठक की एक कंपनी के खिलाफ अवैध खनन का मामला हाई कोर्ट में लगा था। सुनवाई न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की बेंच में होनी थी, लेकिन सुनवाई से ठीक पहले जस्टिस मिश्रा ने खुद को केस से अलग कर लिया। उन्होंने अपने आदेश में एक सनसनीखेज खुलासा किया कि विधायक ने उनसे फोन पर संपर्क करने की कोशिश की थी। जस्टिस मिश्रा ने इसे न्यायिक निष्पक्षता पर प्रहार बताया और मामला मुख्य न्यायाधीश के समक्ष भेज दिया।

मामला जब देश की सबसे बड़ी अदालत पहुंचा, तो प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची की बेंच ने कानून की मर्यादा स्पष्ट की। कोर्ट ने कहा कि चूंकि हाईकोर्ट ने इस मामले में खुद संज्ञान लेकर आपराधिक अवमानना का प्रकरण दर्ज किया है, इसलिए आगे की सुनवाई का अधिकार भी हाईकोर्ट का ही है। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता आशुतोष दीक्षित को याचिका वापस लेने और हाईकोर्ट में अपनी बात रखने की पूरी आजादी दी है।

सुप्रीम कोर्ट के इस रुख से साफ है कि वह उच्च न्यायालयों की स्वायत्तता में दखल नहीं देना चाहता, खासकर तब जब मामला न्यायिक गरिमा से जुड़ा हो। अब जबलपुर हाई कोर्ट में संजय पाठक के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही तेजी से आगे बढ़ेगी। अगर आरोप सिद्ध होते हैं, तो यह विधायक के राजनीतिक करियर के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर

हादसे में एक युवक की मौत, लोगों ने जाम की सड़क

कोरबा, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में मंगलवार को एक हादसे में स्कूटी सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा कटघोरा थाना क्षेत्र के लखनपुर मुख्य बाईपास मार्ग पर हुआ। जानकारी के मुताबिक, एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने काम पर जा रहे स्कूटी सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी सवार व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। स्कूटी पर पीछे बैठी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा देखने को मिला। आक्रोशित लोगों ने शव सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। देखते ही देखते सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। लोग प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते नजर आए और सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल उठाने लगे। घटना की सूचना मिलते ही कटघोरा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने की कोशिश शुरू की। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, ताकि जाम को हटाया जा सके और यातायात सामान्य हो सके। हालांकि लोगों का गुस्सा इतना ज्यादा था कि माहौल कुछ समय तक तनावपूर्ण बना रहा। कोरबा में यह कोई पहला हादसा नहीं है। इससे एक दिन पहले इसी क्षेत्र के कटघोरा जेंजरा बाईपास मार्ग पर पतरापाली मोड़ के पास एक और बड़ा हादसा हुआ था। वहां एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया था। इस हादसे में ट्रैक्टर चालक की दबकर मौत हो गई थी, जबकि उसका हेल्पर गंभीर रूप से घायल हो गया था। लगातार हो रहे इन हादसों ने इलाके के लोगों को डर और चिंता में डाल दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाईपास मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों पर कोई नियंत्रण नहीं है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं।

परमानेंट कस्टमर की लिस्ट में कई रसूखदार

टेलीग्राम में लिंक भेजता था बाबू खेमानी, करोड़ों का होता था लेनदेन

रायपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑनलाइन सट्टा कारोबार बाबू खेनामी की गिरफ्तारी के बाद हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस की जांच में इस बात का खुलासा हुआ है कि बाबू खेमानी के रायपुर के कई बड़े कारोबारी और रसूखदार ने सट्टा खेला है। हाई प्रोफाइल लोग बाबू खेमानी के जरिए शहर में सट्टा खेलते थे। पुलिस को बाबू खेमानी के मोबाइल से कई परमानेंट कस्टमर की लिस्ट मिली है। इस लिस्ट में शहर के कई प्रभावशाली नाम शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, बाबू खेमानी ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क में 'आईडी ऑनर' की भूमिका में रहता था। वह अलग-अलग नामों से सट्टा खेलने के लिए प्रभावशाली लोगों को आईडी और पॉसवर्ड देता था। जानकारी के अनुसार, वह प्रभावशाली लोगों को टेलीग्राम के जरिए लिंक भेजकर जोड़ता था। यही से लोगों को सट्टा नेटवर्क में एंट्री मिलती थी।

लंबे समय से चल रहा है खेल

जांच में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि बाबू खेमानी लंबे समय से सट्टा कारोबार में संलिप्त है। लंबे समय से वह इस पूरे नेटवर्क का संचालन करता था। इसके साथ ही वह कराड़ों रुपये का लेनदेन करता था। फिलहाल पुलिस ने बाबू खेमानी को जेल भेज दिया गया है। बाबू खेमानी से पुलिस पूछताछ कर रही है और इस मामले में कई खुलासे हो सकते हैं।

बाबू खेमानी था सट्टा कारोबार का मास्टरमाइंड

पुलिस ने उसे और उसके साथियों को किया अरेस्ट

बाबू खेमानी लंबे समय से कर रहा था नेटवर्क का संचालन

उसकी लिस्ट में शहर के कई प्रभावशाली लोग

पूछताछ में यह बात भी सामने आई है कि बाबू खेमानी सट्टे की रकम वसूलने के लिए अलग से कुछ लोगों को रखा था। पैसे नहीं देने वालों को यह लोग धमकाते और बदनाम करने की धमकी देते थे। जो लोग पैसे नहीं देते थे ये लोग उनके सोने के जेवर तक ले जाते थे।

बाबू खेमानी खुद को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के रूप में दिखाता था। वह वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में शेयर करता था।

इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर उसके बड़ी संख्या में फॉलोअर्स थे। वह खुद को सेलिब्रिटी समझता था। इसका प्रभाव पर ग्राहकों के फंसाने के लिए किया करता था।

5 साल बाद झारखंड को मिला नया लोकायुक्त

लोकभवन में अमिताभ कुमार गुप्ता ने ली शपथ, जून 2021 से खाली था पद

रांची, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। रांची स्थित लोक भवन के दरबार हॉल में झारखंड को नया लोकायुक्त मिला। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अमिताभ कुमार गुप्ता को लोकायुक्त पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

समारोह की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई और समापन भी राष्ट्रगान के साथ हुआ।

करीब दस मिनट के भीतर सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गईं। शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने नए लोकायुक्त को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने नियुक्ति से संबंधित वारंट का वाचन किया, जिसमें 16 अप्रैल को राज्यपाल द्वारा की गई नियुक्ति का उल्लेख था। इसके बाद राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने नव नियुक्त लोकायुक्त को मंच पर आमंत्रित किया।

अमिताभ कुमार गुप्ता ने पद की शपथ लेते हुए कहा कि वे कानून के दायरे में रहकर बिना किसी भय, पक्षपात या द्वेष के अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। समारोह में मंत्री राधाकृष्ण किशोर, दीपिका पांडेय सिंह, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, रांची की मेयर रौशनी खलखो और डीजीपी तदाशा मिश्रा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राज्य में जून 2021 से खाली था पद

झारखंड में लोकायुक्त का पद जून 2021 से खाली पड़ा था। लगभग पांच साल बाद इस महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर नियुक्ति होने से राज्य में प्रशासनिक पारदर्शिता को लेकर नई उम्मीद जगी है।

सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को मजबूती मिलने की संभावना जताई जा रही है। माना जा रहा है कि अब भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच में तेजी आएगी।आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सकेगी। लंबे समय से लंबित शिकायतों के निष्पादन की प्रक्रिया भी तेज होगी। नए लोकायुक्त की नियुक्ति को राज्य में सुशासन और जवाबदेही की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है, जिससे आम जनता को भी राहत मिलने की उम्मीद है।

वाहन की टक्कर से दो युवकों की मौत, एक घायल

रायपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के सेरीखेड़ी इलाके में सीमेंट प्लांट के एक वाहन ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद ग्रामीणों ने प्लांट के बाहर शव रखकर हंगामा किया और मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार घटना सोमवार देर रात करीब 11:30 बजे की है। तीनों युवक काम से लौट रहे थे, तभी सीमेंट प्लांट के वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में राजू यादव और गोलू यादव की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि मोंटू भोई गंभीर रूप से घायल हो गया।

उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीण मृतकों के शव लेकर प्लांट गेट पहुंच गए और प्रदर्शन शुरू कर दिया।

महिलाओं पर बयान देकर फंसे सांसद पप्पू यादव

पूर्णिया, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अपने बेबाक और अक्सर विवादित बयानों के लिए चर्चा में रहने वाले पूर्णिया सांसद पप्पू यादव अब चौतरफा मुश्किलों में घिरते नजर आ रहे हैं। बिहार राज्य महिला आयोग ने सांसद पप्पू यादव को एक वायरल वीडियो के मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आरोप है कि सांसद ने महिला आरक्षण और राजनीति में महिलाओं की भूमिका को लेकर बेहद आपत्तिजनक और अमर्यादित टिप्पणी की है। हाल ही में महिला आरक्षण बिल को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए पप्पू यादव ने मर्यादा की सीमाएं लांघ दीं। उन्होंने एक बेहद विवादित बयान देते हुए कहा कि देश में महिलाओं की सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और 90% महिलाओं का राजनीतिक करियर नेताओं के बेड (बिस्तर) से शुरू होता है।

सांसद ने आगे आरोप लगाया कि देश में यौन शोषण के मामलों में सफेदपोश नेताओं की बड़ी भूमिका है और कई मौजूदा सांसदों पर गंभीर आरोप लगे हैं। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उबाल आ गया और महिला संगठनों ने इसे समस्त नारी शक्ति का अपमान करार दिया है। इसी वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए बिहार राज्य महिला आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। पप्पू यादव का गुस्सा केवल महिला आरक्षण तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा पर भी व्यक्तिगत और अमर्यादित हमला किया। उन्होंने हिमंता बिस्व सरमा की तुलना चिंपांजी और कुत्ते से करते हुए उन्हें चरित्रहीन और बाचाल तक कह डाला। सांसद ने तीखे लहजे में कहा कि वे मानव नहीं, बल्कि वनमानुष हैं। उन्होंने आगे कहा कि बड़े नेताओं के खिलाफ बोलने वालों की स्थिति सड़क पर भौंकते कुत्तों जैसी होती है, जबकि बड़े नेता हाथी की तरह अपने रास्ते पर चलते रहते हैं।

महिला आयोग ने खफा होकर भेजा नोटिस

महिला आरक्षण बिल के पक्ष में होने का दावा करते हुए पप्पू यादव ने केंद्र सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बिना व्यापक चर्चा, विशेषज्ञों की राय और राज्यों से परामर्श के यह फैसला लिया है। 2014 और 2019 में पूर्ण बहुमत होने के बावजूद इस बिल को ठंडे बस्ते में रखा गया, लेकिन अब केवल राजनीतिक लाभ के लिए इसे पेश किया गया है।

राजस्थान में लाखों पशुओं का फ्री बीमा : मौत पर मिलेंगे 40 हजार

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले पशुपालकों के लिए राज्य सरकार एक ऐसी योजना लेकर आई है, जो किसी वरदान से कम नहीं है। खेती के साथ-साथ पशुपालन करने वाले किसानों को अक्सर पशुओं की अचानक बीमारी या दुर्घटना में मृत्यु होने पर भारी आर्थिक चोट लगती थी, लेकिन अब 'मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना' उनके लिए ढाल बनकर उभरी है।

इस योजना के तहत पशुपालकों को अपने दुधारू पशुओं की मृत्यु पर 40 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता मिल रही है, और सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि इसके लिए किसानों को एक भी पैसा प्रीमियम के रूप में नहीं देना है। पशुपालन विभाग ने इस बार अपने लक्ष्यों में भारी बढ़ोतरी की है। इस वर्ष प्रदेश के 42 लाख दुधारू पशुओं के निःशुल्क बीमा का लक्ष्य रखा गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष के 21 लाख के लक्ष्य से सीधा दोगुना है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक 34.34 लाख से अधिक पशुओं का पंजीकरण हो चुका है और करीब 20 लाख पशुओं की पॉलिसी जारी की जा चुकी है।

संयुक्त निदेशक डॉ. रामकिशन महावर के अनुसार, फरवरी 2026 तक विभाग ने 10,756 दावों का निपटारा करते हुए पशुपालकों के खातों में 20 करोड़ रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर कर दी है। योजना का दायरा काफी विस्तृत रखा गया है। एक पशुपालक अधिकतम निम्नलिखित पशुओं का बीमा करा सकता है। इसके साथ ही 10 बकरी, 10 भेड़ या 10 ऊंट का भी बीमा कराया जा सकता है।

लाभ लेने के लिए पशुपालक के पास जनाधार कार्ड होना अनिवार्य है। सरकार इसमें 'गोपाल क्रेडिट कार्ड' धारकों और 'लखपति दीदी' योजना से जुड़ी महिलाओं को प्राथमिकता दे रही है। साथ ही, सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए अनुसूचित जाति के लिए 16% और अनुसूचित जनजाति के लिए 12% आरक्षण का प्रावधान भी रखा गया है।

ठेकेदार के गुर्गों ने छात्र को चप्पलों से पीटा

तालाब खुदाई के दस्तावेज मांगे थे, कांग्रेस बोली– भाजपा सरकार नहीं माफियाराज

कबीरधाम, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में पैठू तालाब की खुदाई पर सवाल उठाने और दस्तावेज मांगने पर छात्र की ठेकेदार के लोगों ने हाथ-मुक्के और चप्पलों से पिटाई कर दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है। कांग्रेस ने इसे सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने लिखा है कि, भाजपा सरकार नहीं माफियाराज। गृहमंत्री विजय शर्मा के गृह जिले कवर्धा में एक छात्र को अवैध उत्खनन का विरोध करना महंगा पड़ गया। ठेकेदार के गुर्गों ने छात्र की बेरहमी से पिटाई कर दी और छात्र चीखता रहा। मामला कुंडा थाना क्षेत्र के बघर्रा गांव का है।

जानकारी के मुताबिक, पीड़ित छात्र हरि प्रसाद चंद्राकर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि, 19 अप्रैल को वो जनपद सदस्य गजपती साहू और ग्रामीणों के साथ तालाब स्थल पर पहुंचा था। वहां ठेकेदार विनोद अग्रवाल से खुदाई से जुड़े दस्तावेज दिखाने को कहा गया, इसी दौरान विवाद बढ़ गया।

आरोप है कि रोहित चंद्राकर, संजय चंद्राकर, भागबली चंद्राकर और भागवत चंद्राकर ने गाली-गलौज करते हुए उस पर हमला कर दिया।

थप्पड़, चप्पल और पत्थरों से मारा गया। जिसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। फिलहाल, छात्र के बारे में डिटेल जानकारी नहीं मिल पाई है।

पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच की जा रही है। वहीं, आरोपी पक्ष के रोहित चंद्राकर ने भी थाने में शिकायत दी है। उसका कहना है कि, हरि प्रसाद चंद्राकर और गजपती साहू ने मौके पर पहुंचकर गाली-गलौज की और काम बंद नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी।

आरोपी पक्ष का दावा है कि, तालाब खुदाई का काम पंचायत प्रस्ताव और प्रशासनिक अनुमति के तहत किया जा रहा था, बावजूद इसके विवाद खड़ा किया गया।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने लिखा है कि, भाजपा सरकार नहीं माफियाराज। गृहमंत्री के गृह जिले कवर्धा में एक छात्र को अवैध उत्खनन का विरोध करना महंगा पड़ गया। ठेकेदार के गुर्गों ने छात्र की बेरहमी से पिटाई कर दी और छात्र चीखता रहा। भाजपा सरकार के संरक्षण में खनन माफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि आम जनता को शिकायत करना भी महंगा पड़ रहा है।

योग और आयुर्वेद से मधुमेह नियंत्रण पर लगी विज्ञान की भी मुहर

हरिद्वार, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। डायबिटीज़ के इलाज को लेकर पतंजलि के वैज्ञानिकों की ओर से किए गए शोध ने एक क्रांति को जन्म दिया है। जो वैश्विक स्तर पर लंबे समय से टाइप-1 डायबिटीज़ के मुख्य उपचार इंसुलिन थेरेपी को लेकर नजरिया बदलने को मजबूर कर देगा।

अंतर्राष्ट्रीय शोध संस्थान फ्रंटियर्स इन क्लिनिकल डायबिटीज़ एंड हेल्थकेयर शोध ने यह प्रमाणित किया है कि केवल इंसुलिन से नहीं बल्कि समग्र इलाज से ही मधुमेह को मात दी जा सकती है। जिसके लिए योग, प्राणायाम, ध्यान, संतुलित आहार, जीवनशैली में सुधार तथा पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाना होगा। इसी अप्रैल माह में शोध को प्रकाशित किया गया है। शोध में यह भी साबित किया है कि योग-प्रणायाम आदि को अपनाने से मरीजों के शुगर नियंत्रण, तनाव स्तर और जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार देखा गया।

शोध अध्ययन में लगभग 612 शोध पत्रों का विश्लेषण किया गया। इस शोध को पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने लीड किया है। इस शोध ने यह भी प्रमाणित किया है कि पतंजलि वेलनेस का वह मॉडल है, जिससे करोड़ों मरीज़ पहले से लाभ उठा रहे हैं और अब विज्ञान भी इसे सार्थक बता रहा है।

ब्राह्मण एकता के रूप में मनाई गई परशुराम जयंती

इंदौर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। श्री परशुराम सेना द्वारा परशुराम जन्मोत्सव को इस बार ब्राह्मण एकता के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय सहित बडी संख्या में समाज के लोगों ने एक ही बाने में अपनी उपस्थिति दर्ज की। भव्य संस्कार यात्रा शाम बड़ा गणपति चौराहे से निकाली गई यात्रा का शुभारंभ भगवान परशुराम के पूजन एवं वंदे मातरम गान के साथ हुआ।

सेना के संरक्षक अनूप बाजपेई प्रदेश अध्यक्ष अनूप शुक्ला महानगर संयोजक दीपक शर्मा एवं अध्यक्ष पप्पी शर्मा ने बताया कि यात्रा में परशुराम जी के चरित्र एवं गौ संरक्षण सहित सनातन विषयों पर तैयार की गई झांकियां निकाली गई।

भजन गायक गन्नू महाराज के भजनों पर समाज की मातृशक्ति ने श्री परशुराम जी के प्रति अपनी श्रद्धा भक्ति प्रदर्शित की। यात्रा प्रभारी अनिल तिवारी, नमन दुबे ने बताया कि यात्रा में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय विधायक रमेश मेंदोला पूर्व विधायक संजय शुक्ला महापौर पुष्यमित्र भार्गव बबलू शर्मा पंडित जितेंद्र त्रिपाठी बाबा, दिलीप शर्मा पार्षद मनोज मिश्रा संदीप दुबे एवं ब्राह्मण वर्गों के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी तथा हजारों की संख्या में स्वजाती बंधु सम्मिलित हुए।

बस्तर की छवि बदलेंगे सचिन तेंदुलकर

दंतेवाड़ा, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। नक्सल प्रभावित रहे दंतेवाड़ा में क्रिकेट की दुनिया में भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर आ रहे हैं। कभी बंदूकों की आवाज और लाल आतंक का पर्याय बन चुका बस्तर अब बदल रहा है। बस्तर में माओवाद के समाप्त होने के बाद एक नई पहचान बन रही है। बस्तर में अब खेलों के मैदान में बच्चे पसीना बहाते नजर आएंगे।

बुधवार को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर अपने परिवार और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ छिंदनार गांव पहुंचेंगे। यहां सचिन और सीएम साय एक बड़े खेल प्रोजेक्ट की शुरुआत करेंगे।

इंद्रावती नदी के किनारे बसा छिंदनार गांव इन दिनों पूरी तरह बदला हुआ नजर आ रहा है। गांव में उत्साह है, बच्चों के चेहरों पर खुशी है और हर जगह तैयारियों का माहौल है। कभी नक्सलवाद की छाया में रहे इस इलाके में अब विकास और खेल को लेकर नई पहचान बन रही है। स्थानीय लोग इस दौरे को लेकर बड़े उत्साहित हैं। सचिन तेंदुलकर यहां एक आधुनिक मल्टी-स्पोर्ट्स ग्राउंड का शुभारंभ करेंगे। इस मैदान को सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन द्वारा तैयार किया गया है। यहां एक ही परिसर में 16 तरह की खेल सुविधाएं मौजूद हैं।

आरटीई एडमिशन में देरी पर हाईकोर्ट नाराज

बिलासपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत गरीब बच्चों के एडमिशन में हो रही देरी पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने कहा कि अगर एडमिशन जुलाई-अगस्त तक चलते रहेंगे, तो बच्चे पढ़ाई कब शुरू करेंगे।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि 7 मई से पहले सभी एडमिशन पूरे किए जाएं। साथ ही इस काम के लिए एक साफ और पूरी कार्ययोजना भी पेश करने को कहा है। दरअसल प्रदेश में नया शिक्षा सत्र 1 अप्रैल से शुरू हो गया है, लेकिन आरटीई के तहत गरीब बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया धीमी चल रही है।

बता दें कि प्रदेश भर के स्कूलों में आरटीई के तहत 38 हजार 438 आवेदन मिले हैं, जिसमें से 23 हजार 766 यानी 62% की ही जांच पूरी हुई है। वहीं 14 हजार से अधिक आवेदन पेंडिंग हैं। कई जिलों में 10% से भी कम जांच हो पाई है। डीपीआई ने पंजीयन और नोडल वेरीफिकेशन के लिए 16 फरवरी से 31 मार्च तक समय तय किया था, लेकिन डेडलाइन के बाद भी प्रक्रिया अधूरी है।

एडमिशन प्रक्रिया के अनुसार आरटीई के तहत छात्र पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च रखी गई थी। काउसलिंग प्रक्रिया में 13 से 17 अप्रैल तक लाटरी और सीट आवंटन किया गया। इसके बाद छात्रों को एक से 30 मई तक प्रवेश लेना होगा।

दूसरे चरण की प्रक्रिया 8 जून से शुरू हो जाएगी। इसमें नए स्कूलों का रजिस्ट्रेशन होगा। उसके बाद 1 से 11 जुलाई तक छात्र पंजीयन होंगे, फिर 27 से 31 जुलाई तक लाटरी और आवंटन होगा। इसके बाद छात्रों को स्कूल में दाखिला तीन से 17 अगस्त तक लेना होगा।

इस मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने बताया कि पहले चरण की लाटरी निकाल ली गई है। इसमें 15 हजार छात्रों को सीटें आवंटित हुई हैं। इन्हें 1 से 30 मई तक एडमिशन लेना होगा। इसके बाद दूसरे चरण की प्रक्रिया पूरी होगी।

ईरान युद्ध ने रोका मिडिल ईस्ट का रास्ता

तो भारत ने चला 'मास्टरस्ट्रोक, रूस ने दिया पूरा साथ!

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया भर में कच्चे तेल का बाजार इस वक्त भारी उथल-पुथल से गुजर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने सीधे तौर पर उस समुद्री रास्ते को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की कुल सप्लाई का लगभग 20 प्रतिशत तेल गुजरता है।

हम बात कर रहे हैं हॉर्मुज जलडमरूमध्य की। वहां जहाजों की आवाजाही ठप होने का सीधा असर भारत के तेल आयात पर पड़ा है। हालांकि, इस वैश्विक संकट के बीच भारतीय रिफाइनरियों ने एक ऐसा कदम उठाया है, जिसने बाजार के सारे समीकरण बदल दिए हैं और देश में पेट्रोल-डीजल की सप्लाई को सुरक्षित रखा है।

मार्च के आंकड़ों पर से नजर डालें, तो युद्ध शुरू होने से पहले यानी फरवरी के मुकाबले भारत के कुल कच्चे तेल के आयात में 13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह हॉर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना है। ईरान और अमेरिका ने इस रूट से जहाजों के गुजरने पर सख्ती से रोक लगा दी है। हालात इतने गंभीर हैं कि बीते दो महीनों में बहुत कम तेल टैंकर ही भारत पहुंच सके हैं। बीते शनिवार को इस रास्ते को पार करने की कोशिश कर रहे भारत के दो जहाजों पर हमला भी हुआ। इसका नतीजा यह हुआ कि मिडिल ईस्ट से आने वाले तेल में 61 फीसदी की भारी गिरावट आई है। यह आंकड़ा गिरकर 1। 18 मिलियन बैरल प्रतिदिन पर आ गया है। इसके साथ ही, भारत के कुल तेल आयात में मिडिल ईस्ट की हिस्सेदारी घटकर 26.3 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई है।

मिडिल ईस्ट से सप्लाई रुकने के बाद भारत ने तेजी से अपनी रणनीति में बदलाव किया। इस कमी को तुरंत पूरा करने के लिए भारतीय रिफाइनरियों ने समंदर में तैरते (फ्लोटिंग) रूसी कच्चे तेल को धड़ल्ले से खरीदा। अमेरिका से ऐसा प्रतिबंधित तेल खरीदने की विशेष छूट (वैवर) पाने वाला नई दिल्ली पहला देश बन गया।

इसके चलते मार्च में रूस से भारत का तेल आयात लगभग दोगुना होकर 2.25 मिलियन बैरल प्रतिदिन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यानी, मार्च में भारत का आधा कच्चा तेल अकेले रूस से आया है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में समंदर से रूसी तेल खरीदने की इस छूट को करीब एक महीने के लिए और बढ़ा दिया है, जिससे यह सप्लाई आगे भी निर्बाध रहने की उम्मीद है। इस पूरे भू-राजनीतिक घटनाक्रम ने तेल सप्लायर्स की वैश्विक सूची में भी बड़ा फेरबदल किया है। रूस जहां लगातार भारत के लिए पहले नंबर का सप्लायर बना हुआ है, वहीं सऊदी अरब ने इराक को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। मिडिल ईस्ट की कमी को पूरा करने के लिए भारत ने अफ्रीकी देशों का भी रुख किया है। यही वजह है कि अंगोला अब भारत का तीसरा सबसे बड़ा तेल सप्लायर बन गया है, जिसके बाद यूएई और इराक का नंबर आता है। इन बदलावों के कारण भारत में ओपेक देशों की हिस्सेदारी भी गिरकर 29 प्रतिशत के अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गई है।

इतनी बड़ी वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद, भारत सरकार और तेल कंपनियों ने घरेलू बाजार की जरूरत को सुरक्षित कर लिया है। इसका सीधा मतलब है कि देश में ईंधन की कोई किल्लत नहीं होगी और कीमतें बेकाबू होने से बच गई हैं। दिलचस्प बात यह है कि मार्च 2026 को खत्म हुए वित्तीय वर्ष में भारत का कुल रूसी तेल आयात पिछले साल के मुकाबले 6.2 फीसदी कम रहा था। ऐसा इसलिए किया गया था ताकि नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच एक अहम व्यापार समझौता हो सके। इस कदम से कुल आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी 36 प्रतिशत से घटकर 33 प्रतिशत रह गई थी।

एक साल में केवल 54,080 की सैलरी!

ट्रिलियनेयर बनने जा रहे मस्क के साथ किसने किया ये 'मजाक'

नई दिल्ली,21 अप्रैल(एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स बड़ा धमाका करने जा रही है। कंपनी दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी में है जिसके लिए स्पेसएक्स की वैल्यूएशन 1.75 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है। इस बीच कंपनी ने अपने अधिकारियों की कंपनसेशन के बारे में जानकारी दी है। पिछले साल कंपनी ने अपनी प्रेजिडेंट ग्वेन शॉटवेल को 85.8 मिलियन डॉलर का कंपनसेशन दिया जबकि मस्क को केवल $54,080 मिले। शॉटवेल स्पेसएक्स की प्रेजिडेंट के साथ-साथ कंपनी की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर भी हैं।

रॉयटर्स के मुताबिक पिछले साल उन्हें 1 मिलियन डॉलर की सैलरी मिली। उनके कंपनसेशन में ज्यादातर हिस्सा स्टॉक ऑप्शंस और अवॉर्ड्स का रहा। इसके साथ ही शॉटवेल सबसे ज्यादा पैसा पाने वाली एग्जीक्यूटिव्स में शामिल हो गईं। उनकी कमाई माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला (79 मिलियन डॉलर) और ऐपल के टिम कुक (75 मिलियन डॉलर) से ज्यादा है। फोर्ब्स के मुताबिक शॉटवेल की नेटवर्थ 3.4 अरब डॉलर है। मस्क कंपनी के सीईओ हैं लेकिन 62 साल की शॉटवेल ही कंपनी का रोजमर्रा का कामकाज देखती हैं। शॉटवेल 2002 में वाइस प्रेजिडेंट बिजनेस डेवलपमेंट के तौर पर स्पेसएक्स से जुड़ी थीं। उन्होंने कंपनी के रियूजेबल फॉल्कन 9 रॉकेट के लिए डिमांड बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। साथ ही स्टारलिंक के सैटेलाइट ब्रॉडबैंड में भी उनकी अहम भूमिका है। कंपनी का ज्यादातर रेवेन्यू और प्रॉफिट इसी बिजनेस से आता है।

आईपीओ की तैयारी

दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी में स्पेसएक्स इस कंपनी में एलन मस्क की 40 से 42 फीसदी तक हिस्सेदारी स्पेसएक्स की वैल्यूएशन 1.75 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है कंपनी ने प्रेजिडेंट को $85.8 मिलियन का कंपनसेशन दिया

मस्क की नेटवर्थ

पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर शॉटवेल ने क्रिसलर मोटर्स से अपने करियर की शुरुआत की थी और बाद में वह स्पेस इंडस्ट्री से जुड़ गई थीं। स्पेसएक्स में मस्क की 40 से 42 फीसदी हिस्सेदारी है। माना जा रहा है कि कंपनी का आईपीओ आने के बाद वह दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन जाएंगे। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 659 अरब डॉलर है। स्पेसएक्स की लिस्टिंग से इसमें 700 अरब डॉलर का उछाल आ सकता है।

ईरान में शांति की उम्मीद में उछला बाजार

सेंसेक्स 753 अंक उछला, एसएआईएल का शेयर 15 साल के टॉप पर

नई दिल्ली,21 अप्रैल(एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में आज शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली। कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स में 800 अंक से ज्यादा उछला जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स 24,600 अंक के करीब पहुंचा।

आखिरकार सेंसेक्स 753.03 अंक यानी 0.96% तेजी के साथ 79,273.33 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 211.75 अंक यानी 0.87% तेजी के साथ 24,576.60 अंक पर पहुंच गया। सेल का शेयर कारोबार के दौरान 15 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 में से 23 शेयर तेजी के साथ बंद हुए।

हिंदुस्तान यूनिलीवर और ट्रेंट में करीब चार फीसदी तेजी रही। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, आईटीसी और इटरनल के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। दूसरी ओर बीईएल, टाइटन, रिलायंस, पावरग्रिड, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा और सन फार्मा में गिरावट रही। निफ्टी में नेस्ले इंडिया, ट्रेंट और हिंदुस्तान यूनिलीवर में सबसे ज्यादा तेजी आई। नेस्ले ने प्रति शेयर 5 रुपये डिविडेंड की घोषणा की है। ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप में 0.49 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.88 फीसदी तेजी रही। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी रियल्टी में भी तेजी रही।

इस बीच निफ्टी फार्मा में सबसे ज्यादा गिरावट रही।इस बीच सरकारी स्टील कंपनी सेल का शेयर आज कारोबार के दौरान 15 साल के हाई पर पहुंच गया। इस महीने इसमें 17 फीसदी तेजी आई। यह बीएसई पर 177.70 रुपये तक पहुंचा जो जनवरी 2011 के बाद इसका उच्चतम स्तर है। कंपनी का शेयर 13 दिसंबर 2007 को 292.50 रुपये पर पहुंचा था जो इसका ऑल-टाइम हाई था।

अंत में सेल का शेयर 1.62 फीसदी तेजी के साथ 175.30 रुपये पर बंद हुआ।अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर की मियाद खत्म होने से पहले बातचीत की आस जगी है। हालांकि ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बागेर गालीबाफ का कहना है कि वह अमेरिका के साथ बातचीत के पक्ष में नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी चेतावनी दी है कि अगर सीजफायर की डेडलाइन खत्म होने से पहले एग्रीमेंट नहीं हुआ तो बमों की बारिश होगी।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच क्या है आरबीआई का प्लान?

गवर्नर ने दी जानकारी, ब्याज दरों पर कोई जल्दबाजी नहीं

नई दिल्ली,21 अप्रैल(एजेंसियां)। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले से पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) में फैले तनाव पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की नजर है।

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक मध्य पूर्व में तनाव पर निकटता से नजर रख रहा है। उन्होंने ब्याज दरों में बदलाव को लेकर भी अपडेट दिया। अमेरिका के प्रिंसटन विश्वविद्यालय में अपने भाषण में मल्होत्रा ने कहा कि मौजूदा संघर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सीधा खतरा है, क्योंकि इस क्षेत्र की देश के व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि वह भविष्य की ब्याज दरों पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

आपूर्ति में कमी से दिखेगा असर

संजय मल्होत्रा ने कहा कि पश्चिम एशिया भारत के निर्यात का लगभग छठा हिस्सा, आयात का पांचवां हिस्सा, कच्चे तेल के आयात का आधा हिस्सा, उर्वरक आयात का दो-पांचवां हिस्सा और भारत को आने वाली रेमिटेंस में लगभग दो-तिहाई का योगदान देता है।

उन्होंने कहा कि वास्तविक चिंता दूसरे दौर के प्रभावों को लेकर है। आरबीआई गवर्नर ने चेतावनी दी कि आपूर्ति में अचानक आई कमी अगर जारी रही तो सामान्य मूल्यों में इसका प्रभाव देखने को मिल सकता है।

ब्याज दरों पर क्या बोले?

संजय मल्होत्रा ने ब्याज दरों को लेकर कहा कि आरबीआई जल्दबाजी में नहीं है और 'वेट एंड वॉच' मोड में है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति आंकड़ों पर निर्भर रहेगी और जोखिमों के संतुलन का लगातार पुनर्मूल्यांकन करती रहेगी।

रिजर्व बैंक की कमेटी एमपीसी ने जून 2025 से ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि उसी वर्ष फरवरी से ब्याज दरों में कुल 125 आधार अंकों की कटौती की गई थी।

सोना 59 बढ़कर 1.52 लाख पर पहुंचा : चांदी 612 सस्ती, 2.50 लाख पर आई

इस साल सोना 19 हजार महंगा हुआ

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सोना के दाम में आज यानी 21 अप्रैल को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 59 रुपए बढ़कर 152,155 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 20 अप्रैल को इसकी कीमत 1,52,096 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं चांदी के दाम में आज गिरावट देखने को मिल रही है। एक किलो चांदी 612 रुपए गिरकर 2,50,063 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले सोमवार को इसकी कीमत 2,50,675 रुपए प्रति किलो थी।

सोना इस साल 19 हजार और चांदी 20 हजार रुपए महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए और चांदी 20 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.50 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

एपल को मिला नया सीईओ : टिम कुक पद से देंगे इस्तीफा

कंपनी के हार्डवेयर प्रमुख जॉन टर्नस संभालेंगे कमान

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। एपल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक अपने पद से इस्तीफा देने जा रहे हैं। स्टीव जॉब्स के बाद उन्होंने यह पद संभाला था। अब उनका लगभग 15 साल का कार्यकाल खत्म हो रहा है।

जॉन टर्नस बनेंगे एपल के नए सीईओ

इस दौरान कंपनी का बाजार मूल्य बहुत तेजी से बढ़ा। आईफोन के दौर में एपल का मूल्य 3.6 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया। टिम कुक (65 वर्षीय) एक सितंबर से सीईओ के पद से हट जाएंगे। उनकी जगह कंपनी के हार्डवेयर इंजीनियरिंग प्रमुख जॉन टर्नस नए सीईओ बनेंगे।

कंपनी के कामकाज में सीमित भूमिका निभाते रहेंगे कुक

हालांकि, टिम कुक कंपनी से पूरी तरह नहीं हटेंगे। वह एपल में कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में जुड़े रहेंगे और कंपनी के कामकाज में भूमिका निभाते रहेंगे। यह बदलाव अमेजन के जेफ बेजोस और नेटफ्लिक्स के रीड हेस्टिंग्स की तरह है। उन्होंने भी सीईओ पद छोड़ने के बाद कंपनी में सीमित भूमिका निभाई थी। टिम कुक को स्टीव जॉब्स जैसी दूरदर्शिता वाला तकनीकी दिग्गज नहीं माना गया। लेकिन उन्होंने जॉब्स द्वारा बनाए गए आईफोन और अन्य तकनीकी नवाचारों का उपयोग किया। इसके जरिए उन्होंने एपल

को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। एपल कंपनी 1990 के दशक में लगभग दिवालिया होने की स्थिति में थी। कुक के नेतृत्व में दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो गई।

भारत में एपल पर सख्ती, लग सकता है 3.56 लाख करोड़ का जुर्माना

उधर, आईफोन एप्स मार्केट में दबदबे वाली स्थिति का गलत इस्तेमाल करने के मामले में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने एपल के खिलाफ जांच तेज करते हुए अंतिम सुनवाई की तारीख 21 मई तय कर दी है। यह कदम एपल की ओर से वित्तीय डाटा देने से लगातार इन्कार करने और जांच के निष्कर्षों पर उसकी आपत्तियों के बाद उठाया गया है। मामले में दोषी पाए जाने पर एपल पर 38 अरब डॉलर (करीब 3.56 लाख करोड़ रुपये) तक का भारी-भरकम जुर्माना लग सकता है।

ईरान युद्ध के बीच धड़ाधड़ इंटिग्रेटेड सर्किट आयात कर रहा है चीन, आखिर क्या है ड्रैगन का प्लान?

नई दिल्ली,21 अप्रैल(एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण दुनिया में तेल और गैस का संकट खड़ा हो गया है। लेकिन चीन अलग ही प्लान पर काम कर रहा है।

वह इंटीग्रेटेड सर्किट और हाई-टेक प्रोडक्ट्स का जमकर आयात कर रहा है। इस कारण मार्च में उसका आयात पिछले साल के मुकाबले 28 फीसदी बढ़ गया जबकि निर्यात में केवल 3 फीसदी तेजी देखने को मिला। इस कारण देश का ट्रेड सरप्लस मार्च में एक साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। फरवरी में चीन का एक्सपोर्ट 40 फीसदी उछला था लेकिन मार्च में इसमें पिछले साल के मुकाबले केवल 3 फीसदी तेजी आई। यह अक्तूबर 2025 के बाद एक्सपोर्ट में सबसे कम ग्रोथ है।

इस दौरान देश का आयात पिछले साल के मुकाबले 28 फीसदी उछल गया जो 2021 के अंतिम महीनों के बाद सबसे ज्यादा है। देश के आयात में सबसे ज्यादा उछाल इंटीग्रेटेड सर्किट में आई।देश में एआई की डिमांड बढ़ने से इंटीग्रेटेड सर्किट्स की मांग में तेजी आई है। इस कारण चीन को इनका आयात बढ़ाना पड़ा है। इंटीग्रेटेड सर्किट को माइक्रोचिप या चिप भी कहा जाता है। यह कंप्यूटर, फोन और अन्य डिवाइसेज के लिए बेहद जरूरी है।

आईसी के साथ साथ ही हाई-टेक प्रोडक्ट्स का आयात भी मार्च में करीब 40 फीसदी उछल गया। इस कारण चीन के ट्रेड सरप्लस केवल 51 अरब डॉलर रह गया जो एक साल में सबसे कम है।

भारत में रात को दस बजे से होती है क्रिप्टो की सबसे ज्यादा ट्रेडिंग, बिटकॉइन पहली पसंद

नई दिल्ली,21 अप्रैल(एजेंसियां)। शेयर मार्केट और क्रिप्टोकरेंसी की ट्रेडिंग में समय का सबसे बड़ा अंतर है। शेयर मार्केट में जहां निश्चित समय में ट्रेडिंग होती है तो वहीं क्रिप्टोकरेंसी के लिए ऐसा कोई टाइम फिक्स नहीं है। इसमें 24 घंटे कारोबार होता है।

इसे कभी भी खरीदकर कभी भी बेचा जा सकता है। यही कारण है कि भारत में इसके निवेशक रात को सबसे ज्यादा सक्रिय होते हैं। कॉइनस्विच की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अब रात के समय ट्रेडिंग करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में क्रिप्टो ट्रेडिंग का पीक टाइम रात 10 से 11 बजे के बीच होता है। इसका मतलब है कि लोग अपने दफ्तर और दिनभर के कामों के बाद फुर्सत में निवेश करना पसंद करते हैं। यह रिपोर्ट 2.5 करोड़ से अधिक निवेशकों के डेटा पर आधारित है। बिटकॉइन अभी भी भारतीय पोर्टफोलियो की रीढ़ बना हुआ है। कुल पोर्टफोलियो में इसकी हिस्सेदारी 9.2% है, जबकि कुल ट्रेडिंग में इसकी भागीदारी 17.4% है। डॉजकॉइन (6.0%) और शिबा इनु (4.4%) जैसे मीम कॉइन्स अभी भी भारतीयों के पसंदीदा बने हुए हैं।

आईपीएल देखना 'पाप' है? टिकट पर देना पड़ता है 40% जीएसटी

टीमों की सरकार से अपील– टैक्स कम किया जाए

नई दिल्ली,21 अप्रैल(एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच स्टेडियम में बैठकर देखना सस्ता हो सकता है, क्योंकि सरकार इस पर लगने वाले जीएसटी को कम कर सकती है। दरअसल, आईपीएल टीमों ने वित्त मंत्रालय से गुहार लगाई है कि टूर्नामेंट के मैचों को मनोरंजन के बजाय स्पोर्टिंग इवेंट की श्रेणी में रखा जाए।

अगर सरकार यह मांग मान लेती है, तो आईपीएल टिकटों पर लगने वाला जीएसटी 40% से घटकर सीधे 18% रह जाएगा। वर्तमान में आईपीएल टिकटों पर 40% जीएसटी लगता है, जबकि बीसीसीआई की ओर से आयोजित इंटरनेशनल मैचों के टिकटों पर केवल 18% टैक्स है।

आईपीएल टीमों का कहना है कि क्रिकेट मैच की तुलना कैसीनो या सट्टेबाजी से करना गलत है।

आईपीएल की टीमों ने सरकार से अपील की है कि टिकट पर लगने वाले जीएसटी को 40 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किया जाए। जीएसटी ढांचे में बदलाव से पहले आईपीएल टिकटों पर 28% टैक्स लगता था, जिसे बढ़ाकर अब 40% कर दिया गया है। आईपीएल टीमों का कहना है कि आईपीएल एक ऐसा खेल है जिसका आनंद समाज का हर वर्ग अपने परिवार के साथ लेता है। टीमों का कहना है कि कैसीनो और जुआ सामाजिक रूप से नकारात्मक प्रभाव डालते हैं, जबकि आईपीएल खेल संस्कृति को बढ़ावा देता है। तर्क दिया गया है कि जब 7,500 रुपये से महंगे होटल के कमरे या बिजनेस क्लास और फर्स्ट क्लास हवाई यात्रा पर 18% टैक्स लगता है, तो आईपीएल पर 40% क्यों?एक सरकारी अधिकारी ने पुष्टि की है कि यह मामला जीएसटी काउंसिल के पास भेजा जाएगा। जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक में इस पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है कि आईपीएल को 'स्पोर्ट्स' की कैटेगरी में लाकर टैक्स में राहत दी जाए या नहीं। अगर टैक्स में कटौती होती है, तो आईपीएल मैचों के टिकट काफी सस्ते हो सकते हैं, जिसका सीधा फायदा क्रिकेट फैंस की जेब को होगा।

दैनिक पंचांग

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् -**1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -**2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **06-03**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्यास्त. **18 -28**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष बुधवार **22 April 2026**
तिथि - षष्ठी **22-49** रात्री तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - आर्द्रा **22-13** रात्री तक उप पुनर्वसु
योग - अतिगण्ड **09-08** तक उप सुकर्मा
करण - कौलव **12-01** तक उप तैतिल
विशेष: श्री रामानंदाचार्य जयंती
विश्व पृथ्वी दिवस

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 12-15 से 13-49 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
लाभ	06-03 - 07-31 शुभ	उत्पात	18-28 - 19-58 अशुभ
अमृत	07-31 - 09-06 शुभ	शुभ.	19-58 - 21-24 शुभ
काल	09-06 - 10-40 अशुभ	अमृत	21-24 - 22-49 शुभ
शुभ	10-40 - 12-15 शुभ	चंचल	22-49 - 00-14 शुभ
रोग	12-15 - 13-49 अशुभ	रोग	00-14 - 01-40 अशुभ
उत्पात	13-49 - 15-24 अशुभ	काल	01-40 - 03-05 अशुभ
चंचल	15-24 - 16-58 शुभ	लाभ	03-05 - 04-31 शुभ
लाभ	16-58 - 18-28 शुभ	उत्पात	04-31 - 06-03 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आपका पोषण करने वाला स्वभाव आज भावनात्मक अन्वेषण को प्रोत्साहित करता है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे । छात्रवृति भी मिल सकती है । कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें । शारीरिक गतिविधि की कमी के लिए जल चिकित्सा और पौष्टिक, प्राकृतिक आहार की आवश्यकता होती है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें । दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं । संवेदनशीलता के कारण अधिक भोजन करना पड़ सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे है,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें । दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है । भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें । जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें । ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें । दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे । इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंतत दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा । अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

रिफाइनरी आगजनी पर सांसद बेनीवाल के गंभीर सवाल

बोले- करोड़ों रुपए पानी की तरह बहाने के बाद भी ये हाल?

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बाड़मेर-जैसलमेर के सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने पचपदरा स्थित एचआरएलएल रिफाइनरी की सीड्यू-वीडीयू यूनिट में लगी भीषण आग को लेकर केंद्र सरकार और रिफाइनरी प्रबंधन पर तीखे हमले किए हैं।

उन्होंने इस घटना को केवल एक तकनीकी दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए इसे 'भ्रष्टाचार, गंभीर लापरवाही और असुरक्षित कार्यप्रणाली' का जीता-जागता प्रमाण बताया है।

सांसद बेनीवाल ने रेखांकित किया कि जिस यूनिट का शुभारंभ प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तावित था, उसी में आग लगना सुरक्षा मानकों की भारी अनदेखी को दर्शाता है। उन्होंने इस घटना के पीछे के मुख्य कारणों पर सवाल उठाते

हुए निम्नलिखित बिंदु रखे।

प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर आधे-अधूरे काम को पूरा दिखाने की जल्दबाजी में सुरक्षा मानकों से समझौता किया गया।

निर्माण कार्य में ऐसी कंपनियों को शामिल किया गया, जिनके पास पर्याप्त अनुभव नहीं था, जिससे कार्य की गुणवत्ता प्रभावित हुई।

परियोजना की शुरुआती लागत 37 हजार करोड़ रुपए थी, जो अब बढ़कर 80 हजार करोड़ रुपए हो चुकी है। बेनीवाल ने अनुमान जताया कि प्रोजेक्ट पूरा होने तक यह सवा लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है, जो वित्तीय पारदर्शिता पर बड़ा सवाल है।

आर्थिक नुकसान और जनता की कमाई का दुरुपयोग

बेनीवाल ने दौरे के स्थगन से हुए नुकसान पर गहरी चिंता जताई। उनका दावा है कि प्रधानमंत्री की सभा और दौरे की तैयारियों, भीड़ जुटाने और प्रशासनिक तामझाम पर 1000 से 1200 करोड़ रुपए पानी की तरह बहा दिए गए। आगजनी और कार्यक्रम रद्द होने से हुआ यह खर्च जनता की गाढ़ी कमाई की बर्बादी है।

उच्च स्तरीय जांच की मांग

सांसद ने स्पष्ट किया कि इस पूरे प्रकरण की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि घृणित लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। रिफाइनरी के सुरक्षा ऑडिट की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

वित्तीय अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच हो ताकि सच सामने आ सके।

उन्होंने अंत में चेतावनी दी कि ऐसी घटनाएं न केवल आर्थिक क्षति पहुंचाती हैं, बल्कि महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं के प्रति आमजन के विश्वास को भी कमजोर करती हैं।

वसुंधरा राजे के नाम पर 'गंदा खेल' खेलने वाले मध्य प्रदेश में फंसे, बचाव में उतरे हरीश चौधरी ने दी चेतावनी

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में भूचाल लाने की कोशिश करने वाले 'फर्जी लेटर कांड' की आंच अब पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश तक पहुंच गई है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और संघ प्रमुख मोहन भागवत के नाम का इस्तेमाल कर जो 'गंदा सियासी खेल' सोशल मीडिया पर खेला गया, उसके तार अब मध्य प्रदेश कांग्रेस के आईटी सेल से जुड़ गए हैं। भोपाल पुलिस की कार्रवाई ने इस मामले में नया मोड़ ला दिया है, जिसके बाद राजस्थान के दिग्गज नेता हरीश चौधरी अपने कार्यकर्ताओं के बचाव में उतर आए हैं।

फर्जी लेटर और साजिश का पर्दाफाश

पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर वसुंधरा राजे के नाम से जारी एक कथित पत्र खूब शेयर हो रहा था, जिसमें वसुंधरा राजे और संघ प्रमुख के बीच की बातचीत का फर्जी हवाला दिया गया था। बीजेपी ने इसे शुरू से ही पार्टी की छवि खराब करने और वरिष्ठ नेताओं के बीच दरार पैदा करने की एक गहरी साजिश करार दिया था। इस मामले में जांच आगे बढ़ी, तो पुलिस के रडार पर मध्य प्रदेश कांग्रेस आईटी सेल के कार्यकर्ता आ गए। भोपाल पुलिस ने इस फर्जी सामग्री को प्रसारित करने के आरोप में तीन कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है।

मैदान में उतरे हरीश चौधरी, दी खुली चेतावनी

कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हुई इस कार्रवाई ने राजस्थान के पूर्व मंत्री और एमपी कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी को नाराज कर दिया है। उन्होंने इस कार्रवाई को 'लोकतंत्र की हत्या' और 'अवैध हिरासत' करार देते हुए बीजेपी सरकार को खुली चेतावनी दे दी है। हरीश चौधरी ने 'X' पर आक्रामक रुख अपनाते हुए लिखा कि संगठन अपने कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़ा है और वह इस मुद्दे को कानूनी और राजनीतिक, दोनों मोर्चों पर लड़ेंगे।

बीजेपी का पलटवार: 'ये गंदा खेल भारी पड़ेगा'

इधर, बीजेपी के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर साफ कर दिया कि इस फर्जीवाड़े को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वसुंधरा राजे जैसी वरिष्ठ नेता के नाम का दुरुपयोग करना एक गंभीर अपराध है। प्रशासनिक अमला सक्रिय है और इस 'गंदे खेल' के मास्टरमाइंड को चिन्हित कर उसके खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जाएगी जो मिसाल बनेगी।

पेपरलीक मामले में हाईकोर्ट की सख्ती

छठी बार खारिज की कांस्टेबल भर्ती के आरोपी की जमानत

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने पेपरलीक मामले में सख्ती दिखाते हुए जमानत से फिर इनकार कर दिया। कोर्ट ने 2018 की कांस्टेबल भर्ती मामले में गिरफ्तार कमल कुमार वर्मा की ओर से जमानत याचिका फिर खारिज कर दी। न्यायाधीश प्रमिल कुमार माथुर ने यह आदेश दिया। जमानत के लिए यह याचिका छठवीं बार दायर की गई।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता हेमंत विजय ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता परीक्षा केंद्र पर वीक्षक के तौर पर तैनात था। इस मामले में अन्य आरोपियों को जमानत मिल चुकी है, जबकि याचिकाकर्ता मई 2022 से जेल में है। उसे फंसाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का भी हवाला दिया, जिसमें कहा कि जिनकी एक तिहाई सजा पूरी हो चुकी हैं उनकी जमानत मंजूर की जानी चाहिए। उधर, सरकार की ओर से अधिवक्ता जयप्रकाश तिवाड़ी ने कहा कि इस मामले में 46 में से 32 गवाहों का परीक्षण हो चुका है। जमानत के इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी राहत नहीं दी। कोर्ट ने कहा कि मामला संगठित अपराध से जुड़ा है, सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों से प्रथम दृष्टया याचिकाकर्ता की लिप्तता साबित हो रही है। केवल जेल में लंबे समय से होने के आधार पर राहत नहीं दी जा सकती।

पंचायत चुनाव से पहले एक्टिव हुई भाजपा

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का 27 अप्रैल को राजस्थान दौरा तय

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा संगठन को लेकर आने वाले समय में हलचल तेज होने वाली है। भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आगामी 27 अप्रैल को राजस्थान दौरे पर आ रहे हैं। इस संभावित यात्रा को लेकर संगठन स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और इसे अहम राजनीतिक घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। इस दौरान संगठन को मजबूत करने और आगामी रणनीतियों पर गहन मंथन होने की संभावना है। भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आगामी 27 अप्रैल को राजस्थान दौरे पर आएंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार वे सुबह जयपुर पहुंचेंगे, जहां से सीधे टोक जाएंगे। टोंक में वे स्थानीय भाजपा कार्यालय के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अन्य जिला कार्यालयों का उद्घाटन करेंगे।

भाजपा नेताओं के अनुसार टोंक से बूंदी, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बाड़मेर, पाली और चूरू के जिला कार्यालयों का उद्घाटन किया जाएगा, जबकि दो जिला कार्यालयों का शिलान्यास भी होगा। इसके बाद नितिन नवीन जयपुर लौटेंगे और भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश कोर कमेटी की बैठक लेंगे। बीते दिनों राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की थी। दोनों के बीच राजस्थान में सरकार और संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही प्रदेश में नियुक्तियों और आगामी पंचायत राज चुनावों के साथ ही राज्य मंत्रिमंडल में संभावित विस्तार को लेकर भी चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान सीएम भजनलाल शर्मा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से राजस्थान दौरे का भी आग्रह किया था। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का प्रदेश दौरा इस कारण से काफी अहम माना जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का कहना है कि पार्टी सिर्फ राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि अपने संगठनात्मक ढांचे को भी मजबूत और आधुनिक बनाने पर जोर दे रही है। इसी दिशा में राजस्थान के हर जिले में भाजपा के नए कार्यालय तैयार किए जा रहे हैं। साथ ही, राज्य स्तर पर एक भव्य और अत्याधुनिक मुख्यालय के निर्माण को लेकर भी चर्चा जारी है, जिस पर जल्द ही फैसला लिया जा सकता है।

बांदीकुई एसडीएम के नाम पर 15000 की रिश्वत लेता कर्मचारी गिरफ्तार

दौसा, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अलवर की टीम ने उपखंड अधिकारी कार्यालय बांदीकुई में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत लैब असिस्टेंट आदित्य शर्मा को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि हेल्पलाइन नंबर 1064 पर एक अधिवक्ता के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया गया कि परिवादी ने 15 अप्रेल 2026 को एसडीएम कोर्ट बांदीकुई में एक मामला दायर किया था। इस मामले में स्टे आदेश जारी करने के एवज में 30 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत के अनुसार यह राशि एसडीएम रामसिंह राजावत के नाम पर उनके अधीन कार्यरत कर्मचारी आदित्य शर्मा के जरिए मांगी जा रही थी। एसीबी चौकी अलवर की टीम ने 17 अप्रेल को शिकायत का सत्यापन किया। जिसमें 15 हजार रुपए की रिश्वत मांगना प्रमाणित पाया गया। इसके बाद एसीबी के उप अधीक्षक शब्बीर खान ने नेतृत्व में टीम ने आरोपी को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोच लिया। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक पुलिस एस. परिमला के निर्देशन में मामले की आगे की जांच जारी है।

शहरों में पारा 40 डिग्री पार, कोटा सबसे गर्म

मौसम विभाग का हीटवेव यलो अलर्ट

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में अप्रैल के महीने में ही गर्मी ने अपने रौद्र रूप का अहसास कराना शुरू कर दिया है। मरुधरा के कण-कण में अब तपिश महसूस की जा रही है। राज्य के 12 प्रमुख शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज किया गया। चौंकाने वाली बात यह रही कि थार के रेगिस्तान वाले बाड़मेर और जैसलमेर से भी अधिक गर्मी कोटा में दर्ज की गई, जहां पारा 42 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा।

प्रदेश में केवल दिन ही नहीं, बल्कि रातें भी अब झुलसाने लगी हैं। राजधानी जयपुर और फलोदी जैसे शहरों में न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है, जिससे लोगों को रात में भी चैन नहीं मिल रहा है। मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर के अनुसार, आने वाले कुछ दिनों तक आसमान बिल्कुल साफ रहेगा, जिससे सूरज की किरणें सीधे धरती पर आएंगी। विभाग ने राज्य में हीटवेव (लू) चलने का यलो अलर्ट जारी किया है।

गर्मी के आंकड़ों ने सबको हैरान कर दिया। फलोदी और बाड़मेर में दिन की झुलसाने वाली धूप के बाद रात का पारा 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। सबसे गर्म रात फलोदी में रही, जहां न्यूनतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस रहा। अन्य शहरों की स्थिति कुछ इस प्रकार रही-

पर्यटन और स्वास्थ्य पर असर

तेज गर्मी का सीधा असर राजस्थान के पर्यटन उद्योग पर दिखने लगा है। झीलों की नगरी उदयपुर और धार्मिक नगरी अजमेर में सैलानियों की आवाजाही में भारी गिरावट आई है। पर्यटन स्थलों पर दोपहर के समय सन्नाटा पसरा रहता है।

दूसरी ओर, प्रशासन ने बिगड़ते मौसम को देखते हुए कमर कस ली है। सबसे गर्म रहे कोटा के अस्पतालों में हीटवेव वार्ड तैयार किए गए हैं और मरीजों के लिए विशेष बेड रिजर्व किए गए हैं। चिकित्सकों ने सलाह दी है कि लोग दोपहर 12 से 4 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचें और शरीर में पानी की कमी न होने दें।

आगामी चेतावनी

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तापमान में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही, तो आने वाले सप्ताह में पारा 45 डिग्री के स्तर को भी छू सकता है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता न होने के कारण शुष्क हवाएं गर्मी को और अधिक कष्टदायक बना रही हैं।

कृषि पर्यवेक्षक परीक्षा में मुन्ना भाई गिरफ्तार

चप्पल के सोल में मोबाइल छिपाकर पहुंचा

सवाई माधोपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय पर रविवार को आयोजित कृषि पर्यवेक्षक परीक्षा में मानटाउन थाना पुलिस ने एक मुन्ना भाई को गिरफ्तार किया है। जिला मुख्यालय के मानटाउन थाना क्षेत्र स्थित परीक्षा केंद्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मानटाउन पर आयोजित परीक्षा के दौरान पुलिस ने आरोपी को पकड़ा। आरोपी इतना शातिर निकला कि परीक्षा केंद्र पर चल रही कड़ी जांच के बावजूद चप्पल के सोल में छिपाकर मोबाइल लेकर परीक्षा कक्षा तक पहुंच गया। इतना ही नहीं, अभ्यर्थी ने अपने मोबाइल से प्रश्न पत्र की फोटो भी खींची। परीक्षा केंद्र तक मोबाइल पहुंचने की सूचना से पुलिस और प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त जिला कलेक्टर सहित पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। आरोपी 31 वर्षीय केदार प्रसाद मीना, पुत्र मूलचंद मीना, निवासी रईथा कला, थाना कुण्डेरा को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन के रिमांड पर सौंपा गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मामले की जांच कर रहे हैं। इस संबंध में मानटाउन थाना पुलिस ने केंद्र अधीक्षक चंद्रशेखर जोशी की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ अभियोग संख्या 135/2026 धारा 318(4) बीएनएस तथा राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम 2022 की धारा 3 और 10 के तहत मामला दर्ज किया है।

नर्सिंग छात्रा समेत झालावाड़ में 2 युवतियों ने किया सुसाइड

झालावाड़, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। घर से कॉलेज जाने की बात कहकर निकली नर्सिंग छात्रा ने मुंडेरी के पास कालीसिंध नदी के पुल से कूदकर जान दे दी। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस के अनुसार धनवाड़ा निवासी विनीता सुमन (22) पुत्री दिलीप नर्सिंग कॉलेज में अध्ययनरत थी। वह अपने घर से कॉलेज में फॉर्म भरने जाने की बात कहकर निकली थी। करीब सात बजे वह मुंडेरी के पास कालीसिंध नदी के पुल पर पहुंची।

उसने अपनी स्कूटी रोकी और नीचे छलांग लगा दी। वह पानी की बजाय पत्थरों पर गिर गई। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को गंभीर हालत में एसआरजी अस्पताल लेकर गई, जहां कुछ देर बाद उसने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। झालावाड़ जिले के झालरापाटन नगर के पुराना बिजली घर क्षेत्र निवासी युवती ने लाइलाज बीमारी से तंग होकर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। इससे उसकी मृत्यु हो गई।

पुलिस ने बताया कि पुराना बिजली घर क्षेत्र निवासी भैरूलाल सोनी की पुत्री 23 वर्षीय वर्षा सोनी रविवार रात खाना खाकर सोई थी। रात करीब 12 बजे से उसे अचानक उल्टियां शुरू हो गई।

जिस पर परिजन उसे एसआरजी चिकित्सालय झालावाड़ लेकर गए। अस्पताल में उपचार कर रहे चिकित्सकों ने बताया कि इसने किसी जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया।

जिससे उसकी तबीयत खराब हुई। चिकित्सकों ने उसे आईसीयू वार्ड में भर्ती किया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। परिजनों ने बताया कि मृतका यहां पर ही एक दुकान पर सेल्स गर्ल का काम करती थी। वह किसी लाईलाज बीमारी से पीड़ित थी, जिसके कारण वह तनाव में रहती थी। परिजनों ने आशंका जताई कि संभवतः उसने इसी कारण आत्महत्या की है। पुलिस सभी मामलों को ध्यान में रखते हुए इसकी गहनता से जांच कर रही है।

कार-बाइक की टक्कर में दो लोगों की मौत

चार साल की बच्ची लड़ रही जिंदगी की जंग

झुंझुनू, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। झुंझुनूं के सदर थाना क्षेत्र में बीड़ चेकपोस्ट से करीब 500 मीटर दूर एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें तेज रफ्तार कार और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक और उसकी ममेरी बहन की मौत हो गई, जबकि चार साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

पुलिस के अनुसार, जीणी पंचायत के हरिपुरा निवासी पवन काजला अपनी ममेरी बहन पूजा, जो स्वामीसेही की निवासी थी, और उसकी चार साल की बेटी गर्वी के साथ इलाज के लिए झुंझुनूं आए थे। उपचार के बाद तीनों बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

अस्पताल पहुंचने से पहले टूटी सांसें

टक्कर के बाद तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद राहगीरों ने तुरंत मदद करते हुए घायलों को बीडीके अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने पवन काजला को मृत घोषित कर दिया। वहीं पूजा और बच्ची को प्राथमिक उपचार देने के बाद जयपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में पूजा ने दम तोड़ दिया।

हादसे में गंभीर रूप से घायल चार साल की बच्ची गर्वी का चौमूं के एक निजी अस्पताल में इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और लगातार निगरानी में रखा गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जोरदार थी कि पूजा और बच्ची उछलकर पीछे आ रही एक कार के शीशे पर जा गिरीं। इससे उस कार का शीशा भी टूट गया। वहीं हादसे में बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

घटना के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों और कार चालक की भूमिका को लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अगवा कर युवक की नाक काटी, वीडियो बनाया

अब 8 दोषियों को 3-3 साल का कारावास

अजमेर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर में गेगल थाना क्षेत्र के बहुचर्चित अपहरण व नृशंस मारपीट प्रकरण में न्यायालय जेएम नंबर-02 अजमेर ने कड़ा फैसला सुनाते हुए 8 आरोपियों को दोषी ठहराया। न्यायालय ने सभी दोषियों को 3-3 वर्ष के कठोर कारावास तथा प्रत्येक पर 50-50 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। यह मामला अपनी वीभत्सता के कारण क्षेत्र में खासा चर्चा में रहा था।

प्रकरण के अनुसार नागौर के परबतसर निवासी परिवादी हमीद खान जो घटना के समय गेगल स्थित अनसल सिटी चांदियावास में रहता था। परिवादी ने 20 मार्च 2023 को थाना गेगल में रिपोर्ट दर्ज कराकर बताया कि 18 मार्च 2023 की शाम करीब 4 बजे आरोपीगण उसके निवास पर आए और उसके व उसकी पत्नी के साथ मारपीट कर जबरन दोनों का अपहरण कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर गंभीर रूप से प्रताड़ित किया।

परिवादी के अनुसार उसे मारोठ ले जाकर लाठी-सरियों से बेरहमी से पीटा गया और देर रात तालाब के पास ले जाकर आरोपियों ने उसकी नाक काट दी। इतना ही नहीं इस अमानवीय कृत्य का वीडियो भी बनाया गया। वारदात के बाद आरोपियों ने उसे नावा चौराहे के पास छोड़ कर भाग गए। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस ने 12 घंटे में सभी आरोपियों को दबोचा था

पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन थानाधिकारी सुनील कुमार बेड़ा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 12 घंटे में सभी आरोपियों को दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया था। प्रकरण को केस ऑफिसर स्कीम के तहत लेते हुए सहायक उपनिरीक्षक कमल किशोर को केस ऑफिसर नियुक्त किया गया।

जिन्होंने न्यायालय में नियमित व प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की। थानाधिकारी गेगल ने बताया कि यह निर्णय न केवल पीड़ित को न्याय दिलाने वाला है, बल्कि समाज में इस प्रकार के जघन्य अपराधों के विरुद्ध कड़ा संदेश भी देता है। उन्होंने बताया कि प्रकरण के खुलासे, अनुसंधान व अभियोजन में पुलिस निरीक्षक सुनील कुमार बेड़ा, कांस्टेबल रिश्वेंद्र सिंह तथा केस ऑफिसर कमल किशोर की विशेष भूमिका रही।

शिक्षा विभाग के कर्मचारी का हो रहा था बाल विवाह, टीम ने पहुंचकर दी चेतावनी

कोटा, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटा जिले में दो मामलों में समय रहते कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने नाबालिगों के विवाह रुकवाए। एक मामले में जहां शिक्षा विभाग में कार्यरत कर्मचारी का बाल विवाह रोका गया, वहीं दूसरे मामले में एक नाबालिग युवती ने खुद फोन कर अपने विवाह की सूचना दी, जिससे उसका विवाह भी रुक गया।

अनुकंपा नियुक्ति पर शिक्षा विभाग में कार्यरत है कर्मचारी

जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रामराज मीणा ने बताया कि कुन्हाड़ी क्षेत्र में तुकाराम सामुदायिक भवन में एक बालक के विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन को मिली थी। सूचना पर लाडपुरा तहसीलदार, चाइल्ड हेल्पलाइन, सृष्टि सेवा समिति और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और तुरंत मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की । युवक के घर जाकर जांच की गई, जहां दस्तावेजों में उसकी आयु 20 वर्ष पाई गई। इस पर टीम ने परिजनों को विवाह तत्काल रोकने के निर्देश दिए और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। युवक अपने पिता की जगह अनुकंपा नियुक्ति पर शिक्षा विभाग में कार्यरत है ।

संरक्षण अधिकारी दिनेश शर्मा ने बताया कि दूसरे मामले में एक नाबालिग युवती ने खुद चाइल्ड हेल्पलाइन पर कॉल कर बताया कि उसके माता-पिता 26 अप्रेल को उसकी शादी कराने की तैयारी कर रहे हैं । विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की जा रही थी । बाद में युवती ने दोबारा कॉल कर बताया कि वह घर से निकलकर डीसीएम रोड पर खड़ी है और काफी डरी-सहमी हालत में है ।

सूचना मिलते ही चाइल्ड हेल्पलाइन और सृष्टि सेवा समिति की टीम मौके पर पहुंची और युवती को सुरक्षित अपने साथ लिया । इस दौरान टीम ने मौके पर मौजूद लोगों से भी जानकारी जुटाई और स्थिति को शांतिपूर्वक संभाला। इसके बाद उद्योग नगर थाने में सूचना दर्ज कर उसे बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया, जहां काउंसलिंग के बाद उसे अस्थायी रूप से राजकीय बालिका गृह में आश्रय दिलाया गया । दोनों मामलों में प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से बाल विवाह रोके जा सके हैं और संबंधित परिवारों को कानून के प्रति जागरूक किया गया है ।

कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें : मंत्री अदलूरी

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महान नेताओं की जयंती के अवसर पर मंगलवार को सचिवालय में एससी-एसटी कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कल्याण विभाग के मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और संबोधित किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि जब तक उनमें शक्ति है, तब तक वे वंचित वर्गों के उत्थान और कर्मचारियों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि महान नेताओं के विचारों के अनुसार आगे बढ़ना सभी की जिम्मेदारी है। मंत्री ने बताया कि डॉ.बी.आर. अंबेडकर के विचारों के अनुसार केवल शिक्षा के माध्यम से ही सभी समस्याओं का समाधान संभव है और इसी दिशा में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोअर टैंकबंड के पास अंबेडकर नॉलेज सेंटर तथा निंबोली अड्डा में पुस्तकालय और छात्रावास के निर्माण के लिए बजट में निधि आवंटित की गई है। उन्होंने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे महान व्यक्तियों के दिखाए मार्ग पर चलें और सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि कर्मचारी केवल कर्मचारी ही नहीं, बल्कि जनता की सेवा करने वाले प्रतिनिधि हैं। मंत्री ने कहा कि अप्रैल माह भारतीय इतिहास में विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसी महीने बाबू जगजीवन राम, डॉ.बी.आर. अंबेडकर और ज्योतिबा फुले जैसे महान नेताओं का जन्म हुआ था। उन्होंने कहा कि ये केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा, एक आंदोलन और समानता के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार कर्मचारियों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। बीमा योजनाएं, स्वास्थ्य सुविधाएं, नौकरी की सुरक्षा और पेंशन नीतियां कर्मचारियों के जीवन स्तर को बेहतर बना रही हैं। ये योजनाएं सरकार के कर्मचारियों पर विश्वास का प्रतीक हैं। मंत्री ने कहा कि अब कर्मचारियों की जिम्मेदारी है कि वे पारदर्शिता और दक्षता के साथ जनता को सेवाएं प्रदान करें, ताकि हर नागरिक का सरकार पर विश्वास बढ़े। उन्होंने कहा कि सेवा में निष्पक्षता, निष्ठा और जिम्मेदारी का भाव होना चाहिए, जिससे प्रत्येक कार्य किसी परिवार के लिए भरोसा बन सके। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारी संघ के नेताओं ने सचिवालय परिसर में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने की मांग रखी। इस पर मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे मुख्यमंत्री से चर्चा कर इस दिशा में प्रयास करेंगे।

साइबर अपराध पर लगाम के लिए बैंकिंग सिस्टम में सुधार जरूरी : वी.सी. सज्जनार

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने देश में बढ़ते साइबर अपराध पर चिंता जताते हुए बैंकिंग प्रणाली में अहम सुधारों की आवश्यकता बताई है। उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा को पत्र लिखकर संगठित साइबर गिरोहों पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाने की सिफारिश की है। आयुक्त ने बताया कि 'ऑपरेशन ऑक्टोपस' जांच के दौरान यह सामने आया कि निर्दोष लोगों के नाम पर खोले गए 'म्यूल अकाउंट' साइबर ठगी का प्रमुख माध्यम बन चुके हैं। इस जांच में केवाईसी प्रक्रिया में गंभीर खामियां और लापरवाही उजागर हुई हैं। सज्जनार ने आरबीआई से सभी बैंकों को सख्त निर्देश जारी करने, शाखा स्तर पर जवाबदेही तय करने और केवाईसी नियमों के पालन की व्यापक ऑडिट कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में बैंक कर्मचारी भी साइबर अपराधियों के साथ मिलीभगत कर रहे हैं। महाराष्ट्र के नासिक स्थित एक निजी बैंक शाखा का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि एक कर्मचारी ने अवैध रूप से सहकर्मी के क्रेडेंशियल का उपयोग कर म्यूल अकाउंट बनाए। पत्र में निजी बैंकों में ऐसी अनियमितताओं की अधिकता पर भी चिंता जताई गई है। उन्होंने सुझाव दिया कि साइबर अपराध में संलिप्त पाए गए या आरोपपत्रित बैंक अधिकारियों की जानकारी आरबीआई को दी जाए और उन्हें स्थायी रूप से ब्लैकलिस्ट किया जाए। साइबर अपराध से निपटने के लिए उन्होंने आरबीआई, बैंकों और पुलिस के प्रतिनिधियों का संयुक्त कार्यबल (जॉइंट वर्किंग ग्रुप) बनाने का प्रस्ताव भी रखा है, जो म्यूल अकाउंट्स पर नियमित निगरानी रखे। साथ ही बैंकों को रियल-टाइम में संदिग्ध लेनदेन पहचानने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने पर जोर दिया।

आयुक्त ने आम जनता से भी सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अधिक लाभ का झांसा देने वाले विज्ञापनों से बचने की सलाह दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी जांच एजेंसी वीडियो कॉल के जरिए पूछताछ या 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर पैसे की मांग नहीं करती।

सज्जनार ने लोगों को चेतावनी दी कि कमीशन के लिए बैंक खाते किराए पर देना गैरकानूनी है और ऐसे खातों से होने वाले अपराधों की जिम्मेदारी खाताधारक की ही होगी।

राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर द्वारा राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस वर्ष का विषय पब्लिक रिलेशंस-लोकतंत्र का पांचवां स्तंभ रखा गया। कार्यक्रम का आयोजन सोमाजीगुड़ा स्थित प्रेस क्लब में किया गया, जिसमें जनसंपर्क, मीडिया और शिक्षा जगत से जुड़े कई गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि टी रजनी, सेवानिवृत्त न्यायाधीश, तेलंगाना उच्च न्यायालय रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि एक सशक्त लोकतंत्र में जिम्मेदार और नैतिक संवाद संस्थाओं और नागरिकों के बीच सेतु का काम करता है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने में जनसंपर्क की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए इसे लोकतंत्र का पांचवां स्तंभ कहा जाना उचित है। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायपालिका की अपनी सीमाएं होती हैं और न्यायाधीश संवैधानिक भावना और अंतरात्मा के आधार पर निर्णय लेते हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में संजय कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, हैदराबाद तथा सी वानजा, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार एवं मीडिया शिक्षिका उपस्थित रहीं। संजय कुमार ने कहा कि कानून-व्यवस्था और संकट की स्थितियों में समय पर, तथ्यात्मक और संवेदनशील संवाद से जनता का विश्वास कायम रहता है। वहीं, सी वानजा ने कहा कि सूचना के इस दौर में जनसंपर्क और पत्रकारिता से जुड़े लोगों की जिम्मेदारी है कि वे सत्यापन कर सही जानकारी जनता तक पहुंचाएं और फेक न्यूज का मुकाबला करें। इस अवसर पर वाई बाबजी, संपादक ने कहा कि पीआरएसआई पेशेवर मानकों और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे जनसंपर्क को केवल करियर नहीं, बल्कि समाज और लोकतंत्र के प्रति जिम्मेदारी के रूप में देखें। यू एस शर्मा, पीआरएसआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (दक्षिण) ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के आह्वान पर देशभर के सभी चैप्टर इस विषय पर कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने हैदराबाद चैप्टर की पहल की सराहना की।

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. यदागिरी कंभमपाटी, चेयरमैन, पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि यह मंच जनसंपर्क पेशेवरों, मीडिया, शिक्षाविदों और सरकार के बीच संवाद को मजबूत करने का काम कर रहा है। अंत में राजेश कल्याणा, चैप्टर सचिव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उल्लेखनीय है कि पीआरएसआई की स्थापना वर्ष 1958 में हुई थी और यह देश में जनसंपर्क पेशेवरों की शीर्ष संस्था है, जो हर वर्ष 21 अप्रैल को राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के रूप में मनाती है।

सुधांशु महाराज का अवतरण दिवस तीन मई को मनाया जाएगा

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के सत्संग व मिडिया प्रभारी राजकुमार दायमा के अनुसार आज अमृतधाम आश्रम में सुधांशु महाराज के अवतरण दिवस 3 मई रविवार को धूमधाम से मनाने हेतु बैठक का आयोजन किया गया।

केंद्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौड की अध्यक्षता में बैठक में गुरुदेव की दीर्घ आयु हेतु 3 मई को आश्रम के विशाल सत्संग हाल में सामूहिक महामृत्युंजय महामंत्र जाप और महामृत्युंजय महायज्ञ करनें का निर्णय लिया गया। इस महोत्सव में 71 मंदिरो में पूजा-अर्चना करनें का और अस्पतालों में फल वितरण का निर्णय लिया गया। महाराज श्री का 71वाँ जन्मदिवस और आध्यात्मिक प्रवचन करते हुए गुरुदेव जी को 51 वर्ष पुर्ण होनें पर महाराज श्री द्वारा संस्थापित आश्रमो पर और उनके द्वारा संस्थापित संचालित किए गए अस्पताल, गोशालाओ और गुरुकुलो, उपदेशक महाविद्यालय, गरीब आदिवासी बच्चों के लिए स्कूल और गरीब कन्याओ के विवाह तथा आपदाग्रस्त क्षेत्रों में आवश्यक सामानो की पूर्ति करनें हेतु डाकुमेंट्री फिल्म दिखाए जानें का निर्णय लिया गया।

अवसर पर विश्व जागृति मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौड, मिशन हैदराबाद मंडल के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल प्रबंधक सज्जनलाल श्रीवास्तव, पी.रघुवीर, शंकरलाल अग्रवाल, जनसंपर्क अधीकारी राजकुमार दायमा, राजु भागचंदानी, भाग्यनारायण, प्रकाश देवकर, धनराज नागरे, भरत कुमार सुत्रवे,लक्ष्मण बिरादर, रामचंदर राव, जे. भिक्षापती, राजकुमार मालगे,प्रदीप लेले आदि उपस्थित थे।

वरिष्ठ नागरिकों को आसरा कार्ड वितरित

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (सीएमसी) की आयुक्त जी. श्रीजना ने 99 डेज एक्शन प्लान 'प्रजा पालना प्रगति प्रणालिका' के तहत आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों को आसरा कार्ड वितरित किए। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त (यूसीडी) सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे और बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान आयुक्त ने लाभार्थियों से संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को निरंतर सहायता और देखभाल सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। इस पहल का उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करना और पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ बिना देरी पहुंचाना है। आयुक्त ने कहा कि निगम समावेशी प्रशासन के प्रति प्रतिबद्ध है, जिससे समाज के कमजोर वर्गों को सम्मान और गरिमा के साथ सहयोग मिल सके।

सभी केंद्रीय कारागारों में नशामुक्ति केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं : डॉ. सौम्या मिश्रा

प्रशिक्षु एएसपी एवं डीएसपी का केंद्रीय कारागार चेर्लापल्ली का दौरा

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल पुलिस अकादमी के आरआर 77वें बैच के प्रशिक्षु एएसपी तथा आरबीवीआरआर तेलंगाना पुलिस अकादमी के 102 ग्रुप-1 प्रशिक्षु अधिकारी (उप पुलिस अधीक्षक) ने अपने फील्ड प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत केंद्रीय कारागार चेर्लापल्ली का दौरा किया। प्रिजन एवं सुधार सेवा की महानिदेशक डॉ. सौम्या मिश्रा ने प्रशिक्षु अधिकारियों को जेल प्रशासन एवं बंदियों के सुधार के लिए किए जा रहे उपायों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जेलों में निवृत्ति पहल के तहत सभी केंद्रीय कारागारों एवं महिला विशेष कारागारों में नशामुक्ति केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जो देश में अपनी तरह का पहला प्रयास है। उन्होंने कहा कि अब जेल केवल दंड देने का स्थान नहीं रह गई हैं, बल्कि इन्हें सुधारात्मक संस्थानों में परिवर्तित किया गया है, जहां बंदियों को समाज में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में पुनः स्थापित करने पर जोर दिया जाता है। उन्होंने विभाग के मूल मंत्र कस्टडी विद केयर तथा ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स को भी दोहराया। कारागार विभाग के कार्य, प्रशासन, कल्याणकारी गतिविधियों एवं नई पहलों पर एक विस्तृत प्रस्तुति निरीक्षक जनरल ऑफ प्रिजन्स एन. मुरली बाबू द्वारा दी गई। दौरे के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को जेल के विभिन्न अनुभागों का भ्रमण कराया गया, जिसमें संजीवनी (जेल अस्पताल), जेल उद्योग इकाइयां, अन्नपूर्णा (कैदियों की रसोई), पुस्तकालय एवं बैरक शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने चेर्लापल्ली स्थित कैदियों की कृषि कॉलोनी का भी निरीक्षण किया, जहाँ पोल्ट्री, डेयरी, मत्स्य पालन, कृषि एवं अन्य गतिविधियों का संचालन कैदियों द्वारा किया जाता है।

तेलंगाना में 3 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद : रवींद्र

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में अब तक 3 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है और 26 करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में जमा किए गए हैं।

यह जानकारी सिविल सप्लाई आयुक्त एम. स्टीफन रवींद्र ने कामारेड्डी जिले के निरीक्षण के दौरान दी। आयुक्त ने गारगुल स्थित प्राथमिक कृषि सहकारी समिति और गोकुल थांडा के इंदिरा क्रांति पथम केंद्र का दौरा कर खरीद प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि धान की खरीद तेज की जाए और किसानों को भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो।

भूमि विवादों के समाधान में नया अध्याय, सर्वे मैप के साथ पहला रजिस्ट्रेशन : मंत्री पोंगुलेटी

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार भूमि विवादों के स्थायी समाधान की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। राज्य के राजस्व, आवास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि किसान का जीवन जमीन से जुड़ा होता है और जमीन पर स्पष्ट अधिकार ही उसके भविष्य को सुरक्षित बनाता है।

उन्होंने कहा कि सर्वे मैप और भूधार नंबर के माध्यम से जमीन के अधिकार को स्थायी रूप से सुनिश्चित करने से किसानों को भरोसा और सुरक्षा मिलती है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार राजस्व व्यवस्था को मजबूत कर भूमि संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान देने के लिए काम कर रही है। मंत्री ने बताया कि भूमि, सर्वे और रजिस्ट्रेशन विभागों को एकीकृत कर इंटीग्रेटेड भू-भारती पोर्टल तैयार किया गया है, जिसे इस माह की 2 तारीख से नारायणपेट जिले के कोस्गी, खम्मम जिले के कुसुमंची, भद्राद्री कोत्तागुडेम के अश्वारावपेट, रंगारेड्डी के अमंगल और संगारेड्डी के वटपल्ली में पायलट आधार पर लागू किया गया है।

सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत, दो गंभीर घायल

अज्ञात वाहन की टक्कर से हुआ हादसा

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके आदिबतला के पास आउटर रिंग रोड (ओआरआर) सर्विस रोड पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में पिता और पुत्र की मौत हो गई, जबकि परिवार के दो अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान वनस्थलीपुरम के साहिबनगर निवासी और बिजली विभाग के कर्मचारी प्रशांत गौड़ (41) तथा उनके बेटे श्रीतन (11) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि परिवार मोटरसाइकिल से सूर्यगिरि येल्लम्मा मंदिर दर्शन के लिए जा रहा था।

रविर्याला के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में प्रशांत गौड़ और उनके बेटे को गंभीर चोटें आईं और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी वाणी और बेटी शशिका भी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायलों को तुरंत टुक्कूगुडा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। आदिबतला पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना में शामिल अज्ञात वाहन की पहचान के प्रयास जारी हैं।

न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर संविदा कर्मचारियों का प्रदर्शन

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भीषण गर्मी के बीच तेलंगाना के सरकारी अस्पतालों में कार्यरत सैकड़ों संविदा सफाईकर्मी, सुरक्षाकर्मी और रोगी देखभाल कर्मचारियों ने मंगलवार को न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। एआईटीयूसी के नेतृत्व में तेलंगाना मेडिकल कॉन्ट्रैक्ट एम्प्लॉइज एंड वर्कर्स यूनियन के सदस्यों ने कोटी स्थित चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) और तेलंगाना विद्या विधान परिषद (टीवीवीपी) कार्यालयों का घेराव कर कई घंटों तक धरना दिया।

विजयवाड़ा रेल मंडल ने वार्षिक पीआर कैलेंडर लॉन्च किया

विजयवाड़ा, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल ने राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक पीआर (जनसंपर्क) कैलेंडर लॉन्च किया। यह कार्यक्रम 21 अप्रैल को डीआरएम कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रास्ट्रक्चर) पी.ई. एडविन थे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शाखा प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और पीआर समन्वयक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में जनसंपर्क अधिकारी नुसरत एम. मंडुपकर ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि यह वार्षिक पीआर कैलेंडर एक रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य सभी विभागों में सुव्यवस्थित, सक्रिय और समन्वित संचार प्रणाली विकसित करना है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क संस्थान की छवि निर्माण और हितधारकों के साथ प्रभावी संवाद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने संबोधन में पी.ई. एडविन ने कहा कि प्रभावी जनसंचार से पारदर्शिता बढ़ती है, जनता का विश्वास मजबूत होता है और रेलवे कर्मचारियों के कार्यों को बेहतर तरीके से प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने सभी विभागों से सक्रिय भागीदारी और गुणवत्तापूर्ण जानकारी समय पर उपलब्ध कराने का आह्वान किया। इस कैलेंडर में माहवार और साप्ताहिक जनसंपर्क गतिविधियों की योजना बनाई गई है, जिसमें सुरक्षा, समयपालन, यात्री सुविधाएं, नवाचार और मानवीय रुचि से जुड़ी खबरों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वाणिज्य, इंजीनियरिंग, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, सुरक्षा और संचालन सहित सभी विभाग नियमित रूप से अपनी जानकारी साझा करेंगे। यह पहल विजयवाड़ा मंडल की उपलब्धियों को व्यवस्थित रूप से प्रचारित करने, जनसंपर्क को मजबूत बनाने और अन्य मंडलों के लिए एक उदाहरण स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

मैंने ईरान में ...

ट्रम्प ने कहा है कि अगर ईरान के साथ डील नहीं होती, तो अमेरिकी सेना हमले के लिए तैयार है। ट्रम्प ने बताया कि सीजफायर के दौरान अमेरिका ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाई है। उन्होंने कहा, हमारे पास बहुत ज्यादा गोला-बारूद और संसाधन है, हमने इस समय का इस्तेमाल खुद को मजबूत करने में किया। उन्होंने यह भी कहा कि संभव है ईरान ने भी इस दौरान कुछ तैयारी की हो। ट्रम्प के मुताबिक, अगर वह आदेश देते हैं तो अमेरिकी सेना तुरंत कार्रवाई के लिए तैयार है और एक्शन लेने को तैयार बैठी है।

पटाखा निर्माण फैक्टरी ...

बताया जा रहा है कि यह विस्फोट उस पटाखा इकाई में हुआ, जहां त्रिशूर पूरम के थिरुवंबाडी गुट के लिए आतिशबाजी के सैंपल तैयार किए जा रहे थे। इस घटना में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है और 5 लोगों की हालत बेहद ही गंभीर बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, घटनास्थल पर बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई थी, जिसमें आग लगने के बाद जोरदार धमाका हुआ। प्रारंभिक जानकारी में लगभग 40 लोगों के घायल होने की बात सामने आई थी, जिनमें से कम से कम आठ की हालत गंभीर बताई गई थी। घटना के तुरंत बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और प्रशासन ने त्रिशूर मेडिकल कॉलेज सहित आसपास के अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए, ताकि आपात स्थिति से निपटा जा सके।

व्यक्तिगत लाभ के ...

ये एफआईआर सुरेश कुटे और अन्य द्वारा ज्ञानराधा मल्टीस्टेट को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड के माध्यम से निवेशकों के साथ की गई धोखाधड़ी से जुड़ा है। एफआईआर के अनुसार, सोसाइटी ने 12 से 14 प्रतिशत रिटर्न देने वाली कई उच्च योजनाएं शुरू की थीं।

इनमें बड़ी संख्या में निवेशकों ने अपना पैसा लगाया। जमा राशि का भुगतान न होने या आंशिक भुगतान होने के कारण उन्हें भारी वित्तीय नुकसान हुआ।

ईडी की जांच में पता चला है कि सोसाइटी के फंड का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 2,467 करोड़ रुपये, सुरेश कुटे और अर्चना कुटे के स्वामित्व/नियंत्रण वाले कंपनियों के समूह (कुटे ग्रुप) को कथित 'ऋण' के रूप में हस्तांतरित किया गया था। ये भुगतान उचित दस्तावेज़ीकरण, गिरवी या अंतिम उपयोग प्रमाणन के बिना किए गए थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआर एम इवर्कड़बीजेडएइ15इ2026 दि.17-04-2026
PUB/080

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु तत्संबंधित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

1.निविदा सं.-ई-15-उत्तर-बीजेडए-2026 **कार्य विवरणः** एसडब्ल्यू-।-आरजेवाय-राजमण्ड्री पर 50 बिस्तरों का पुरुष बैरक का निर्माण। (अम्ब्रेला वर्क प्राजेक्ट आइडीः 11.06.64.25.3.55.010 वर्ष 2025-26)। एसडब्ल्यू-॥-आरजेवाय-एडीइएन/आरजेवाय सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/डब्ल्यू/आरजेवाय सेक्शन में नई पार्सल आफिस का निर्माण। (अम्ब्रेला वर्क प्राजेक्ट आइडीः 11.06.53.25.3.55.003 वर्ष 2025-26)। एसडब्ल्यू-॥।-बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन- एडीइएन/आरजेवाय सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/डब्ल्यू/एनडीडी सेक्शन मे यात्रियों की सुविधाओं में सुधार, प्लाटफार्म शेल्टर गट्टर की मरम्मत तथा रेन वाटर पाइप लाइन व्यवस्थाओं का सुधार कार्य एवं एनडीडी, टीडीडी- एनबीएम व सेल स्टेशनों पर वाइण्ड टाइज को प्रदान करना। (अम्ब्रेला वर्क प्राजेक्ट आइडीः 11.06.53.24.3.55.041 वर्ष 2024-25)
कार्य पूरा करने की अवधिः 09 (नौ) महिने, निविदा मूल्य रु.4,71,64,973.00, अग्रधन रु.9,43,300.00 बंद करने की **तिथिः 08-05-2026**

2.निविदा सं.-ई-09-ब्रिजेस या पुल-बीजेडए-2026 कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजनः इएसओ/मानक-वाहनों की आवाजाही से नुकसान या डैमेज को रोकने हेतु उन स्थानों पर जहां ब्रिज स्पैन को, हाइट गेजेस को स्थापित करते हुए रोड ट्राफिक के रूप मे इस्तेमाल किया जाता है, इन तत्संबंधित स्थानों पर स्टील तथा वाटरवे ब्रिजेस के पीएससी गिर्डर्स का प्रोटेक्शन।
कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.4,81,74,744.00, अग्रधन रु.9,63,500.00 बंद करने की तिथिः 08-05-2026

वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे कार्य की संपूर्ण जानकारी, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि उपलब्ध है।
भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए निविदा बंद करने की तिथि से पहले **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in देखें।
यह निविदा सूचना, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य) का कार्यालय, द.म. रेलवे, विजयवाडा तथा विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन सब-डिवीजनल कार्यालयों पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है, जिसे देखा जा सकता है।
रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए किसी भी निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है। हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।
विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

खुली निविदा सूचना सं. -बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-03-2026-27 दि.17-04-2026
PUB/081

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.- बी-ई29- टीआरडी-टीएनडीआर-03-2026-27 कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजन में विश्वसनीयता व सुरक्षा हेतु ओएचइ स्ट्रक्चर्स की रिस्पैनिंग द्वारा ओएचइ का उन्नयन तथा साइडिंग का आइसोलेशन।
अनुमानित मूल्य रु. 8,37,62,565.92 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने बोली सुरक्षा (अग्रधन) रु.16,75,300.00 बंद करने की तिथिः 11-05-2026 निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य

तत्संबंधित संपूर्ण विवरण तथा शर्तो हेतु हमारे **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर जाएं। **नोटः** यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होता है तो, निविदा को उसके अगले कार्य दिवस पर खोला जायेगा।
वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/विजयवाडा

खुली निविदा सूचना सं.-बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-04-2026-27 दि.17-04-2026
PUB/082

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.-बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-04/2026-27 कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजनः बीजेडए डिवीजन पर विविध ओएचइ स्ट्रक्चर्स की स्टेन्सिलीन्ग सहित एटीडी कार्नटर वेट्स की पेन्टिंग तथा पैनल्स की फेन्सिन्ग।
अनुमानित मूल्य रु.80,56,500.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली सुरक्षा (अग्रधन) रु.1,61,100.00 बंद करने की **तिथिः 13-05-2026 निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य**

तत्संबंधित संपूर्ण विवरण तथा शर्तो हेतु हमारे **वेबसाइटः** www. ireps. gov.in पर जाएं। **नोटः** यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होता है तो, निविदा को उसके अगले कार्य दिवस पर खोला जायेगा।
वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/विजयवाडा

निविदा सूचना सं.-जी/ई-.29/टीआर./टेंडर नोटिस/03/2026-27
PUB/083

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.- जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन- 04-2026-27 कार्य विवरणः डब्ल्यूडी-जीटीएल-एमओओ-आरयु सेक्शन मे एबीएस सिग्नल्स तथा नंबर प्लेट्स से पहले, रेट्रो-रिफ्लेक्टिव सिग्मा बोर्ड्स का प्रावधान।
अनुमानित मूल्य रु.70,93,700.00 अग्रधन रु.1,41,900.00

निविदा सं.- जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-05-2026-27 कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः आक्सीलरी ट्रांसफार्मर (एटी) का तत्संबंधित आपूर्ति हेतु प्रावधान (।) निम्न मिड-सेक्शन मानवनिर्मित एलसी गेट्स की प्रस्तावित इन्टरलाकिंग जैसे एलसी नं.19 (वीकेआई-वाईएलके) & एलसी नं.21 (सीसीआई-एमजीबी) & एलसी नं.125 (जेडपीएल-पीएसपीवाई), (॥) निम्न मिड- सेक्शन मानवनिर्मित एलसी गेट्स की प्रस्तावित इन्टरलाकिंग (4 संख्यक) जैसे एलसी-31 (केएचटी-आरसीजी), एलसी-34 (आरसीजी-वाईपीडी), एलसी-42 (वाईपीडी-आरयु) & एलसी -76 (टीएटी-केबीए) तथा (॥।) निम्न मिड- सेक्शन मानवनिर्मित एलसी गेट्स की प्रस्तावित इन्टरलाकिंग (3 संख्यक) एलसी-6 (वीडीडी-एनडीजेड), एलसी-39 (वाईपीडी-आरयु) & एलसी -31 (एमजीबी-केसीएम)।

अनुमानित मूल्य रु.7308654.00 अग्रधन रु.1,46,200.00 निविदा बंद करने की तिथि & समयः11-05-2026 के 15.00 बजे
टिप्पणीः 1 निविदाकार, निविदा दस्तावेज को **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in से निःशुल्क रुप में निविदा दस्तावेज को डाउनलोड कर सकते है। निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। **वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल**
A092

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है
PUB/085

प्रारूप 10-1
सार्वजनिक अधिसूचना

इसके द्वारा निम्न खण्ड के तहत संपूर्ण खण्ड पर स्थित सभी रेलवे लाइन्स के उपयोगकर्ताओं तथा तत्संबंधित परिसरों को यह सूचना दी जाती हैः
खण्डः नांदेडः अनकाई (एएनके)-औरंगाबाद (एडब्ल्यूबी) सेक्शन के बीच 2X25 केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाईन का निर्माण कार्य-यात्रियों की ढुलाई हेतु ओएचइ मास्ट लोकेशन 16/01किमी/सीएचः16/000(एएनके) से ओएचइ मास्ट लोकेशन 114/10 किमी/सीएचः114/489.50 (एडब्ल्यूबी) तक अनकाई (एएनके)-औरंगाबाद (एडब्ल्यूबी) स्टेशनों के बीच 2X25 केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाईन का प्रारंभ-के बारे में।
दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के ओएचइ मास्ट लोकेशन 16/01किमी/सीएचः16/000(एएनके) से ओएचइ मास्ट लोकेशन 114/10 किमी/सीएचः114/489.50 (एडब्ल्यूबी) स्टेशनों के बीच तत्संबंधित नई बीजी लाइन सहित 2X25 केवी विद्युतीकरण के मध्देनजर, 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड., एसी ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को दि.10-05-2026 को या इसके बाद उर्जावान (एनर्जाइज) किया जायेगा। उक्त तिथि या इसी तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को सभी समय पर सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उपरोक्त ओवरहेड लाइन की परिधि में न जा सकेगा या न कोई कार्य ही कर सकेगा।

प्रारूप 10-2
(एसीटीएम पैरा 21020, वाल्यूम ॥, भाग ।- सुधार पर्ची सं.32, दि.09-10-2020)
एसी 25 केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ
सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी

तत्संबंधित खण्ड के 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में सभी जनता को जानकारी हेतु निम्नानुसार यह अधिसूचना दी जाती हैः
खण्डः नांदेडः अनकाई (एएनके)-औरंगाबाद (एडब्ल्यूबी) सेक्शन के बीच 2X25 केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाईन का निर्माण कार्य-यात्रियों की ढुलाई हेतु ओएचइ मास्ट लोकेशन 16/01किमी/सीएचः16/000(एएनके) से ओएचइ मास्ट लोकेशन 114/10 किमी/सीएचः114/489.50 (एडब्ल्यूबी) तक अनकाई (एएनके)-औरंगाबाद (एडब्ल्यूबी) स्टेशनों के बीच 2X25 केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाईन का प्रारंभ-के बारे में।
दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के ओएचइ मास्ट लोकेशन 16/01किमी/सीएचः16/000(एएनके) से ओएचइ मास्ट लोकेशन 114/10 किमी/सीएचः114/489.50 (एडब्ल्यूबी) स्टेशनों के बीच तत्संबंधित नई बीजी लाइन सहित 2X25 केवी विद्युतीकरण के मध्देनजर, सक्रिय ट्रैक्शन वायर के खतरनाक परिधि के संपर्क से बचने या अत्यधिक उंचाई के भार को रोकने हेतु दक्षिण मध्य रेलवे ने सडक स्तर से उपर, सभी लेवल क्रासिंग्स पर 4.78एम की स्पष्टतम अधिकतम उंचाई के हाइट गेजेस लगाएं हैं।
एतद्वारा आम जनता को अधिसूचित किया जाता है कि, वाहनों में लोडिंग या लदान के समय उपरोक्त निर्धारित उंचाई को ध्यान में रखें तथा वाहनों में लदान किये गये भार, किसी भी परिस्थिति में उक्त हाइट गेजेस का उल्लंघन कतई न करता हो।
अत्यधिक उंचाई के भार के खतरे निम्न प्रकार हैः
।) हाइट गेज को खतरा तथा सडक के साथ साथ रेलवे लाइन के लिए भी अवरोध।
॥) सामग्री को खतरा या तत्संबंधित वाहन में लदान किये गये उपकरणों को भी खतरा।
॥।) अग्नि का खतरा तथा कण्डक्टर्स के खतरनाक परिधि के संपर्क में आने से जिंदगी का जोखिम।
उप मुख्य बिजली अभियंता-॥/निर्माण/सिकंदराबाद
A099

तिलक वर्मा की 33 गेंद में फिफ्टी, अगली 12 गेंद में शतक पार

अहमदाबाद, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 के 30वें मैच में गुजरात टाइटंस को 99 रन से हरा दिया। अहमदाबाद में तिलक वर्मा ने शतकीय पारी खेली। उनकी इस पारी में टेस्ट और टी-20 दोनों फॉर्मेट के रंग दिखे। शुरुआती 22 गेंद में 19 रन बनाने वाले तिलक ने अपनी आखिरी 23 गेंद में 82 रन ठोक दिए। जसप्रीत बुमराह ने पहली ही गेंद पर विकेट लिया।

तिलक वर्मा ने 45वीं गेंद पर शतक पूरा किया। उन्होंने इसके साथ ही मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने के सनथ जयसूर्या के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। तिलक शुरुआत में संघर्ष करते नजर आए। उन्हें फिफ्टी तक पहुंचने में 33 गेंद लग गए। फिफ्टी जमाने के बाद रंग में लौटे तिलक ने अगली 12 गेंदों में 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। उन्होंने गुजरात के अशोक शर्मा के तीसरे ओवर में 24 रन बनाए।

तिलक गुजरात के खिलाफ मुंबई के लिए शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। उनसे पहले सूर्यकुमार यादव ने 2023 में वानखेड़े में नाबाद 103 रन बनाए थे। तिलक ने इस सीजन की फास्टेस्ट सेंचुरी भी लगाई। चेन्नई के संजू सैमसन ने 52 और मुंबई के क्विंटन डी कॉक ने 53 बॉल पर शतक लगाया था।

मुंबई इंडियंस ने 99 रन से जीत दर्ज करते हुए IPL इतिहास में अपनी चौथी सबसे बड़ी जीत हासिल की। टीम की सबसे बड़ी जीत 2017 में दिल्ली डेयरडेविल्स के खिलाफ 146 रन से आई थी।

मुंबई इंडियंस के लिए दो नए खिलाड़ियों ने डेब्यू किया। दानिश मलेवार ने पहला मुकाबला खेला, वहीं हाल ही में सपोर्ट बॉलर के रूप में शामिल कृष भगत को भी प्लेइंग इलेवन में जगह मिली। दोनों ने इससे पहले कोई टी-20 मैच नहीं खेला था, यानी यह उनके प्रोफेशनल टी-20 करियर का पहला मैच रहा।

चौथे ओवर में कगिसो रबाडा ने क्विंटन डी कॉक को कॉट एंड बोल्ड किया। रबाडा ने करीब 150 की रफ्तार से शॉर्ट बॉल फेंकी। डी कॉक शॉट मारने में संतुलन खो बैठे। बॉल टॉप एज लेकर हवा में गई और रबाडा ने खुद कैच लपक लिया।

छठे ओवर में रबाडा ने सूर्यकुमार यादव को क्लीन बोल्ड किया। रबाडा ने 152.1 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बॉल फेंकी, जो पिच होकर अंदर आई। सूर्या ड्राइव के प्रयास में पेस से चकमा खा गए और बॉल स्टंप्स से टकरा गई।

20वें ओवर की आखिरी बॉल पर तिलक वर्मा ने चौका जड़कर IPL में पहला शतक पूरा किया। प्रसिद्ध कृष्णा ने धीमी और शॉर्ट बॉल फेंकी।

तिलक ने डीप स्क्वायर लेग में गैप ढूंढकर चौका लगाया।

जसप्रीत बुमराह ने पहली ही बॉल पर विकेट लिया। उन्होंने गुजरात के इन-फॉर्म बल्लेबाज साई सुदर्शन को कृष्ण भगत के हाथों कैच आउट कराया। बुमराह ने फुल लेंथ बॉल फेंकी जो बाहर निकली।

सुदर्शन ने बिना पैरों के मूवमेंट के कवर्स के ऊपर से स्लाइस करने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले के निचले हिस्से पर लगकर कवर-पॉइंट पर खड़े फील्डर के पास गई।

बुमराह को आईपीएल में 146 गेंदों के इंतजार के बाद यह सफलता मिली। इस सीजन में 114 गेंदों के बाद यह उनका पहला विकेट था। सुदर्शन बिना खाता खोले पवेलियन लौटे।

8वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने दो विकेट झटके। उन्होंने ओवर की दूसरी बॉल पर वॉशिंगटन सुंदर (26) को नमन धीर के हाथों कैच कराया, और फिर चौथी बॉल पर ग्लेन फिलिप्स (6) का अपनी ही गेंद पर शानदार कैच लपका।

वहीं, 13वें ओवर में अपना सीजन का पहला मैच खेल रहे अश्विनी कुमार ने भी दो विकेट चटकाए।

दूसरी बॉल पर उन्होंने राशिद खान (4) को राज बावा के हाथों कैच कराया। इसके बाद आखिरी बॉल पर शाहरुख खान स्लोअर बॉल पर नमन धीर को कैच थमा बैठे।

तीरंदाजी पर फिर डोपिंग का साया

सुखमणि गजानन डोप में फंसा; खेल में अब तक का यह तीसरा मामला

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। डोपिंग की काली छाया से दूर रहने वाले खेल तीरंदाजी पर भी इसका खतरा मंडराने लगा है। नाडा की ओर से की गई टेस्टिंग में अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज सुखमणि गजानन बाबरेकर डोप पॉजिटिव पाए गए हैं। उनके सैंपल में विश्व डोप रोधी एजेंसी (वाडा) की सूची एस-3 के अंतर्गत प्रतिबंधित बीटा-2 एगोनिस्ट टरब्यूटालाइन पाया गया है। नाडा ने सुखमणि से इस प्रतिबंधित पदार्थ के बारे में जवाब मांगा है। महाराष्ट्र के सुखमणि ने अस्थायी प्रतिबंध स्वीकार कर लिया है। तीरंदाजी में डोपिंग दुर्लभ बात मानी जाती है। यह देश की तीरंदाजी में डोपिंग का महज तीसरा मामला है। कुछ वर्ष पूर्व पंजाब के एक तीरंदाज को डोपिंग के लिए प्रतिबंधित किया गया था। अगर सुखमणि नाडा को संतोषजनक उत्तर नहीं देते हैं तो

सुनवाई के दौरान उन पर दो से चार साल का प्रतिबंध लग सकता है।

2017 की विश्व यूथ चैंपियनशिप और 2018 के एशिया कप स्टेज-3 में रजत पदक जीतने वाले रिकर्व तीरंदाज सुखमणि औरंगाबाद स्थित एनसीओई में थे। जहां उनका नाडा ने आउट ऑफ कंपटीशन सैंपल लिया था। उनसे इस वर्ष 19 फरवरी को बी सैंपल कराने के बारे में पूछा गया। उन्होंने बी सैंपल नहीं कराया और अस्थायी प्रतिबंध स्वीकार कर लिया। अब उनसे इस प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन की स्वीकारोक्ति के बारे में पूछा गया है। उन्हें इस माह तक जवाब देना है।

कुछ दिन पूर्व नाडा ने 2023 के एशियाई खेलों में कंपाउंड टीम स्वर्ण जीतने वाले प्रथमेश जावकर से भी नाडा ने तीन व्हेयर अबाउट फेल्योर (टेस्ट के लिए पता नहीं बताना) पर जवाब मांगा है। अगर वह संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाए तो उन पर भी प्रतिबंध लगेगा, जिससे वह एशियाई खेलों में भाग नहीं ले पाएंगे। अब सुखमणि का केस सामने आने पर भारतीय तीरंदाजी महासंघ (एएआई) डोपिंग के मामलों को गंभीरता से लेते हुए तीरंदाजों के लिए दिशा निर्देश निकालने जा रहा है। जिसमें तीरंदाजों को नाडा के नियमों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी जाएगी।

दूसरा वनडे- बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया

नाहिद राणा के 5 विकेट, तमीम ने 76, शांतों ने 50 रन बनाए

ढाका, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। न्यूजीलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 198 रन पर सिमट गई, जिसके जवाब में बांग्लादेश ने 35.3 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया॥

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम लगातार विकेट गंवाती रही। एक छोर से निक केली ने जरूर पारी संभाली और 102 गेंदों में 83 रन बनाए, जिसमें 14 चौके

शामिल रहे।

उनके अलावा कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। हेनरी निकोल्स (13), विल यंग (2) और कप्तान टॉम लैथम (14) जल्दी आउट हो गए। मध्यक्रम में मोहम्मद अब्बास (19) और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट (15) भी ज्यादा देर टिक नहीं सके। निचले क्रम में नाथन स्मिथ 18 रन बनाकर नाबाद रहे। पूरी टीम 48.4 ओवर में 198 रन पर ऑलआउट हो गई।

बांग्लादेश की ओर से गेंदबाजी में नाहिद राणा सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने 10 ओवर में 32 रन देकर 5 विकेट झटके। इसके अलावा शोरिफुल इस्लाम ने 2 विकेट लिए, जबकि तस्कीन अहमद, सौम्य सरकार और रिशाद हुसैन को 1-1 सफलता मिली। बां

199 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही। सैफ हसन (8) और सौम्य सरकार (8) जल्दी आउट हो गए।

इसके बाद तंजिद हसन तमीम और नजमुल हुसैन शांतों ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 120 रन की शानदार साझेदारी की।

सीएसके टीम में शामिल हुआ धाकड़ ऑस्ट्रेलियाई

तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन

चेन्नई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत काफी निराशाजनक रही लेकिन पिछले तीन में से दो मुकाबलों में उन्हें जीत मिली है. सीएसके की टीम अब वापसी के मूड में नजर आ रही है. बताया जा रहा है कि एमएस धोनी भी जल्द ही चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में मैदान पर उतरेंगे. अब सीएसके की टीम में एक नए खिलाड़ी की एंट्री हो गई है. ऑस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन टीम से जुड़ गए हैं और जल्द ही खेलते हुए नजर आ सकते हैं.

सीएसके की टीम में शामिल हुआ स्पेंसर जॉनसन

नाथन एलिस के चोटिल होने के बाद सीएसके ने ऐलान किया था

कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन उनकी जगह लेंगे. जॉनसन चोट से ठीक हो रहे थे और ऑस्ट्रेलिया में अभ्यास कर रहे थे. बताया जा रहा था कि 20 अप्रैल तक वो चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में शामिल हो जाएंगे. अब बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन ने खुद फैंस को खुशखबरी देते हुए बता दिया है कि वो सीएसके के स्क्वाड के साथ जुड़ गए हैं. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी पोस्ट की, जिसमें वो चेन्नई में स्थित एमएस धोनी के 7पैडल ब्रांड में मौजूद हैं.

क्या मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में मिलेगा मौका?

पैडल का आईपीएल 2026 में अगला मैच मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाला है. दोनों टीमों के बीच काफी लंबा इतिहास रहा है और अब 23 अप्रैल को वो मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आमने-सामने होंगे. हाल ही में सीएसके के लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज खलील अहमद चोटिल होने के कारण पैडल 2026 से बाहर हो गए हैं. टीम को एक तगड़े बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की जरूरत थी और अब स्पेंसर जॉनसन इस कमी को दूर कर सकते हैं. सीएसके फैंस को उम्मीद होगी कि जॉनसन के साथ-साथ एमएस धोनी भी खेलते हुए नजर आ सकते हैं.

भारत-अफगानिस्तान टेस्ट में टीम इंडिया से बाहर रह सकते हैं कई खिलाड़ी

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का रोमांच थमते ही, अफगानिस्तान के खिलाफ खेले जाने वाले इकलौते टेस्ट की तैयारियां शुरू हो जाएंगी. भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले जाने वाले उस टेस्ट को लेकर अब एक बड़ा अपडेट हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, उस टेस्ट से टीम इंडिया के कई बड़े नाम बाहर रहेंगे. इसके पीछे का मसकद उन खिलाड़ियों को आराम देना है. आईपीएल 2026 का आयोजन 31 मई तक होना है.

वही, भारत-अफगानिस्तान टेस्ट 6 से 10 जून के बीच न्यू चंडीगढ़ में खेला जाना है. साफ है कि आईपीएल 2026 के खत्म होने और अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट के शुरू होने के बीच ज्यादा समय नहीं बचा है.

अफगानिस्तान टेस्ट से टॉप प्लेयर्स को आराम- रिपोर्ट

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई और टीम मैनेजमेंट सीनियर खिलाड़ियों के वर्कलोड पर आईपीएल 2026 के दौरान

लगातार नजरें जमाए है. टॉप खिलाड़ियों के वर्कलोड को बनाए रखने के खातिर ही उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट से बाहर रखा जा सकता है. टीओआई के मुताबिक इस पर फाइनल कॉल मैनेजमेंट को अभी लेना है मगर मामला विचाराधीन है. इस टेस्ट में भारत के टॉप खिलाड़ियों के खेलने को लेकर अनिश्चिताओं के बादल तभी घिर गए थे, जब पता चला था कि इसके पॉइंट्स डब्ल्यूटीसी में नहीं जुड़ेंगे.

किन खिलाड़ियों को दिया जा सकता है आराम?

अब सवाल है कि अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में टीम से बाहर कौन-कौन से टॉप खिलाड़ी हो सकते हैं. इसमें शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और दूसरे वो नाम शामिल हो सकते हैं, जो वनडे और टेस्ट दोनों फॉर्मेट में रेग्यूलर खेलते हैं. इसके अलावा जिन सीनियर खिलाड़ियों की टीमें आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में पहुंचेंगी, उन्हें भी अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट से आराम दिया जा सकता है. लेकिन, अगर कुछ सीनियर खिलाड़ियों की टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंची तो फिर उस केस में उनके खेलने को हरी झंडी मिल सकती है. हालांकि, इन सारे कंडीशंस पर फिलहाल विचार चल रहा है और इस पर फाइनल फैसला मैनेजमेंट का होगा.

अब हर सिक्के के दो पहलू तो होते ही हैं. ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट से अगर कुछ सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया जा सकता है तो फिर उनकी जगह कुछ युवा चेहरों को अपना हुनर दिखाने का मौका भी मिल सकता है.

ऐसा माना जा रहा है कि सेलेक्टर्स गुरनूर ब्रार, मानव सुथर, देवदत्त पडिक्कल, आकिब नबी, हर्ष दुबे जैसे खिलाड़ियों को मौका दे सकते हैं. घरेलू क्रिकेट के दौरान इन खिलाड़ियों के परफॉर्मेन्स पर सेलेक्टर्स ने करीब से इन खिलाड़ियों पर निगाहें जमाई हुईं थी.

खेल ने ले ली जान, तैराकी के दौरान गायब हुई ब्राजीलियाई एथलीट

घंटों बाद झील की गहराई में मिला शव

ब्रासीलिया, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। खेल की दुनिया से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। ब्राजील की मशहूर ट्रायथलीट और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मारा फ्लेविया की शनिवार, 18 अप्रैल को आयरनमैन टेक्सास प्रतियोगिता के दौरान डूबने से मौत हो गई। 38 वर्षीय यह एथलीट अपनी फिटनेस और खेल के प्रति जुनून के लिए जानी जाती थीं। पूरी दुनिया में उनकी फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा थी।

यह दर्दनाक हादसा लेक वुडलैंड्स में हुआ, जो 140 मील लंबी इस इंड्यूरेंस रेस का पहला चरण था। शनिवार सुबह करीब 6 बजे अधिकारियों को एक तैराक के लापता होने की सूचना मिली। इसके बाद मोंटगोमरी काउंटी शेरिफ कार्यालय और वुडलैंड्स फायर विभाग ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। लापता होने के करीब डेढ़ घंटे बाद, सुबह 7:30 बजे औपचारिक रूप से खोए हुए तैराक की रिपोर्ट दर्ज की गई और सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया।

झील के पानी के अंदर दृश्यता कम होने के कारण बचाव दल को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद, सुबह 9 बजे नॉर्थशोर पार्क के पास मारा फ्लेविया का शरीर मिला। अधिकारियों के अनुसार, जब तक टीम उन तक पहुंची, उनका शरीर झील की सतह से लगभग 10 फीट नीचे जा चुका था। सुबह 9:30 बजे शव को बाहर निकाला गया, जिसके बाद तट पर ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। आयोजकों ने इस घटना की पुष्टि करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया है।॥

मारा फ्लेविया केवल एक एथलीट ही नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली व्यक्तित्व भी थीं। खेल की दुनिया में कदम रखने से पहले उन्होंने पत्रकारिता और संचार के क्षेत्र में एक दशक तक काम किया था। उन्होंने रेडियो, टेलीविजन और विशेष रूप से ब्राजील के रिकॉर्ड टीवी में अपनी सेवाएं दी थीं। इसके अलावा, उन्होंने पीआर और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस में भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं, जिसमें ब्राजील की रिपब्लिकन पार्टी के साथ काम करना भी शामिल था।

पिछले कुछ सालों में मारा ने खुद को पूरी तरह से ट्रायथलॉन के प्रति समर्पित कर दिया था। इंस्टाग्राम पर उनके 60,000 से अधिक फॉलोअर्स थे, जहां वे अपनी फिटनेस यात्रा, कड़ी ट्रेनिंग और प्रतियोगिताओं के अनुभव साझा करती थीं।

भारत आने को बेताब जोकोविच: कहा- मैं खुद को भारतीयों से जुड़ा हुआ महसूस करता हूं, भारत आए तो कोहली के साथ जुड़ेंगे

खेल डेस्क, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। टेनिस के महान खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कोहली की वजह से ही उन्होंने क्रिकेट देखना शुरू किया। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स के दौरान जोकोविच ने कहा, 'विराट मेरे दोस्त हैं और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। सच कहूं तो उन्हीं की वजह से मैंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया। पहले मैं इसे नहीं देखता था, लेकिन उनके जरिए मेरी रुचि बढ़ी।'

जोकोविच ने अपनी खास इच्छा भी जाहिर की कि जब वह भारत आएं तो कोहली उनके साथ समय बिताएं। उन्होंने टाइम्स नाऊ से बातचीत में कहा, 'हम संपर्क में

रहते हैं और उम्मीद है कि जब मैं भारत आऊंगा, मैं अगर नहीं कहना चाहता, जब आऊंगा, तो उम्मीद है कि वह मेरे साथ जुड़ेंगे। हम थोड़ा टेनिस और थोड़ा क्रिकेट खेलेंगे, मजा करेंगे और खेल के जरिए सकारात्मक ऊर्जा फैलाएंगे।'

भारत के लिए खास संदेश

जोकोविच ने भारतीय फैंस के लिए अपना प्यार भी जताया और जल्द भारत आने की इच्छा दोहराई। उन्होंने कहा, 'मेरा संदेश हमेशा प्यार, सम्मान और आभार का होता है। मुझे वर्षों से भारतीय फैंस का जबरदस्त समर्थन मिला है। मैं जल्द ही भारत आना चाहता हूं। पिछले कुछ वर्षों से मुझे वहां आने का एक अलग ही आकर्षण महसूस हो रहा है।'

भारत आने की योजना

24 ग्रैंड स्लैम जीत चुके जोकोविच ने यह भी संकेत दिया कि वह भारत में किसी इवेंट या मैच का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं भारत में कोई इवेंट होस्ट करना चाहता हूं या मैच खेलना चाहता हूं। मुझे भारतीय लोगों से खास जुड़ाव महसूस होता है।'

नई पीढ़ी की टक्कर पर भी बोले

जोकोविच ने टेनिस की नई प्रतिद्वंद्विता पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर की प्रतिस्पर्धा को खास बताया, लेकिन 'बिग थ्री' को सबसे महान माना। उन्होंने कहा, 'सिनर और अल्काराज की राइवलरी शानदार है, लेकिन मेरे लिए बिग थ्री हमेशा सबसे महान रहेंगे।' बिग थ्री जोकोविच, फेडरर और नडाल की तिकड़ी को कहा जाता है।

डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज आर्यना सबालेंका

बेलारूस, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बेलारूस की स्टार टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने डब्ल्यूटीए रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए रखा है। स्टटगार्ट ओपन में हिस्सा न लेने के बावजूद सबालेंका 'वर्ल्ड नंबर 1' बनी हुई हैं। वहीं, एलेना रिबाकिना ने एक और खिताब जीतकर दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है।

सबालेंका ने लगातार 79वें और कुल मिलाकर 90वें हफ्ते की शुरुआत टॉप पर की है। बीते साल स्टटगार्ट में रनर-अप रहने के कारण मिले प्वाइंट्स का बचाव न करने का फैसला लेने के बाद भी, सबालेंका ने रिबाकिना पर 2,395 प्वाइंट्स की बड़ी बढ़त बनाए रखी है। हालांकि, रिबाकिना के पोर्श टेनिस ग्रैंड प्रिक्स का खिताब जीतने के बाद यह अंतर थोड़ा कम हो गया। रिबाकिना ने फाइनल में कैरोलिना मुचोवा को शिकस्त

देकर इस सीजन का अपना दूसरा और करियर का 13वां खिताब जीता।

टॉप-2 खिलाड़ियों के बाद, कोको गॉफ और इगा स्वियातेक दोनों ही स्टटगार्ट के क्वार्टर-फाइनल से बाहर होने के कारण रैंकिंग में ऊपर चढ़ने का मौका चूक गईं। खासकर स्वियातेक, टीनएज सनसनी मिरा एंड्रीवा से हारने के बाद गॉफ से आगे नहीं निकल पाईं। एंड्रीवा सेमीफाइनल में पहुंचीं और वर्ल्ड नंबर 8 पर पहुंच गईं। मुचोवा के फाइनल तक पहुंचने से उनकी रैंकिंग 11वें स्थान पर पहुंच गई है। टूर्नामेंट के दौरान गॉफ और एलिना स्वितोलिना जैसी खिलाड़ियों पर अहम जीत दर्ज करने के बाद, वह टॉप 10 में वापसी करने के बेहद करीब पहुंच गई हैं।

रूएन में, यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक ने अपने ही देश की वेरोनिका पोड्रेज को शिकस्त देकर करियर का दूसरा खिताब जीता। यह पहला ऐसा डब्ल्यूटीए फाइनल था जिसमें दोनों खिलाड़ी यूक्रेन की थीं। इस सीजन की शुरुआत में चोट के कारण कुछ समय बाहर रहने के बाद शानदार वापसी करते हुए, कोस्त्युक पांच स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गईं।

19 वर्षीय पोड्रेज 62 पायदान ऊपर चढ़कर अपने करियर की सबसे ऊंची 147वीं रैंक पर पहुंच गई हैं। रैंकिंग में ऊपर चढ़ने वाली अन्य प्रमुख खिलाड़ियों में, जर्मनी की तात्याना मारिया रूएन में सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद 54वीं रैंक पर पहुंच गईं, जबकि तुर्की की जेनेप सोनमेज स्टटगार्ट में जैस्मीन पाओलिनी के खिलाफ टॉप 10 में अपनी पहली ऐतिहासिक जीत के बाद अपने करियर की सबसे ऊंची 67वीं रैंक पर पहुँच गईं। अमेरिकी खिलाड़ी एलिसिया पार्क्स भी 84वीं रैंक पर पहुंचीं।

रैंकिंग में नीचे की ओर सिनजा क्रौस टॉप 100 के करीब पहुंच गईं, जबकि माजा च्वालिंस्का ने दमदार डब्ल्यूटीए 125 खिताबी प्रदर्शन के बाद करियर की सर्वश्रेष्ठ 118वीं रैंकिंग हासिल की। टायरा कैटेरिना ग्रांट और रॉबिन मोंटगोमरी ने भी आईटीएफ और डब्ल्यूटीए सर्किट में शानदार वापसी के बाद बड़ी छलांग लगाई।

तेलंगाना में अगले 2-3 दिन गरज-बारिश के आसार

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने तेलंगाना के लगभग सभी जिलों में अगले दो से तीन दिनों तक गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। मंगलवार को दिन भर मौसम गर्म और शुष्क बना रहा, लेकिन शाम होते-होते हैदराबाद और आसपास के जिलों में आसमान में बादल छा गए। मौसम में बदलाव के चलते तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को कुछ राहत मिली। आईएमडी ने अगले 48 घंटों के लिए कई जिलों में पीला अलर्ट जारी किया है। इनमें जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, संगारेड्डी, मेदक, आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मनचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरिसिला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, रंगारेड्डी और हैदराबाद शामिल हैं, जहां 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और बिजली गिरने की आशंका है।

नॉर्वे को तेलंगाना में निवेश का न्योता, लाइफ साइंसेज व ग्रीन टेक्नोलॉजी पर जोर

नॉर्वे के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने नॉर्वे की कंपनियों को राज्य में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया है, विशेष रूप से लाइफ साइंसेज, हेल्थकेयर, स्वच्छ ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में। आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने मंगलवार को नॉर्वे के उद्यमियों और कंपनियों से तेलंगाना में उद्योग स्थापित करने का आग्रह करते हुए राज्य को लाइफ साइंसेज, हेल्थकेयर और ग्रीन टेक्नोलॉजी में निवेश के लिए आदर्श गंतव्य बताया। उन्होंने कहा, तेलंगाना, लाइफ साइंसेज, हेल्थकेयर और ग्रीन टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में भारत में नॉर्वे का पसंदीदा साझेदार बनने के लिए तैयार है। मंत्री ने यह टिप्पणी मे-एलिन स्टेनर के नेतृत्व में आए नॉर्वे के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ डॉ.बी.आर. आंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में हुई बैठक के दौरान की। बैठक में तेलंगाना और नॉर्वे के बीच द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और दीर्घकालिक साझेदारी के क्षेत्रों की पहचान पर चर्चा की गई। श्रीधर बाबू ने राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए उठाए जा रहे कदमों-जैसे निवेशक-अनुकूल नीतियां, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुधार और उद्योग स्थापना के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना लाइफ साइंसेज, हेल्थकेयर, डिजिटल हेल्थ, बायोटेक्नोलॉजी और मेडिकल डिवाइसेज के क्षेत्र में मजबूत अवसर प्रदान करता है और नॉर्वे की कंपनियों से राज्य के सुदृढ़ नवाचार एवं औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाने का आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि नॉर्वे स्वच्छ ऊर्जा, सतत बुनियादी ढांचा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ऑफशोर विंड, जलवायु नवाचार और ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग में वैश्विक अग्रणी के रूप में उभरा है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाइमेट टेक, हेल्थ टेक, साइबर सुरक्षा, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, क्लीन एनर्जी, इंडस्ट्रियल डीकार्बोनाइजेशन, डिजिटल हेल्थ, बायोटेक्नोलॉजी और मेडिकल डिवाइसेज जैसे प्रमुख क्षेत्रों में तेलंगाना और नॉर्वे के बीच घनिष्ठ सहयोग का प्रस्ताव रखा। श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार इन क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने को तैयार है।

साझेदारी को संस्थागत रूप देने के लिए उन्होंने एक समर्पित तेलंगाना-नॉर्वे वर्किंग ग्रुप के गठन का प्रस्ताव भी रखा, जिससे दोनों पक्षों के सरकारी एजेंसियों, उद्योग प्रतिनिधियों और निवेशकों के बीच नियमित संवाद सुनिश्चित हो सके।

प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए मे-एलिन स्टेनर ने कहा कि नॉर्वे तेलंगाना जैसे प्रगतिशील राज्यों के साथ काम करने को उत्सुक है और विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे। उन्होंने कहा, हम तेलंगाना के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और वर्किंग ग्रुप के गठन की प्रक्रिया शुरू करने के लिए आगे कदम उठाए जाएंगे। बैठक में ब्योर्न इवर्सन, सिल्जे क्रिस्टीन एंडरसन, सिरी वेस्थ मेलिंग सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एनटीपीसी में चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

पेद्दापल्ली, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एनटीपीसी रामागुंडम और तेलंगाना एसटीपीएस के एफटी/एमजीआर सिस्टम से जुड़े सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों और परिचालन कर्मियों के लिए चार दिवसीय रिफ्रेशर एवं विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से शुरू हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन एनटीपीसी (रामागुंडम और तेलंगाना) के कार्यकारी निदेशक चंदन कुमार सामंता ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया। यह प्रशिक्षण 20 से 23 अप्रैल तक आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परिचालन कर्मचारियों की कार्य दक्षता बढ़ाना, सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना और उनके कौशल को उन्नत करना है। कोंकण रेलवे अकादमी के प्रबंधक (प्रशिक्षण एवं विकास) सूर्य शेखर इस प्रशिक्षण के प्रमुख प्रशिक्षक हैं, जो विभिन्न तकनीकी और सुरक्षा पहलुओं पर सत्र ले रहे हैं।

जनता की सरकार हमारी, कर्मचारियों के कार्य करवाएंगे : मोगुल्ला राजू रेड्डी

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डिवीजन-10 साहेब नगर रेज़रवायर परिसर में टीजेईयू के तत्वावधान में आयोजित कर्मचारियों के सम्मेलन में टीजेईयू अध्यक्ष एवं एआईटीयूसी चीफ वाइस प्रेसिडेंट मोगुल्ला राजू रेड्डी ने भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने सबसे पहले कार्यालय परिसर स्थित विजयलक्ष्मी अम्मावारी मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद विभिन्न कार्यालयों के कर्मचारियों से मिलते हुए सभा स्थल पहुंचे। कार्यक्रम में कई ट्रेड यूनियन नेताओं के साथ मंच पर पहुंचे मोगुल्ला राजू रेड्डी का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए टीजेईयू सचिव राघवेंद्र ने कहा कि यदि सत्ता में मौजूद ट्रेड यूनियन नेताओं को चुना जाता है, तो कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जनता की सरकार है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी श्रमिक हितैषी हैं। उन्होंने मोगुल्ला राजू रेड्डी को अध्यक्ष पद पर विजयी बनाने की अपील की। इस दौरान मोगुल्ला राजू रेड्डी ने कहा कि वह पद पर रहें या नहीं, कर्मचारियों के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे और उनके कार्य समय पर करवाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की किसी भी समस्या को सरकार के संज्ञान में लाकर उसका समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के मार्गदर्शन में वह कर्मचारियों के हित में काम करेंगे। कार्यक्रम में श्रमशक्ति पुरस्कार प्राप्त कल्लेम राजी रेड्डी, जनरल सेक्रेटरी राघवेंद्र राजू, ई. चंद्रशेखर, सी. सतीश, ए. श्रवण कुमार, एमडी जहांगीर, जयराज, सी. राजू, आनंद रेड्डी और यादव गुप्ता सहित कई अन्य उपस्थित रहे।

कृषि उद्यमियों की कहानियों पर आधारित पुस्तक 'द फार एकर' का विमोचन

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (एमएएनएजीई) में 'द फार एकर' नामक नई पुस्तक का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में उन कृषि उद्यमियों की प्रेरक यात्राओं को शामिल किया गया है, जो भारतीय कृषि क्षेत्र में नए बदलाव ला रहे हैं। आकांक्षा शुक्ला और डॉ.जे. शांति द्वारा लिखित इस पुस्तक में एमएएनएजीई के पूर्व छात्रों और सहयोगियों की कहानियां संकलित हैं। इसमें ऐसे उद्यमियों का उल्लेख है, जो चुनौतियों के बीच अपने व्यवसाय स्थापित कर रहे हैं और दीर्घकालिक विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पुस्तक में कृषि वित्त, फसल कटाई के बाद प्रबंधन, बाजार संपर्क, किसान एकीकरण और ग्रामीण तकनीक जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की कहानियों को अलग-अलग अध्यायों में प्रस्तुत किया गया है।

चेन स्नैचिंग गैंग का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद जोन टास्क फोर्स और ओयू सिटी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में चेन स्नैचिंग गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक रिसीवर को भी पकड़ा गया। पुलिस ने इस कार्रवाई में चोरी का माल भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पुलिपाटी हेमंत कुमार उर्फ नानू (25), पल्ले दीपक (26) और मल शंकुरिया (20) के रूप में हुई है, जबकि कंदकुरु रामाचार्य (32) को रिसीवर के रूप में गिरफ्तार किया गया। यह मामला ओयू सिटी पुलिस स्टेशन के अपराध संख्या 180/2026, धारा 304 बीएनएस के तहत दर्ज है। आरोपी हैदराबाद के अंबरपेट और रमंतापुर क्षेत्र के निवासी हैं तथा पूर्व में भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मुख्य आरोपी हेमंत कुमार के खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी, लूट और मारपीट के कई मामले दर्ज हैं। पल्ले दीपक के खिलाफ भी कई चोरी के मामले दर्ज हैं, जबकि शंकुरिया भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लगभग 35.03 ग्राम वजन की तीन सोने की चेन के टुकड़े, एक होंडा यूनिकॉर्न मोटरसाइकिल, एक नई पल्सर 160 सीसी बाइक (चोरी के पैसे से खरीदी गई) तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि तीनों आरोपी आपस में मित्र हैं और आसानी से पैसे कमाने के लिए चोरी व स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देते थे। 17 अप्रैल 2026 की सुबह आरोपी एक मोटरसाइकिल पर अंबरपेट से निकले और हब्सीगुड़ा स्थित करूर वैश्य बैंक के पास एक महिला को निशाना बनाया। दीपक बाइक चला रहा था, जबकि हेमंत और शंकुरिया पीछे बैठे थे। मौके पर पहुंचकर दोनों नीचे उतरे और महिला के गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गए। बाद में उन्होंने चेन को तीन हिस्सों में बांट लिया और बेचकर पैसे आपस में बांट लिए। हेमंत ने चोरी के पैसों से नई पल्सर बाइक भी खरीदी। मामले की जांच के दौरान टास्क फोर्स टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस ने चोरी का सामान भी बरामद कर लिया है। यह कार्रवाई सेकंदराबाद जोन टास्क फोर्स के इंस्पेक्टर जे. राजशेखर, ओयू सिटी थाना प्रभारी एम. महेश, डीआई लेनिन बाबू, एसआई बी. महेश, के. करुणकर रेड्डी, एस. राजू, डी. कृष्णा तथा अन्य पुलिसकर्मियों की टीम द्वारा की गई। यह जानकारी टास्क फोर्स, हैदराबाद के डीसीपी गायकवाड़ वैभव रघुनाथ ने दी।

रील बनाते समय बालकनी से गिरकर किशोर की मौत

स्टंट के दौरान बिगड़ा संतुलन, अस्पताल में तोड़ा दम

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नाचारम इलाके में सोमवार को रील बनाने के दौरान एक किशोर की बालकनी से गिरकर मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार, मल्लापुर निवासी 14 वर्षीय मिथुन, जो आठवीं कक्षा का छात्र था, वीडियो बनाने के लिए स्टंट कर रहा था। इसी दौरान वह बालकनी की मुंडेर पर चढ़ गया, लेकिन संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गया। परिवार के लोग उसे तुरंत अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मिथुन अपने दोस्तों की मदद से नियमित रूप से रील बनाता था और उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट करता था। वह अधिक व्यूज पाने के लिए जोखिम भरे स्टंट कर रहा था। नाचारम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश में बिहार के युवक की दर्दनाक मौत

मित्र को तिरुपति से रक्सौल जाने वाली रक्सौल स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन में बैठाने के लिए चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन गया था

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चलती ट्रेन से उतरने के प्रयास में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन पर सामने आई। पुलिस के अनुसार, बिहार राज्य के मुजफ्फरपुर जिले के सिमरा गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार यदाद्री भुवनगिरी जिले के बीबीनगर मंडल के कोंडमडुगु गांव में मजदूरी कर जीवन यापन कर रहा था। मंगलवार को वह अपने एक मित्र को तिरुपति से रक्सौल जाने वाली रक्सौल स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन में बैठाने के लिए चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन गया था।

बताया गया कि तीसरे प्लेटफॉर्म पर आई ट्रेन में अपने मित्र के साथ वह भी चढ़ गया।

ट्रेन के चलने और गति पकड़ने के बाद वह घबराहट में नीचे उतरने की कोशिश करने लगा। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह ट्रेन के नीचे गिर पड़ा और ट्रेन के पहिए उसके गर्दन के ऊपर से गुजर गए, जिससे उसका सिर धड़ से अलग हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को गांधी सरकारी अस्पताल भेजकर पोस्टमार्टम कराया। बाद में शव को औशापुर गांव में रहने वाले उसके भाई को सौंप दिया गया।

बस में सो रहे यात्रियों को निशाना बनाने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, 17 तोला सोना बरामद

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अफजलगंज थाना पुलिस ने सोने के आभूषण चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 17 तोला सोना बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने एक केस का सफलतापूर्वक खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, अपराध संख्या 153/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) में मामला दर्ज किया गया था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अन्नारेड्डी वेंकट शिवा रेड्डी उर्फ शिवा (35) के रूप में हुई है, जो आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले के बुधवारापेट का निवासी है। घटना के संबंध में शिकायतकर्ता डॉ. डी.एस. कीर्तना (36), जो हाईटेक सिटी स्थित सिंधु अस्पताल में कार्यरत हैं, ने 13 अप्रैल 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 12 अप्रैल की रात अनंतपुर से हैदराबाद आ रही मीना ट्रैवल्स की स्लीपर बस में यात्रा के दौरान उनके बैग से लगभग 20 तोला सोने के आभूषण चोरी हो गए।

बस 13 अप्रैल सुबह एमजीबीएस, हैदराबाद पहुंचने पर उन्हें चोरी का पता चला। शिकायत के आधार पर अफजलगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज खंगालने और आसपास पूछताछ के बाद पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से लॉन्ग हारम, मंगलसूत्र, चेन-पेंडेंट, चूड़ियां तथा कान और उंगली की अंगूठियां सहित कुल 17 तोला सोना बरामद किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी निजी सुपरमार्केट में सुपरवाइजर के रूप में कार्य करता है और शराब, सट्टेबाजी व ऐशो-आराम की आदतों के चलते चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। वह अनंतपुर से हैदराबाद आने वाली निजी बसों में सवार होकर सो रहे यात्रियों के बैग से आभूषण चोरी करता था। घटना की रात भी उसने इसी तरीके से चोरी की और जडचेरला में बस से उतर गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ आंध्र प्रदेश के विभिन्न थानों में पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस मामले का खुलासा अफजलगंज थाना की क्राइम टीम ने डीसीपी गोलकोंडा जोन जी. चंद्र मोहन के निर्देशन में किया। डीसीपी ने इस सफलता पर थाना प्रभारी एन. मोहन राव, डिटेक्टिव इंस्पेक्टर बी. रवि किरण सहित पूरी टीम की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

कांग्रेस की महिला विरोधी नीति के खिलाफ 'जन आक्रोश पदयात्रा' कल

बीआरएस-कांग्रेस पर बरसे रामचंदर राव

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कांग्रेस पर महिला विरोधी रुख अपनाने का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ जन आंदोलन तेज करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि दशकों से महिला आरक्षण के मुद्दे को लटकाकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने नारी शक्ति के उत्थान में बाधा डाली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाया गया 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को विधायिकाओं में उचित प्रतिनिधित्व देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, लेकिन कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दलों ने इसे भी राजनीतिक रंग देकर बाधित करने का काम किया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

इसी के विरोध में भाजपा की ओर से राज्यभर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 23 अप्रैल को हैदराबाद में 'जन आक्रोश पदयात्रा' का आयोजन किया जाएगा। यह पदयात्रा जीएचएमसी कार्यालय से शुरू होकर दोमलगुड़ा होते हुए इंदिरा पार्क तक निकलेगी। रामचंदर राव ने राज्य की महिलाओं से अपील की कि वे बड़ी संख्या में इस पदयात्रा में भाग लेकर कांग्रेस की नीतियों का विरोध करें। उन्होंने कहा कि पदयात्रा के समापन पर केंद्र सरकार द्वारा महिला कल्याण के लिए किए गए कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा। उन्होंने जनता और विशेष रूप से महिलाओं से इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और इसे सफल बनाने का आह्वान किया। इसी क्रम में भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने बीआरएस और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जगित्याल और जयशंकर भूपालपल्ली जिलों में हुई सभाओं में केसीआर और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बयानों में साफ तौर पर भय नजर आ रहा है। उन्होंने कहा, एक नेता कह रहे हैं कि वे फिर से सत्ता में आएंगे, तो दूसरे वर्तमान स्थिति बदलने की बात कर रहे हैं। लेकिन दोनों ही नेताओं द्वारा भाजपा को निशाना बनाना उनके अंदर के डर को उजागर करता है।

उन्हें पता है कि तेलंगाना में अगली सरकार भाजपा की बनने जा रही है। रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि केसीआर मोटरों पर मीटर लगाने के मुद्दे पर झूठ बोल रहे हैं और अपने शासनकाल में लिए गए भारी कर्ज पर चर्चा से बच रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को भी खुली बहस की चुनौती दी और कहा कि दोनों सरकारों ने मिलकर राज्य को आर्थिक रूप से कमजोर किया है।

कालेश्वरम परियोजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मेडिगड्डा, सुंदिल्ला और अन्नाराम बैराज में खामियों को भाजपा पहले ही उठा चुकी है और जांच की मांग की थी, लेकिन वर्तमान सरकार इस पर गंभीरता नहीं दिखा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर और रेवंत के बीच परस्पर संरक्षण की राजनीति चल रही है।

सरकारी नौकरियों में आयु सीमा छूट खत्म, युवाओं में नाराजगी

भर्ती अधिसूचना में अधिकतम आयु फिर 34 वर्ष तय

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सरकारी नौकरियों की तैयारी कर रहे युवाओं के बीच उस समय निराशा फैल गई जब राज्य सरकार ने ऊपरी आयु सीमा में दी गई छूट को आगे नहीं बढ़ाया। इससे पहले दी गई 12 साल तक की आयु सीमा में राहत अब समाप्त हो गई है।

अब सीधी भर्तियों के लिए अधिकतम आयु सीमा फिर से 34 वर्ष कर दी गई है। यह स्थिति तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) द्वारा तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में सहायक वैज्ञानिक (विश्लेषक ग्रेड-II) के 20 पदों के लिए जारी अधिसूचना से स्पष्ट हुई है। आयोग के अनुसार, 1 जुलाई 2026 तक उम्मीदवारों की आयु 18 से 34 वर्ष के बीच होनी चाहिए। पूर्व में बीआरएस सरकार के दौरान इन पदों के लिए अधिकतम आयु सीमा 44 वर्ष तक रखी गई थी। वर्ष 2022 में सरकार ने दो वर्षों के लिए आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट दी थी, जिससे सामान्य वर्ग के लिए अधिकतम आयु 44 वर्ष और आरक्षित वर्गों के लिए इससे भी अधिक निर्धारित की गई थी।

बाद में कांग्रेस सरकार ने इस सीमा को और बढ़ाकर सामान्य वर्ग के लिए 46 वर्ष तक कर दिया था, जो फरवरी 2026 तक लागू रही। हालांकि, इस अवधि में बड़े पैमाने पर भर्तियां नहीं होने के कारण उम्मीदवारों को इसका लाभ नहीं मिल सका। सूत्रों के अनुसार, टीजीपीएससी ने आयु सीमा में छूट बढ़ाने के लिए सरकार को पत्र भी भेजा था, लेकिन इस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इस बीच, सहायक वैज्ञानिक पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया 27 अप्रैल से शुरू होगी और 25 मई तक चलेगी। उम्मीदवार विस्तृत जानकारी के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं।

दिल्ली दौरे पर हरीश राव ने दी सफाई कई मुद्दों पर ली कानूनी सलाह

कालेश्वरम और नकद-के-बदले वोट मामले पर चर्चा

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि उनका हालिया दिल्ली दौरा विभिन्न महत्वपूर्ण मामलों पर वरिष्ठ कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श के लिए था। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह यात्रा पूरी तरह पारदर्शी और मुद्दों पर आधारित थी, जबकि अन्य बातें केवल राजनीतिक प्रचार हैं। तेलंगाना भवन में मंगलवार को मीडिया से बातचीत में हरीश राव ने बताया कि कालेश्वरम परियोजना से जुड़े न्यायमूर्ति पी.सी. घोष आयोग को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर उच्च न्यायालय बुधवार को फैसला सुना सकता है। उन्होंने कहा कि फैसले के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में अपील की संभावना पर भी चर्चा की गई है। उन्होंने बताया कि विधायकों की अयोग्यता से जुड़े मामलों पर भी विचार किया गया, जिनकी सुनवाई 6 मई को प्रस्तावित है। वहीं, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से जुड़े कथित 'वोट के बदले नकद' मामले का उल्लेख करते हुए हरीश राव ने कहा कि यह मामला भी बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सूचीबद्ध है। उन्होंने बताया कि बीआरएस ने इस मामले में खुद को पक्षकार बनाया है। हरीश राव ने मुख्यमंत्री पर हितों के टकराव का आरोप लगाते हुए कहा कि मुकदमे का सामना करने के बावजूद वे पद पर बने हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अपने बचाव के लिए वरिष्ठ वकीलों की सेवाएं ले रहे हैं, जबकि राज्य सरकार का पक्ष अपेक्षाकृत कम अनुभवी वकील रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस की ओर से भी वरिष्ठ अधिवक्ता इस मामले की पैरवी करेंगे।

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर जुर्माने से बचने की कोशिश, मामला दर्ज

वाहन चेकिंग में पकड़ा गया डिलीवरी बॉय

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने फर्जी वाहन नंबर प्लेट का इस्तेमाल करने और सरकार को धोखा देने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, जुबली हिल्स निवासी 26 वर्षीय वी. सुरेश कुमार (जो एक फूड डिलीवरी बॉय है) ने ट्रैफिक चालान से बचने के लिए अपने वाहन का पंजीकरण नंबर बदलकर आंध्र प्रदेश के नेल्लोर निवासी किसी अन्य व्यक्ति के वाहन का नंबर लगा लिया था। वाहन जांच के दौरान ट्रैफिक पुलिस को संदेह होने पर उसे रोका गया और जांच में फर्जी नंबर प्लेट का मामला सामने आया। इसके बाद जुबली हिल्स थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 21 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.6 2083 बुधवार, 22 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारतीय के हत्यारे को आजीवन कारावास

टोरंटो, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। टोरंटो की एक अदालत ने भारतीय छात्र कार्तिक वासुदेव की हत्या के मामले में दोषी व्यक्ति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी की मानसिक बीमारी के आधार पर आपराधिक जिम्मेदारी से मुक्त किए जाने की मांग खारिज कर दी। टोरंटो की उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति जेन केली ने आरोपी रिचर्ड एडविन को दो अलग-अलग हत्याओं में प्रथम श्रेणी हत्या का दोषी करार दिया। यह हत्याएं 7 अप्रैल और 9 अप्रैल 2022 को हुई थीं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अदालत ने उसे बिना पैरोल की संभावना के आजीवन कारावास की सजा दी। मामले में आरोपी ने 21 वर्षीय कार्तिक वासुदेव को गोली मारने की बात स्वीकार की थी।

मैंने ईरान में सत्ता बदल दी : ट्रम्प

* जल्द बड़ी डील हो सकती है, उनके पास कोई और रास्ता नहीं

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उन्होंने ईरान में सत्ता बदल दी है। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने पहले ऐसा करने की बात नहीं कही थी, लेकिन अब वहां रेजीम चेंज हो चुका है।

ट्रम्प ने कहा कि मौजूदा हालात में अमेरिका और ईरान के बीच जल्द एक बड़ी डील हो सकती है। उनके मुताबिक, ईरान के पास समझौता करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। इस बीच अमेरिका से संभावित बातचीत के लिए ईरानी डेलिगेशन के पाकिस्तान पहुंचने को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। ईरानी मीडिया के मुताबिक मुख्य वार्ताकार और संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर

गालिबाफ, विदेश मंत्री अराघची और उनके डिप्टी फिलहाल देश में ही मौजूद हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कुछ ही देर में पाकिस्तान के लिए रवाना होने वाले हैं। वेंस के साथ विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर भी पाकिस्तान पहुंचेंगे।

धीमी आवाजाही : सोमवार को होर्मुज स्ट्रेट से सिर्फ 16 जहाज गुजरे। मरीन ट्रैफिक डेटा के मुताबिक, सोमवार को 9 जहाज होर्मुज में दाखिल हुए, जिनमें 2 ईरानी झंडे वाले जहाज थे, जिनमें से एक तेल टैंकर था। वहीं 7 जहाज बाहर निकले, जिनमें एक ईरानी कार्गो जहाज शामिल था।

लेबनान-इजराइल वार्ता : इजराइल और लेबनान के बीच बातचीत का दूसरा दौर 23 अप्रैल को तय किया गया है। इससे पहले 16 अप्रैल को दोनों देशों की बातचीत हुई थी जिसमें दोनों देशों ने 10 दिनों के लिए सीजफायर पर सहमति जताई थी।

ईरानी जहाज सीज : अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश कर रहे टूस्का नाम के एक ईरानी जहाज को पकड़ लिया। यह चीन से लौट रहा था। ईरान ने इस पर नाराजगी जताई और अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। >14

पटाखा निर्माण फैक्टरी में विस्फोट 13 लोगों की मौत

पीएम मोदी ने जताया दुख

त्रिशूर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के त्रिशूर जिले के मुंडथिक्कोडु इलाके में मंगलवार को एक पटाखा निर्माण यूनिट में भीषण विस्फोट गया। इस विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए।

यह हादसा उस समय हुआ जब शहर में आयोजित होने वाले वार्षिक हिंदू मंदिर उत्सव त्रिशूर पूरम की तैयारियां चल रही थीं। इस घटना पर पीएम मोदी ने दुख जताया है। घटनास्थल पर पहुंचे राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के समय यूनिट में करीब 40 लोग काम कर रहे थे, क्योंकि आयोजकों द्वारा कर्मचारियों के लिए दोपहर का भोजन लाया गया था। अधिकारी ने कहा, हमें सूचना मिली है कि सात लोग वहां से भागने में सफल रहे। >14

'किसी भी परिस्थिति में सीलबंद कमरों को नहीं खोला जाए'

मतगणना से पहले ईसी ने दिया निर्देश

तिरुवनंतपुरम, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने मंगलवार को केरल के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और रिटर्निंग अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। वह मतगणना के दिन से पहले किसी भी परिस्थिति में कोई भी स्ट्रांग रूम न खोलें।

कमरे में प्रवेश नहीं करना है : केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू केलकर ने कोझिकोड के पेरामब्रा निर्वाचन क्षेत्र में सोमवार को ईवीएम रखने वाले एक स्ट्रांग रूम के खोले जाने की खबरों और पलक्कड़ के नेनमारा निर्वाचन क्षेत्र में एक और स्ट्रांग रूम खोलने की कथित योजनाओं के बाद यह निर्देश जारी किया। यह दोहराया गया है कि किसी भी परिस्थिति में इंडेक्स कार्ड तैयार करने या ईएनसीओआरई पोर्टल में डेटा सत्यापित करने के उद्देश्य से किसी भी मजबूत कमरे या बिना सील वाले कमरे को खोला या उसमें प्रवेश नहीं किया जाएगा।

केलकर के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, चुनावी प्रक्रिया की अखंडता, पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। सोमवार को कोझिकोड जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया था कि कोई भी स्ट्रांग रूम नहीं खोला गया था। कलेक्टर स्नेहल कुमार सिंह, जो जिला चुनाव अधिकारी भी हैं। उन्होंने कहा था कि मतदान अभिलेखों के सत्यापन और अद्यतन के लिए उम्मीदवारों के एजेंटों की उपस्थिति में जेडीटी इस्लाम हायर सेकेंडरी स्कूल में एक बिना सील वाला सामग्री कक्ष खोला गया था।

4 मई को नतीजे : अधिकारी ने एक बयान में कहा था कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपीएटी को केंद्रीय पर्यवेक्षकों और उम्मीदवारों के एजेंटों की निगरानी में भवन की पहली मंजिल पर एक सीलबंद मजबूत कमरे में सुरक्षित रूप से रखा गया था और उस कमरे को खोला नहीं गया था। हालांकि, कांग्रेस और पार्टी के नेतृत्व वाले यूडीएफ के नेताओं ने आरोप लगाया था कि यह घटना चुनाव नियमों का उल्लंघन है।

कांग्रेस ने पीएम के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को विशेषाधिकार हनन (प्रिविलेज नोटिस) दिया है। अपने पत्र में वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने 18 अप्रैल 2026 को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में लोकसभा के सदस्यों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की और उनके इरादों पर सवाल उठाए। कांग्रेस का कहना है कि यह संसद की गरिमा और सांसदों के अधिकारों का उल्लंघन है।

बता दें कि पीएम मोदी का यह संबोधन उस समय हुआ जब लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026 पारित नहीं हो सका था। कांग्रेस का आरोप है कि इस भाषण में प्रधानमंत्री ने विपक्षी सांसदों के मतदान और उनकी मंशा को लेकर सीधे तौर पर टिप्पणियां कीं। पीएम मोदी के खिलाफ लिखे इस पत्र में कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल ने पूरे मामले को बेहद गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि यह मामला बेहद गंभीर है क्योंकि यह सिर्फ किसी व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि संसद और लोकतंत्र की गरिमा से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से तुरंत कार्रवाई की मांग की है। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि सांसदों के अधिकारों की रक्षा और संसद की गरिमा बनाए रखना जरूरी है।

दीदी को हटाने का समय आ गया : शाह

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल तेज हो चुका है और दार्जिलिंग के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की कुल्टी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा के दौरान राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कभी कुल्टी देश में लौह अयस्क उत्पादन का बड़ा केंद्र हुआ करता था, लेकिन मौजूदा सरकार की नीतियों के कारण यह क्षेत्र अब बंद होने की कगार पर पहुंच गया है।

अमित शाह ने आरोप लगाया कि राज्य में औद्योगिक विकास की अनदेखी की गई है, जिससे कई पारंपरिक उद्योगों पर संकट गहराता जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सही नीतियां अपनाई जातीं, तो कुल्टी जैसे क्षेत्र आज भी देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभा सकते थे। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल भाजपा उम्मीदवार को विधायक बनाने या पार्टी कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य पूरे बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कराना है। अमित शाह ने जनता से अपील करते हुए कहा कि 23 तारीख को कमल के निशान पर वोट दें और चार मई को भाजपा की सरकार बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य में मौजूद हर घुसपैठिए की पहचान कर उसे हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

दार्जिलिंग आयोजित जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य की राजनीतिक स्थिति पर तीखा बयान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की मांग अब तेज हो रही है और जनता परिवर्तन की दिशा में सोच रही है। अमित शाह ने गोरखा समुदाय से जुड़े मुद्दों पर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया।

खड़गे ने प्रधानमंत्री के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की, फिर सफाई में कहा-वो डराते हैं

चेन्नई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपनी एक कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवादों के केंद्र में हैं। दरअसल एक रैली में उन्होंने पहले पीएम मोदी की तुलना आतंकवादी से कर दी। हालांकि बाद में सफाई देते हुए पना बचाव किया है। इस पूरे घटनाक्रम ने चुनावी माहौल में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग को और भी तीखा कर दिया है।

चेन्नई में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) के भाजपा के साथ गठबंधन करने पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि अन्नाद्रमुक के लोग मोदी के साथ कैसे जुड़ सकते हैं, जबकि वे समानता और न्याय में विश्वास नहीं रखते। खड़गे ने आगे कहा कि ऐसे लोगों के साथ हाथ मिलाना लोकतंत्र को कमजोर करने जैसा है। इसी दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री के संदर्भ में आतंकवादी शब्द का प्रयोग किया। बढ़ते विवाद को देखते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने तुरंत अपने बयान पर स्पष्टीकरण जारी किया। उन्होंने कहा कि मैंने यह कभी नहीं कहा कि प्रधानमंत्री एक आतंकवादी हैं।

2000 साल के प्रयोगों के बाद दुनिया थकी, अब भारत की राह देख रही है : मोहन भागवत

अगरतला, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मोहन भागवत ने दुनिया की मौजूदा स्थिति और भारत की भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया। वे मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने अपने संबोधन में पिछले करीब 2000 वर्षों के वैश्विक इतिहास और उसके अनुभवों का जिक्र किया।

अपने भाषण में उन्होंने कहा कि दुनिया ने अलग-अलग व्यवस्थाओं को अपनाकर प्रयोग किए। पहले राजाओं को सारी शक्ति दी गई, लेकिन समय के साथ कई शासक अपनी ही जनता का शोषण करने लगे। इसके बाद लोगों ने ईश्वर को सर्वोच्च मानकर भक्ति आधारित धर्मों को अपनाया, लेकिन शांति की तलाश में शुरू हुए ये रास्ते भी कई बार हिंसा और खून-खराबे में बदल गए। आरएसएस प्रमुख ने आगे कहा कि इसके बाद विज्ञान का दौर आया, जहां लोगों ने यह मानना शुरू किया कि केवल वही सच है जिसे प्रयोगशाला में साबित किया जा सके। इस दौरान विज्ञान ने इंसानों को कई सुख-सुविधाएं दीं, लेकिन असली संतोष आज भी नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में दुख, परिवारों का टूटना, अपराध और युद्ध जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जितना विकास हो रहा है, उतना ही पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। अपने संबोधन के आखिरी में उन्होंने कहा कि इतने लंबे समय तक कई प्रयोगों के बाद अब दुनिया भारत की परंपराओं और ज्ञान की ओर उम्मीद से देख रही है।

गुजरात एटीएस की बड़ी कार्रवाई आतंकी साजिश के आरोप में दो गिरफ्तार

अहमदाबाद, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात में सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ी आतंकी साजिश का खुलासा किया है। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने सोशल मीडिया के जरिये युवाओं को कट्टरपंथी बनाकर देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने और 'गजवा-ए-हिंद' की स्थापना की साजिश रचने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की योजना एक आतंकी नेटवर्क स्थापित करने की थी, जिसमें वे आरडीएक्स जैसे विस्फोटकों का इस्तेमाल कर देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने की फिराक में थे। एटीएस पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया और इंटरनेट पर देश विरोधी गतिविधियों पर तकनीकी और मानवीय खुफिया जानकारी के माध्यम से लगातार निगरानी रख रही थी। इसी दौरान, गुजरात एटीएस को गुजरात के पाटण जिले के सिद्धपुर निवासी 22 वर्षीय इरफान कालेखां पठान के बारे में विशिष्ट जानकारी मिली, जिस पर कथित तौर पर चरमपंथी इस्लामी विचारधारा का प्रभाव था। साथ ही अन्य लोगों को भी इस नेटवर्क से जोड़ने की कोशिश की जा रही थी।

बंगाल में फिर बनेगी टीएमसी सरकार : ममता

कोलकाता, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को हल्दिया में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी करेगी। ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य में कोई भी भाजपा की सरकार नहीं चाहता है।

ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों से एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि केंद्र से भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत नहीं होगी। टीएमसी फिर से सरकार बनाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि साल 2026 में भाजपा को दिल्ली की सत्ता से भी बाहर कर देंगे। इस दौरान ममता बनर्जी ने नेता प्रतिपक्ष सुभेंदु अधिकारी का नाम लिए बिना उन पर तीखे तंज कसे। उन्होंने कहा कि आपके भीतर बहुत अहंकार है। आपका तो पूरा परिवार ही चुनाव लड़ रहा है। ममता बनर्जी ने अभिषेक बनर्जी का बचाव करते हुए कहा कि आप रोज अभिषेक को बुरा-भला कहते हैं। आप उनसे मुकाबला नहीं कर सकते और मुझसे लड़ना चाहते हैं? मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आने वाले दिनों में अभिषेक बनर्जी ही मिदनापुर की देखरेख करेंगे। टीएमसी प्रमुख ने बताया कि वह पिछले एक महीने से पूरे बंगाल का दौरा कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने जनता की नब्ज को पहचाना है। उन्हें साफ दिख रहा है कि लोग भाजपा को पसंद नहीं कर रहे हैं।

खाड़ी संकट में फंसे 2,500 से अधिक भारतीय नाविकों की सुरक्षित घर वापसी

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। खाड़ी संकट को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर को जारी रखने पर मतभेद के बीच भारत अपने कूटनीतिक मिशन पर लगातार जुटा हुआ है। पश्चिम एशिया के सभी संकट प्रभावित देशों में भारतीय मिशन अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए तत्पर हैं। इसी का परिणाम है कि खाड़ी क्षेत्र में फंसे नाविकों और अन्य भारतीय नागरिकों का सुरक्षित भारत आने का सिलसिला लगातार जारी है।

खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में मौजूदा परिस्थितियों पर विदेश मंत्रालय लगातार फोकस रख रहा है। उसकी पहली प्राथमिकता है कि युद्धग्रस्त क्षेत्रों में जितने भी भारतीय नागरिक बजे रह गए हैं, उनकी हिफाजत और सुरक्षा सुनिश्चित हो और उन्हें किसी भी तरह की तकलीफ का सामना न करना पड़े। खाड़ी क्षेत्र के जिस देश में भी एयरस्पेस खुला है, वहां से भारत के लिए उड़ानें चालू हैं। संकटग्रस्त खाड़ी देशों से 28 फरवरी से लेकर 20 अप्रैल तक लगभग 11 लाख 30 हजार हवाई यात्रियों को भारत लाया जा चुका है।

व्यक्तिगत लाभ के लिए खर्च किए सोसाइटी फंड के 2467 करोड़ रुपये

12-14 प्रतिशत रिटर्न का इंतजार करते रहे निवेशक

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 8(4) के प्रावधानों के तहत 9.29 करोड़ रुपये मूल्य की छह अचल संपत्तियों पर कब्जा कर लिया है। ये संपत्तियां खारघर, मुंबई और पुणे में स्थित हैं।

इनका मालिकाना हक सुरेश कुटे, अर्चना कुटे और उनसे संबंधित संस्थाओं के नाम पर है। आरोपियों ने एक सोसायटी बनाकर निवेशकों से बड़े रिटर्न का वादा किया। बाद में व्यक्तिगत लाभ के लिए सोसाइटी फंड के 2467 करोड़ रुपये खर्च कर दिए गए। दूसरी तरफ निवेशक, 12-14 प्रतिशत रिटर्न मिलने का इंतजार करते रहे। यह कुर्की महाराष्ट्र के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में भारतीय दंड संहिता की धारा 1860 के तहत दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू की गई है। ये केस मनी लॉन्ड्रिंग जांच से संबंधित है। >14

भूकंप के झटकों से कांपा मणिपुर

इंफाल, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मंगलवार की सुबह मणिपुर के कई हिस्सों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र मणिपुर के कामजोंग जिले में था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 रही। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक यह भूकंप सुबह 5:59 बजे आया। इससे कामजोंग और उसके आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोग दहशत में आ गए। झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर भाग गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र अक्षांशः 24.703 एन, देशांतरः 94.415 ई पर 62 किलोमीटर की गहराई में था।

झटके इतने तेज थे कि इसका असर नगालैंड और असम में भी देखा गया। हालांकि अभी तक किसी से हताहत होने या किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। इसके पहले सोमवार को भी उत्तराखंड में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रात 8:32 बजेपौड़ी गढ़वाल में 3.0 तीव्रता का भूकंप आया था। इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था।

सबरीमाला मंदिर मामले में

फैसले की समीक्षा पर जिरह अंतिम दौर में, आज और चलेगी सुनवाई

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में केरल के सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धर्मों और धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ कथित भेदभाव से जुड़े मामलों पर सुनवाई जारी है। इसके लिए अदालत ने 9 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का गठन किया है, जो 2018 के फैसले के खिलाफ दायर समीक्षा याचिकाओं पर विचार कर रही है। सबरीमाला मामले के साथ-साथ अदालत अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े कई अहम मुद्दों की भी जांच कर रही है। इनमें मस्जिदों और दरगाहों में मुस्लिम महिलाओं के प्रवेश, अंतरधार्मिक विवाह के बाद पारसी महिलाओं के अग्नि मंदिर में प्रवेश का अधिकार, बहिष्कार की प्रथाओं की वैधता और दाऊदी बोहरा समुदाय में महिला जननांग विकृति से जुड़े कानूनी सवाल शामिल हैं।

सुनवाई के पहले दिन संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि सभी पक्षकारों को तय समयसीमा के भीतर ही अपनी दलीलें प्रस्तुत करनी होंगी। अदालत ने कहा कि अन्य महत्वपूर्ण मामले भी लंबित हैं, इसलिए अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। सभी वकीलों को अपने तर्क और दस्तावेज समय पर पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई का पूरा कार्यक्रम पहले ही तय कर दिया था। इसमें समीक्षा याचिकाओं के समर्थन में दलीलें 7 से 9 अप्रैल तक सुनी गईं। विरोधी पक्ष की दलीलें 14 से 16 अप्रैल तक रखी गईं। जवाबी दलीलें 21 अप्रैल को और अंतिम बहस एमिकस क्यूरी की ओर से 22 अप्रैल तक पूरी होने की संभावना है।

त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने अदालत से धर्म की समुदाय-केंद्रित व्याख्या अपनाने की अपील की है। वहीं, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि केंद्र सरकार इन समीक्षा याचिकाओं का समर्थन करती है।

नशे का विरोध करने पर दबंगों का कहर

लाठी-डंडे, चाकू-रॉड ले घर में घुसे, हमले में बुजुर्ग महिला और दो बेटे घायल

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार इलाके में नशे के सेवन को लेकर की गई शिकायत के बाद एक परिवार पर चाकुओं और रॉड से जानलेवा हमला किया गया। इस घटना में एक बुजुर्ग महिला सहित परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह सनसनीखेज घटना सोनिया विहार के चौथा पुश्ता क्षेत्र में दुर्गा मंदिर के पास हुई। पीड़ित परिवार के घर के पास एक खाली जमीन है, जहां कुछ असामाजिक तत्व अक्सर नशा करने इकट्ठा होते थे। परिवार ने इसे लेकर पहले शिकायत की थी।

जिसके बाद से ही वे लोग इस परिवार से रंजिश रखने लगे थे। स्थिति तब और बिगड़ गई जब आरोपियों ने कथित तौर पर परिवार की खड़ी कार को क्षतिग्रस्त कर दिया और उसे आग लगाने की कोशिश की। इसके बाद परिवार ने पुलिस में एक और शिकायत दर्ज कराई।

कनाडा में अमृतसर के युवक के घर और गाड़ियों को लगाई आग, दीवार पर लिखा 'गो बैक'

अमृतसर (पंजाब), 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में प्रवासी भारतीय से जुड़े एक मामले ने चिंता बढ़ा दी है। अमृतसर मूल के युवक हरप्रीत सिंह के घर और उसकी गाड़ियों को अज्ञात हमलावरों ने निशाना बनाया ओर पेट्रोल डाल कर आग लगा दी । घटना के समय युवक घर के अंदर मौजूद था। जानकारी के अनुसार हमलावरों ने घर के बाहर खड़ी तीन गाड़ियों में आग लगाने की कोशिश की। इनमें से दो वाहन पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए।

आग तेजी से फैली, लेकिन समय रहते उस पर काबू पा लिया गया, जिससे घर को बड़े नुकसान से बचा लिया गया। घटना का एक गंभीर पहलू यह भी सामने आया है कि हमलावरों ने घर की दीवार पर गो बैक जैसे नारे लिखे। पूरी घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में एक संदिग्ध आग लगाते समय झुलसता हुआ भी दिखाई दे रहा है। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

भाई की मौत का बदला लेने के लिए मारी थी गोली, दो पिस्टल बरामद

करनाल, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के गोंदर गांव में हुए सनसनीखेज सूरज हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रिमांड के दौरान मुख्य आरोपी ने कबूल किया है कि यह हत्या पुरानी रंजिश और बदले की भावना से की गई थी। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल हथियार भी बरामद कर लिए हैं। निसिंग थाना प्रभारी कृष्ण कुमार के अनुसार, मुख्य आरोपी कुलदीप वर्तमान में चार दिन के पुलिस रिमांड पर है। पूछताछ में कुलदीप ने खुलासा किया कि उसके भाई कपिल की पहले हत्या कर दी गई थी, जिसका बदला लेने के लिए उसने अपने साथियों के साथ मिलकर सूरज को निशाना बनाया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर दो अवैध पिस्टल बरामद की हैं। वारदात 18 अप्रैल की शाम करीब 6:30 बजे की है। मृतक सूरज के भाई शुभम ने बताया कि सूरज बाइक लेकर गांव में किसी काम से गया था। तभी गोंदर चौक के पास बाइक सवार हमलावरों ने उसे घेर लिया और ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए।

'5 दिन में माफी मांगो, नहीं तो गोबर से भरवा दूंगा घर'

बीजेपी विधायक ने पुलिस अधिकारी को दी धमकी

शिवपुरी, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के पिछोर से भाजपा विधायक प्रीतम लोधी के बयान को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विधायक पर आरोप है कि उन्होंने एक पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) को खुलेआम धमकी देते हुए 5 दिन के भीतर माफी मांगने को कहा है। धमकी देते हुए विधायक ने कहा कि 5 दिन में माफी मांगो नहीं तो घर गोबर से भरवा दूंगा। मामला उस घटना से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसमें विधायक के बेटे दिनेश लोधी की थार गाड़ी से पांच लोगों को कुचलने की घटना सामने आई थी।

इस मामले की जांच के दौरान संबंधित एसडीओपी (उप पुलिस अधीक्षक) की कार्रवाई से नाराज होकर विधायक ने उन्हें धमकी दी। आरोप है कि विधायक ने कहा कि यदि 5 दिन में माफी नहीं मांगी गई, तो वह 10 हजार लोगों के साथ एसडीओपी के घर पहुंचेंगे और घर गोबर से भरवा देंगे। विधायक के इस धमकी भरे बयान के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप की स्थिति बन गई। अधिकारियों के बीच इस बात को लेकर चर्चा तेज हो गई कि एक जनप्रतिनिधि द्वारा खुलेआम पुलिस अधिकारी को इस तरह की चेतावनी देना कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर संकेत माना जा रहा है।

विवाद उस समय और बढ़ गया, जब विधायक ने पुलिस अधिकारी से सीधे सवाल किया कि क्या पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह का आदेश है। विधायक के इस पूरे धमकी भरे अंदाज को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। इस पूरे मामले पर कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस नेताओं ने तंज कसते हुए कहा कि जब पुलिस अधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता की सुरक्षा पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। पार्टी ने विधायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग भी की है।

धुंधका में युवक की हत्या के बाद एक्शन में प्रशासन, अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर

अहमदाबाद, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अहमदाबाद के धंधुका में ओवरटेक विवाद में धर्मेश गामरा नामक युवक की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद इलाके में हिंसा भड़क गई थी और दो समुदाय आमने-सामने आ गए थे। अब दो दिन प्रशासन भी एक्शन मोड में आ गया है। प्रशासन ने मंगलवार को अवैध रूप से बनाई गई इमारतों और कब्जों को हटाने के लिए एक अभियान शुरू किया है। क्षेत्र में पुलिस सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई है।

खटकीवाड़ में चार अवैध कब्जे हटाए जा रहे हैं। जबकि धंधुका-बगोदरा हाईवे पर भी अवैध कब्जे हटाए जाएंगे। धर्मेश गामरा हत्याकांड में आरोपियों के घरों के आस-पास बनी अवैध इमारतों पर भी कार्रवाई की जा रही है। धंधुका के एसडीएम विद्यासागर ने बताया कि अवैध कब्जे हटाने के लिए सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि धर्मेश गामरा हत्याकांड के आरोपियों के घर के आस-पास सड़क पर कुछ कब्जे पहचाने गए हैं,

गुजरात में 2500 करोड़ का साइबर फ्रॉड बैंक के तीन अधिकारी समेत 20 गिरफ्तार

राजकोट, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट में 2500 करोड़ रुपये के साइबर फ्रॉड का भंडाफोड़ हुआ है। इस साइबर फ्रॉड में प्राइवेट बैंकों के अधिकारी भी शामिल थे। पुलिस ने मामले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही कुल गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 20 हो गई है। राजकोट (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक विजय गुर्जर ने बताया कि पाधाधरी स्थित यस बैंक के पर्सनल मैनेजर मौलिक कामानी, जामनगर स्थित एक्सिस बैंक के मैनेजर कल्पेश डांगरिया डांगरियाऔर एचडीएफसी बैंक के पर्सनल बैंकर अनुराग बाल्धा को कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। कामानी पर आरोप है कि उसने पहले से गिरफ्तार आरोपियों को संदिग्ध खाते खोलने और उन्हें मैनेज करने में मदद की। उसने कई डॉक्यूमेंट्स का इस्तेमाल कर अकाउंट्स को एक्टिव बनाए रखा, जिससे बड़ी रकम के लेन-देन पर बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले अलर्ट को बाइपास किया जा सके। डांगरिया ने नकली पहचान का इस्तेमाल करके खाते खुलवाने में मदद की। वहीं बाल्धा ने वेरिफिकेशन और सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद नए खाते खोले।

ये तीनों अधिकारी अकाउंट से कैश निकालने में भी मदद करते थे, जिसे हवाला चैनलों के जरिए आगे भेजा जाता था। तीनों आरोपियों को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि पहले से गिरफ्तार अन्य आरोपी जेल में बंद हैं। अब तक पुलिस ने इस रैकेट से जुड़े 85 बैंक खातों की पहचान की है और साइबर क्राइम पोर्टल पर 535 शिकायतें दर्ज की गई हैं।

सीएम हिमंता पर हेट स्पीच के आरोप

असम की अदालत में मुकदमे पर सुनवाई गौहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस क्या बोले?

गुवाहाटी, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। गौहाटी हाई कोर्ट में आज असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा के खिलाफ दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई हुई, जिसमें उन पर अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ कथित आपत्तिजनक बयान देने का आरोप लगाया गया है। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश आशुतोष कुमार और न्यायमूर्ति अरूण देव चौधरी की बेंच कर रही है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए। सुनवाई के दौरान अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत को बताया कि कोर्ट ने पहले ही राज्य सरकार और मुख्यमंत्री को नोटिस जारी किया था, लेकिन अब तक उनकी तरफ से कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है।

इस पर मुख्य न्यायाधीश ने नाराजगी जताते हुए पूछा कि आखिर जवाब क्यों नहीं दिया गया। अभिषेक मनु सिंघवी ने यह भी कहा कि नोटिस जारी होने के बाद भी मुख्यमंत्री ने 17 अप्रैल और 27 मार्च को फिर से विवादित बयान दिए। उन्होंने कहा कि ये बयान इतने आपत्तिजनक हैं कि उन्हें कोर्ट में पढ़ा भी नहीं जा सकता, लेकिन लिखित नोट के जरिए अदालत को दिखाया जा सकता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री 'मियां' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जो एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए ठीक नहीं है। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट से मांग की कि अंतरिम आदेश जारी कर मुख्यमंत्री को ऐसे बयान देने से रोका जाए। इस पर अदालत ने राज्य सरकार की ओर से जवाब न आने पर कड़ी टिप्पणी की और कहा कि कम से कम जवाब तो दाखिल किया जाना चाहिए था। राज्य सरकार के वकील ने बताया कि एडवोकेट जनरल किसी दूसरे कोर्ट में व्यस्त हैं, जिस पर मुख्य न्यायाधीश ने असंतोष जताया।

अदालत ने निर्देश दिया कि अगली तारीख तक हर हाल में हलफनामा दाखिल किया जाए। साथ ही, याचिकाकर्ताओं को भी मुख्यमंत्री के कथित बयानों से जुड़ा नोट शपथपत्र के साथ दाखिल करने की अनुमति दी गई। फिलहाल कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 28 मई को तय की है। इस मामले पर अब आगे की कार्रवाई राज्य सरकार के जवाब और पेश किए जाने वाले दस्तावेजों के आधार पर होगी।

शादी का खाना खाते ही 400 लोग बीमार

दाहोद, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात की एक शादी से बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आ रही है। दरअसल दाहोद के अभ्लोद में शादी का खाना खाने से करीब 400 लोग बीमार पड़ गए। खाना खाते ही लोगों को अचानक पेट में दर्द और उल्टी आना शुरू हो गईं। इससे आसपास अफरा-तफरी मच गई। एक-एक कर लोगों को इस तरह की शिकायत होना शुरू हुई जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया। इस बीच बीमार मरीजों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराने के लिए भीड़ जुट गई। हर कोई आनन-फानन में बीमार को अस्पताल लेकर पहुंच रहा था। मरीजों को स्थानीय स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस सेवा 108 के जरिए इलाज के लिए भर्ती कराया गया। बड़ी संख्या में लोगों का इलाज किया जा रहा है। इस घटना के बाद डॉक्टरों की टीम भी गांव पहुंची।

जिसके बाद करीब 200 से ज्यादा बीमार लोगों का इलाज टीम ने गांव ही किया। बताया जा रहा है कि लोगों ने खाने में पनीर की सब्जी, शाकपुरी, रसपुरी, दाल-भात खाया था। इसके साथ लोगों ने जूस भी पिया था। इस फूड पॉइजनिंग की सबसे बड़ी वजह जूस या पनीर की सब्जी हो सकती है। फिलहाल इसकी जांच की जा रही है। इस घटना की सूचना स्वास्थ्य विभाग और खाद्य विभाग की टीम को दे गई। टीमों ने घटनास्थल पर पहुंचकर मौके का मुआयाना किया।

राहुल गांधी से पार्टी नहीं चल पाएगी

प्रियंका को सौंपें कमान', तेज प्रताप ने कांग्रेस लीडरशिप पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव ने कांग्रेस नेतृत्व को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि पार्टी को प्रियंका गांधी ही बेहतर ढंग से चला सकती हैं, न कि राहुल गांधी। उन्होंने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर खुलकर सवाल खड़े किए। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान तेज प्रताप यादव ने कहा, 'कांग्रेस को सिर्फ प्रियंका गांधी ही चला सकती हैं,

वो इंदिरा गांधी जैसी हैं। राहुल गांधी से पार्टी चलने वाली नहीं है। यात्रा करने से, बुलेट पर बैठने से कुछ नहीं होता। नीतीश कुमार जी अलग हो गए, बिहार में कोई और मुख्यमंत्री बन गया। राहुल गांधी का मकसद क्या है?' तेज प्रताप यादव का यह बयान राहुल गांधी द्वारा नीतीश कुमार को 'समझौता किया हुआ नेता' बताए जाने की प्रतिक्रिया में आया है। हाल ही में जद(यू) प्रमुख नीतीश कुमार के सक्रिय राजनीति से हटने के बाद बीजेपी के सम्राट चौधरी बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं।

यह पहला मौका नहीं है जब राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठे हों। इससे पहले इस साल जनवरी में कांग्रेस के पूर्व नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शकील अहमद ने भी पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र की कमी का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि कांग्रेस में फैसले सिर्फ राहुल गांधी की मर्जी से होते हैं और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को हाशिये पर डाला जा रहा है। शकील अहमद ने एएनआई से कहा था, 'कांग्रेस में कई ऐसे नेता हैं जो राहुल गांधी के राजनीति में आने से पहले से सक्रिय हैं। राहुल गांधी उन नेताओं के साथ बैठने में सहज नहीं हैं,

जो उन्हें अपना बॉस नहीं मानते।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी अपने नेहरू-गांधी परिवार से होने के कारण खुद को श्रेष्ठ मानते हैं और यूथ कांग्रेस व एनएसयूआई के जरिए वरिष्ठ नेताओं को बाहर करने की कोशिश कर रहे हैं। तेज प्रताप यादव और शकील अहमद जैसे नेताओं के बयानों से कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर चल रही असहजता एक बार फिर सामने आ गई है। वहीं, प्रियंका गांधी को कांग्रेस की कमान देने की मांग अब बाहरी राजनीतिक दलों के नेताओं तक से सुनाई देने लगी है,

आसाराम केस का गवाह महेंद्र चावला बना 70 लाख की ठगी का आरोपी, 3 दिन के लिए पुलिस रिमांड पर भेजा गया

पानीपत, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। आसाराम बापू केस के मुख्य गवाह रहे महेंद्र चावला, उसके भाई देवेंद्र व भतीजे रामप्रसाद को 70 लाख रुपये की ठगी के आरोप के मामले में कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने तीन आरोपितों को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। पुलिस रिमांड के दौरान पांच राज्यों में दबिश देकर पूछताछ करेगी। कोर्ट की अगली तारीख 23 अप्रैल रखी है। शिकायतकर्ता की तरफ से कोर्ट में पेश हुए सीनियर एडवोकेट पुष्पेंद्र सिंह ने कोर्ट में दलील दी कि आरोपितों ने ब्लैकमेलिंग के जरिए हड़पे 70 लाख न केवल पानीपत, उत्तर प्रदेश (शामली), पंजाब, उत्तराखंड (देहरादून) और गुजरात तक पहुंचाए। पुलिस को इन सभी राज्यों में छापेमारी कर रकम बरामद करनी है। महेंद्र चावला के हिस्से में 40 लाख रुपये आए, जो गुरदासपुर, सहारनपुर, चंडीगढ़ और गुजरात में छिपे होने का शक है।

साथ ही सनौली स्थित घर से कंप्यूटर बरामद करना है। देवेंद्र चावला के हिस्से के 15 लाख रुपये बेंगलुरु में इसकी मौसी की लड़की के पास होने की सूचना है। भतीजे रामप्रसाद के पास से पुलिस ने 1 लाख 15 हजार रुपये बरामद किए और 13.85 लाख उसके उत्तराखंड निवासी दोस्त से बरामद किए जाने हैं। दावा किया है कि मामले से जुड़ा एक सीसीटीवी भी सामने आया है।

कपूरथला के फगवाड़ा में दुखद हादसा

सरकारी रिवॉल्वर से छाती में गोली लगने से डीएसपी का निधन

फगवाड़ा, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। फगवाड़ा में डीएसपी योगेश कुमार की सरकारी रिवॉल्वर से ही गोली चलने से मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार यह घटना सुबह करीब 7:30 बजे पुलिस स्टेशन सदर फगवाड़ा के पास स्थित उनके सरकारी क्वार्टर में हुई। बताया जा रहा है कि गोली उनके सीने में लगी, जिसके बाद उन्हें तुरंत जालंधर के जोहल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूत्रों के अनुसार, डीएसपी योगेश कुमार हाल ही में एएनटीएफ पंजाब से ट्रांसफर होकर चंडीगढ़ में एजीसीएमएस, बीओआई में तैनात किए गए थे।

एसपी फगवाड़ा माधवी शर्मा ने बताया कि सुबह वो अपनी सरकारी रिवॉल्वर को साफ कर रहे थे तो अचानक से गोली चल गई जोकि डीएसपी योगेश कुमार की छाती पर लगी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया तो वहां पर डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बंगाल चुनाव: पहले चरण में सात संवेदनशील जिले

केंद्रीय बलों समेत 2193 क्यूआरटी तैनात उपद्रवियों-साजिश पर रहेगी पैनी नजर

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग 23 अप्रैल को होने जा रही है, जिसमें कुल 152 सीटों पर मतदान होगा। यह सीटें राज्य के 16 जिलों में फैली हुई हैं। मतदान से पहले इन जिलों को लेकर चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इसके तहत राज्य में 16 जिलों में से 7 जिलों को सुरक्षा की दृष्टि से सबसे संवेदनशील माना गया है।

इनमें मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर, कूच बिहार, बीरभूम, पश्चिम मिदनापुर और पश्चिम बर्दवान शामिल हैं। इन जिलों में पिछले 15 वर्षों के चुनावी हिंसा के रिकॉर्ड और संवेदनशील बूथों के आधार पर निगरानी बढ़ा दी गई है। हालात के गंभीरता को देखते हुए चुनाव आयोग ने इन क्षेत्रों में केंद्रीय सुरक्षा बलों की भारी तैनाती का आदेश दिया है। इसके साथ ही क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) को भी सक्रिय किया गया है, ताकि किसी भी तरह की हिंसा या गड़बड़ी को तुरंत रोका जा सके। कुल मिलाकर पहले चरण की वोटिंग के लिए 2,193 क्यूआरटी तैनात किए गए हैं। बता दें कि सबसे ज्यादा 219 क्यूआरटी मुर्शिदाबाद में तैनात किए गए हैं, जिसे पिछले कई चुनावों में हिंसा प्रभावित जिला माना जाता रहा है।

यहां केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों को जिम्मेदारी दी गई है। मतदान केंद्रों पर सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए दो स्तर की जांच व्यवस्था लागू की गई है। पहले चरण में सी एपीएफ के जवान मतदाताओं की जांच करेंगे और फिर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा दूसरी जांच की जाएगी, उसके बाद ही मतदाता मतदान कर सकेंगे। चुनाव आयोग ने पुलिस अधिकारियों को भी सख्त चेतावनी दी है कि ड्यूटी में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसा करने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है। कुल मिलाकर, आयोग इस बार मतदान को पूरी तरह शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बनाने के लिए सख्त निगरानी में चुनाव करा रहा है।

सूरत में 1 किलो एम्बरग्रीस के साथ यूपी के तीन युवक गिरफ्तार

सूरत, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सूरत के डिंडोली इलाके के तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से 1.071 किलोग्राम एम्बरग्रीस बरामद किया, जो स्पर्म व्हेल की आंतों में बनने वाला एक दुर्लभ और मोम जैसा पदार्थ होता है। शहर में छापेमारी के दौरान जब्त किए गए अवैध पदार्थ की कीमत करीब 1.07 करोड़ रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार किए गए तीन लोगों की पहचान अंबरीश मिश्रा (34) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले का रहने वाले हैं और डिलीवरी एग्जीक्यूटिव का काम करता है। दूसरे आरोपी सोनू उर्फ बबलू उपाध्याय (40) और तीसरे संदीप उपाध्याय (35) हैं। ये दोनों जौनपुर के ही रहने वाले रिक्शा चालक हैं। फिलहाल, तीनों सूरत में रह रहे थे। इन आरोपियों के पास एम्बरग्रीस एक सफेद और लाल रंग के डिजाइन वाले प्लास्टिक बैग में मिला।

स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप के डिप्टी पुलिस कमिश्नर राजदीप सिंह नकुम ने बताया कि इन लोगों को यह एम्बरग्रीस करीब तीन महीने पहले भरूच समुद्र तट के पास धीरू वाघेला और उमेश पलिया ने दिया था। उन्होंने कहा, पिछले एक हफ्ते से ये लोग इसे बेचने और ग्राहक तलाशने के लिए घूम रहे थे। इसी दौरान किसी को इसकी जानकारी मिली और उसने एसओजी को सूचना दे दी,

एसआईआर से पहले ही कट गए 9.80 लाख वोटर्स के नाम

सीईओ ने दिए जांच के निर्देश; राजनीतिक हलचल तेज

भुवनेश्वर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा में पिछले जनवरी महीने से शुरू हुई मतदाता मैपिंग प्रक्रिया में करीब 9 लाख 80 हजार मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इतनी बड़ी संख्या में नाम कटने के कारण अब इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुशांत कुमार मिश्रा ने सभी इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसरों (ईआरओ) को निर्देश दिया है कि वे इस मामले में दोबारा क्षेत्र स्तर पर जांच कर आवश्यक कदम उठाएं। एसआईआर शुरू होने से पहले लगभग 10 लाख मतदाताओं के नाम हटना चिंता का विषय बन गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय से बताया गया है कि बीएलओ द्वारा सही ढंग से सर्वेक्षण नहीं करने के कारण कई नाम सूची से हटा दिए गए हैं। 2 अप्रैल के बाद करीब 2 लाख फॉर्म-7 के आवेदन भी प्राप्त हुए हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी योग्य मतदाता का नाम न कटे, मृत व्यक्तियों के परिजनों की सहमति फॉर्म-7 में ली जाए। जिन मतदाताओं के नाम एक से अधिक स्थानों पर हैं, उन्हें नोटिस देकर ही नाम हटाया जाए। साथ ही, फॉर्म-7 देने वाले कम से कम 50 प्रतिशत आवेदकों से उनके अंतिम पते पर संपर्क कर जांच की जाए। सीईओ आर।एस। गोपालन ने कहा कि हर साल लगभग 7 से 9 लाख नाम मतदाता सूची से हटते हैं, लेकिन इस बार संख्या थोड़ी अधिक है। इसका मुख्य कारण यह है कि बीएलओ ने घर-घर जाकर सर्वे और मैपिंग की है, जिससे मृत और डुप्लिकेट नाम अधिक हटे हैं। हालांकि शिकायतों को देखते हुए फॉर्म-7 आवेदनों की गहन जांच के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी को शिकायत है तो वह तुरंत बीएलओ के पास जाकर फॉर्म-6 जमा करे, जिससे उसका नाम फिर से सूची में जोड़ा जा सके।

1 अप्रैल से एसआईआर शुरू होना था, जिसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। आगे एसआईआर होने पर किसी विशेष समस्या की आशंका नहीं है। उन्होंने दावा किया कि अन्य राज्यों की तुलना में ओडिशा में मतदाता सूची प्रबंधन बेहतर है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 22 अप्रैल, 2026 3

युविचार

जरुरी नहीं जो शायरी करता है उसे इश्क है, जिंदगी भी जख्म बेमिशाल देती है!

एमपीटीसी, जेडपीटीसी चुनावों के लिए तैयार रहें : मंत्री राजानरसिम्हा

महिला बिल पर भाजपा की साजिशों को जनता तक पहुंचाएं : निर्मला जग्गारेड्डी

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी शहर के एक निजी होटल में मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक आयोजित की गई। डीसीसी अध्यक्ष एवं टीजीआईआईसी चेयरपर्सन निर्मला जग्गारेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजानरसिम्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक में जहीराबाद सांसद सुरेश शेतकर, मेदक संसदीय उम्मीदवार नीलम मधु और पठानचेरु विधानसभा प्रभारी काटा श्रीनिवास गौड़ भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मंत्री दामोदर राजनरसिंह ने कहा कि सरकार और पार्टी के समन्वय से ही सफलता संभव है। उन्होंने बताया कि सरपंच चुनावों में कांग्रेस ने बहुमत सीटें जीती हैं और नगर निकाय चुनावों में भी पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके बावजूद जिले में नेताओं के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पार्टी कार्यकर्ताओं की है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को उचित महत्व देने पर जोर देते हुए आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए अभी से तैयारी करने का आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि नेताओं के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन गुटबाजी से पार्टी को नुकसान होता है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस सरकार ने 70 हजार सरकारी नौकरियां दी हैं, जिनमें से करीब 20 हजार नियुक्तियां स्वास्थ्य विभाग में हुई हैं।

इसके अलावा किसानों को 'रैतु बंधु' योजना के तहत 1.20 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 'इंदिरम्मा हाउसिंग' योजना को गांव-गांव में सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है। लगभग 46 लाख महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण किए गए हैं और राज्य में डिजिटल हेल्थ कार्ड लागू करने की दिशा में प्रयास जारी हैं। जहीराबाद और नारायणखेड़ अस्पतालों में 50 अतिरिक्त बेड स्वीकृत किए जाएंगे तथा संगारेड्डी मेडिकल कॉलेज में भविष्य में पीजी सेंटर स्थापित किया जाएगा। सिंगूर परियोजना को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए 200 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण कांग्रेस सरकार की प्राथमिकताएं हैं और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार आगे बढ़ रही है। महिला बिल के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस इसका विरोध नहीं करती, लेकिन अलग से विधेयक लाए जाने पर पार्टी पूर्ण समर्थन देगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे आगामी चुनावों में एकजुट होकर पार्टी को दोबारा सत्ता में लाने के लिए प्रयास करें। इस दौरान निर्मला जग्गारेड्डी ने कहा कि सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने और स्थानीय निकाय चुनावों में जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बनानी होगी। उन्होंने एमपीटीसी और जेडपीटीसी चुनावों के लिए अभी से तैयारी करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि मंडल स्तर पर लंबे समय से कार्य कर रहे नेताओं को जिला स्तर पर जिम्मेदारियां देकर नए कार्यकर्ताओं को मौका देना चाहिए। साथ ही उम्मीदवार चयन में आंतरिक प्रतिस्पर्धा से पार्टी को नुकसान न हो, इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने संसद में हाल के घटनाक्रम और महिला बिल के मुद्दे पर भाजपा की कथित साजिशों को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। जहीराबाद सांसद सुरेश शेतकर ने कहा कि हाल के सरपंच चुनावों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने 70 प्रतिशत सीटों पर जीत हासिल की है। उन्होंने नेताओं से समन्वय के साथ काम करने और आगामी चुनावों में कांग्रेस का झंडा बुलंद करने का आह्वान किया।

यूके-भारत सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर

नवाचार और विनिर्माण क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यूके इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूकेआईबीसी) और टी-वर्क्स फाउंडेशन ने नवाचार, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भारत और ब्रिटेन के बीच सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता तेलंगाना में ब्रिटिश उप उच्चायुक्त गैरेथ विन ओवेन की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस साझेदारी के तहत यूकेआईबीसी की नीतिगत वकालत, बाजार में प्रवेश और द्विपक्षीय व्यापार सुगमता की विशेषज्ञता को टी-वर्क्स की उन्नत प्रोटोटाइपिंग सुविधाओं और विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के साथ जोड़ा जाएगा।

इस सहयोग का उद्देश्य भारत के तेजी से विकसित हो रहे विनिर्माण क्षेत्र में यूके की कंपनियों के लिए उत्पादों की अवधारणा, परीक्षण और उत्पादन को आसान बनाना है।

कांग्रेस 'आधुनिक धनानंद वंश', महिला आरक्षण रोककर नारी शक्ति को दबाया : संबित पात्रा

नलगोंडा, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए उसे 21वीं सदी का धनानंद वंश करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दशकों तक महिला आरक्षण को अटकाकर नारी शक्ति के उत्थान में बाधा डाली। नलगोंडा में आयोजित 'महिला जन आक्रोश सभा' में मुख्य अतिथि के रूप में सबोधित करते हुए पात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाया गया 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को विधायिकाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला ऐतिहासिक कदम है, लेकिन कांग्रेस, डीएमके और टीएमसी जैसी पार्टियों ने इसका विरोध कर महिलाओं के साथ अन्याय किया है। उन्होंने विपक्ष द्वारा महिला आरक्षण से दक्षिण भारत को नुकसान होने के दावों को खारिज करते हुए कहा कि परिसीमन (डिलिमिटेशन) के बाद लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ेगी और किसी भी राज्य का प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत की सीटें 129 से बढ़कर 195 हो जाएंगी, जिससे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व और मजबूत होगा।

प्रियंका वाड्रा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पात्रा ने कहा कि अगर चाणक्य आज होते तो हैरान नहीं, बल्कि धनानंद खुश होता कि उसकी तरह का वंश आज भी कांग्रेस के रूप में मौजूद है। उन्होंने कांग्रेस को भ्रष्टाचार में लिप्त बताते हुए कहा कि जब-जब धनानंद पैदा होंगे, तब-तब चाणक्य भी सामने आएंगे। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि चुनावी गारंटियां केवल कागजों तक सीमित रह गई हैं। महालक्ष्मी योजना, विवाह सहायता, छात्राओं को स्कूटी और पेंशन वृद्धि जैसे वादे पूरे नहीं किए गए, जिससे महिलाओं को ठगा गया है। पात्रा ने कालेश्वरम परियोजना में कथित अनियमितताओं का भी जिक्र करते हुए राज्य सरकार से जवाब मांगा और सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार केवल दिखावे की कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की महिला विरोधी नीतियों का जवाब तेलंगाना की जनता जल्द देगी। इस सभा में भाजपा नलगोंडा जिला अध्यक्ष नागम वर्शित रेड्डी, राज्य प्रवक्ता राहुल सरिदेना, नेता कंकणाला निवेदिता, विजयलक्ष्मी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कासम्मा समेत कई नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आरटीसी कर्मचारियों की मांगों पर सरकार सकारात्मक : मंत्री पोन्नम

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा है कि आरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल के मुद्दे को सुलझाने और यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इस दिशा में सरकार सकारात्मक रुख अपना रही है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों की मांगों पर निर्णय लेने में कुछ समय लग सकता है, लेकिन सरकार इस मामले को गंभीरता से देख रही है। सभी मुद्दों की समीक्षा के लिए चार अधिकारियों की एक समिति गठित की गई है। मंत्री ने कहा कि आरटीसी कर्मचारी अपने सभी मुद्दे समिति के समक्ष रखें। समिति की रिपोर्ट आने के बाद उप-मुख्यमंत्री और वह स्वयं अधिकारियों के साथ बैठकर समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रतिदिन लगभग 65 लाख यात्री बसों से सफर करते हैं, जिनमें बड़ी संख्या ग्रामीण और गरीब वर्ग के लोगों की है। उनके लिए बस सेवा जीवनरेखा के समान है। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि कर्मचारियों और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सरकार आरटीसी संस्था के संरक्षण, कर्मचारियों के कल्याण और यात्रियों की सुविधा तीनों पहलुओं का ध्यान रखेगी।

उन्होंने कर्मचारियों से अपील की कि वे बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी समस्याएं समिति के सामने रखें। सरकार सभी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

महिला आरक्षण वर्तमान 543 लोकसभा सीटों पर ही लागू करें : महिला कांग्रेस

पोस्टकार्ड हस्ताक्षर अभियान चलाया गया

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश महिला कांग्रेस के नेतृत्व में महिला आरक्षण विधेयक को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर मंगलवार को गांधी भवन में महिला आरक्षण बिल आज करो, अभी करो नारे के साथ पोस्टकार्ड हस्ताक्षर अभियान चलाया गया और इसे पीएमओ कार्यालय को भेजा गया। इस अवसर पर तेलंगाना राज्य महिला कांग्रेस अध्यक्ष एर्राबेल्ली स्वर्णा ने कहा कि संसद द्वारा सितंबर 2023 में सर्वसम्मति से पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को केंद्र सरकार तत्काल लागू करे। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर नई जनगणना और परिसीमन (डीलिमिटेशन) के बहाने देरी न करते हुए 2023 के कानून को वर्तमान 543 लोकसभा सीटों पर ही लागू किया जाए और 2029 के आम चुनाव से ही 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ना दक्षिण भारत, पूर्वोत्तर और छोटे राज्यों के प्रतिनिधित्व को कम करने की साजिश है। बिना जातिगत जनगणना के चुनावी नक्शे में बदलाव का प्रयास संघीय ढांचे और संविधान की भावना के खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि 2023 के महिला आरक्षण कानून को वर्तमान सीटों के अनुसार लागू करने के लिए केंद्र सरकार जो भी संशोधन लाएगी, उसे इंडिया गठबंधन पूर्ण समर्थन देगा। उन्होंने मांग की कि 33 प्रतिशत आरक्षण में एससी, एसटी महिलाओं के साथ-साथ ओबीसी महिलाओं के लिए भी उप-कोटा (सब-कोटा) दिया जाए, क्योंकि सामाजिक न्याय के बिना आरक्षण अधूरा है। एर्राबेल्ली स्वर्ण ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार की नीयत साफ नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सिर्फ घोषणाएं कर महिलाओं को गुमराह कर रही है और पारित कानून को लागू करने में टालमटोल कर रही है। उन्होंने कहा कि 2023 के कानून के लिए महिलाओं को और 5 से 10 वर्ष इंतजार करने की जरूरत नहीं है। देश की महिलाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप वर्तमान 543 सीटों में से 181 सीटें महिलाओं को आवंटित कर 2029 के चुनाव कराए जाएं।

तेलंगाना आरटीसी बंद

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य परिवहन निगम (टीजीआरटीसी) के कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर मंगलवार को आधी रात से हड़ताल पर। हलांकि सरकार से कर्मचारी संगठनों की बातचीत की। मामला सुलझा तो ठीक है नहीं तो सरकारी बसों के चक्के बुधवार सुबह जाम हो जाएंगे।

तेलंगाना आरटीसी बंद आधी रात से :

तेलंगाना में आरटीसी कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से पूरे राज्य में ट्रांसपोर्ट सिस्टम ठप होने का खतरा है। सरकार और टीजीआरटीसी जॉइंट एक्शन कमेटी के बीच बातचीत फेल होने के बाद, ट्रेड यूनियनों ने हड़ताल का फैसला किया है। मंगलवार आधी रात के बाद, यानी बुधवार सुबह पहली शिफ्ट से ही पूरे राज्य में बसें डिपो तक ही सीमित रहेंगी। जेएसी की कुल 32 मांगों को लागू करने की अपील के साथ करीब 50 हजार कर्मचारी काम से दूर रहने वाले हैं। इस हड़ताल में कर्मचारियों की मुख्य मांग टीजीआरटीसी का सरकार में पूरी तरह मर्जर है। वे इस बात पर जोर दे रहे हैं कि संगठन को सरकारी डिपार्टमेंट के तौर पर मान्यता दी जाए और उन्हें सरकारी कर्मचारी माना जाए। इसके साथ ही, वे मांग कर रहे हैं कि 2021 से पेंडिंग वेज रिवीजन को 30 परसेंट फिटमेंट के साथ लागू किया जाए। हड़ताल टालने के लिए परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर की बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला है। हालांकि सरकार ने हड़ताल को सुलझाने के लिए जीओ नंबर 66 के जरिए एक हाई-लेवल कमेटी बनाई है, लेकिन जेएसी नेताओं ने इसे मना कर दिया है। वे इस बात से नाराज हैं कि कमेटियों के नाम पर टालमटोल के अलावा उनकी समस्याओं का कोई तुरंत समाधान नहीं है। हड़ताल की वजह से, राज्य भर में करीब 6,000 बसों के सड़कों पर न चलने की संभावना है। हैदराबाद में सिटी बसों के साथ-साथ, जिलों में जाने वाली पल्ले वेलुगु और एक्सप्रेस सर्विस भी बंद रहेंगी। इस हड़ताल की वजह से रोज़ाना बसों में सफ़र करने वाले करीब 60 लाख आम लोगों, स्टूडेंट्स और कर्मचारियों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। खासकर जब एयरपोर्ट पुष्पक सर्विस भी बंद रहेंगी, तो हवाई यात्रियों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हड़ताल को देखते हुए, सरकार ने लोगों को परेशानी से बचाने के लिए दूसरे कदम उठाए हैं।

जिला कलेक्टरों को पैसेंजर के लिए कुछ समय के लिए प्राइवेट गाड़ियों और स्कूल बसों का इस्तेमाल करने का ऑर्डर दिया है। अगर ज़रूरी हुआ, तो वह कुछ समय के लिए ड्राइवर और कंडक्टर रखने और कुछ बसें चलाने की तैयारी कर रही है। हालांकि, क्योंकि ट्रेड यूनियन डिपो पर विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रही हैं, इसलिए ऐसा लग रहा है कि बुधवार सुबह से तनाव होगा।

मीरचौक डबल मर्डर केस में आरोपी 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मीरचौक थाना क्षेत्र में हुए दोहरे हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई डीसीपी (शमशाबाद, चारमीनार जोन प्रभारी) बी. राजेश के निर्देश पर की गई। पुलिस के अनुसार, 20 अप्रैल की शाम करीब 6 बजे सुल्तानपुरा स्थित घर में आरोपी आदिल खान ने अपने छोटे भाई अकील खान और उसकी पत्नी अजमीरा बेगम पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में दोनों को गर्दन और सीने पर गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। जांच के दौरान 21 अप्रैल को दोपहर 2 बजे पुलिस ने आरोपी आदिल खान को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से खून से सने कपड़े, एक मोबाइल फोन बरामद किया गया, जबकि वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू घटनास्थल से ही मिला। मृतकों की पहचान अकील खान (30), पेशा ड्राइवर, और उनकी पत्नी अजमीरा बेगम (26), गृहिणी, निवासी चादरघाट, हैदराबाद के रूप में हुई है। दोनों पति-पत्नी थे। प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह पारिवारिक विवाद सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी को इस बात से जलन थी कि दंपति के बच्चे हैं जबकि वह निःसंतान है। इसके अलावा गोद लेने के मुद्दे और पैसों के लेन-देन को लेकर भी विवाद था। इस मामले में एसीपी मीरचौक जी. श्याम सुंदर के पर्यवेक्षण में एसएचओ मीरचौक और उनकी टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

चोरी के मामलों का आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जगदगिरिगुट्टा पुलिस ने कई चोरी के मामलों में शामिल एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया है। विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने मोहम्मद समीर खान (24), निवासी कोवकुर, सिकंदराबाद को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह शराब और गांजा की लत के चलते और ऐशो-आराम की जिंदगी के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। उसने जगदगिरिगुट्टा समेत अन्य क्षेत्रों में भी चोरी करने की बात कबूल की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी रात के समय पार्क किए गए वाहनों और बंद घरों को निशाना बनाता था। वह ताले तोड़कर या खुले घरों में घुसकर बाइक और मोबाइल फोन चुरा लेता था। आरोपी ने अल्विन कॉलोनी से एक केटीएम बाइक और मोबाइल फोन तथा शुभोदय कॉलोनी से एक टीवीएस जूपिटर स्कूटी चोरी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक सैमसंग मोबाइल फोन, एक ओप्पो मोबाइल फोन, एक टीवीएस जूपिटर स्कूटी और एक केटीएम 200 बाइक बरामद की है। दोनों बाइक आरोपी के घर से जब्त की गईं। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पहले माधापुर, सनतनगर, कुकटपल्ली, एसआर नगर, बेगमपेट और अल्लापुर क्षेत्रों में कई चोरी के मामलों में शामिल रह चुका है और जेल की सजा भी काट चुका है। डिटेक्टिव इंस्पेक्टर नरेंद्र रेड्डी ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे रिमांड पर भेज दिया गया।

रेवंत रेड्डी की टिप्पणी पर कांग्रेस में नाराजगी

वरिष्ठ नेताओं ने बताया बयान अनावश्यक

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा पूर्व मंत्री टी. जीवन रेड्डी पर की गई तीखी टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पार्टी के भीतर असंतोष उभर कर सामने आया है। कई वरिष्ठ नेताओं ने इन बयानों को अनावश्यक बताते हुए आपत्ति जताई है। गौरतलब है कि जीवन रेड्डी ने हाल ही में कांग्रेस छोड़कर सोमवार को पार्टी प्रमुख के. चंद्रशेखर राव की मौजूदगी में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का दामन थाम लिया था। उनके इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उन पर व्यक्तिगत लाभ के लिए पार्टी बदलने का आरोप लगाया था। साथ ही उन्होंने कहा था कि कांग्रेस द्वारा अवसर दिए जाने के बावजूद जीवन रेड्डी चुनाव जीतने में असफल रहे। हालांकि, कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने इस टिप्पणी के लहजे पर नाराजगी जताई है। टीपीसीसी महासचिव कट्टी वेंकट स्वामी ने कहा कि जीवन रेड्डी ने चार दशकों तक पार्टी की सेवा की है और वे सम्मान के पात्र हैं। उन्होंने नेताओं से अपील की कि वे कठोर बयानबाजी से बचें और जीवन रेड्डी को भी पार्टी के खिलाफ टिप्पणी न करने की सलाह दी।

स्वामी ने यह भी कहा कि गुलाम नबी आजाद और ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे कई वरिष्ठ नेता पहले भी कांग्रेस छोड़ चुके हैं, लेकिन उनके खिलाफ इस तरह की टिप्पणियां नहीं की गईं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पार्टी के शीर्ष नेताओं ने ऐसे बयान दिए थे। कुछ नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि हाल के दिनों में अन्य दलों से आए नेताओं के बढ़ते प्रभाव के कारण पुराने और वफादार कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। गांधी भवन के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, जीवन रेड्डी का पार्टी छोड़ना बीआरएस विधायक डॉ. संजय को कांग्रेस में शामिल किए जाने से उनकी नाराजगी से जुड़ा था।

उनका मानना है कि राज्य नेतृत्व को उनकी चिंताओं को समझना चाहिए था, न कि उनकी आलोचना करनी चाहिए थी। अन्य नेताओं ने रेवंत रेड्डी और जीवन रेड्डी के बीच पुराने मतभेदों की ओर भी इशारा किया। उनका कहना है कि जीवन रेड्डी ने कभी पद की मांग नहीं की और वर्ष 2021 में टीपीसीसी अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम का भी विरोध किया गया था।

पैसे न देने पर दो लोगों पर चाकू से हमला, इलाके में तनाव

आरोपी फरार, पुलिस कर रही तलाश

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली इलाके में सोमवार रात उस समय तनाव फैल गया जब एक कुख्यात अपराधी ने कथित तौर पर दो लोगों पर हमला कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी उल्ला खान ने नशे की हालत में हंगामा किया और मोहम्मद फरीस व मोहम्मद इस्माइल नामक दो व्यक्तियों को धमकाते हुए पैसे की मांग की। जब दोनों ने पैसे देने से इनकार किया तो उसने चाकू से हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को तत्काल उस्मानिया जनरल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तलाश जारी है।

'दिव्य भारत' रिपोर्ट में तेलंगाना की चमक, मंत्री जूपल्ली ने बताया गर्व का क्षण

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नीति आयोग द्वारा जारी 'दिव्य भारत' पर्यटन रिपोर्ट में तेलंगाना को मिली पहचान को पर्यटन, संस्कृति एवं आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने गर्व का विषय बताया है। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट राज्य की विविध पर्यटन क्षमताओं को उजागर करती है। मंत्री ने कहा कि हुसैन सागर, गोलकोंडा किला और भुवनगिरी किला जैसे ऐतिहासिक स्थल, साथ ही यादाद्री मंदिर और भद्राचलम मंदिर जैसे धार्मिक केंद्र पर्यटकों को लगातार आकर्षित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुंतला जलप्रपात और बोगथा जलप्रपात जैसे प्राकृतिक स्थल, सम्मक्का-सरलम्मा जातरा जैसे जीवंत उत्सव और पोच्चमपल्ली इकत जैसे पारंपरिक हस्तशिल्प तेलंगाना की पर्यटन पहचान को और मजबूत करते हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, NEELAM KUMARI , Wife of Mr Shamsher Singh resident of Vill-Pallanwala, Post-Pallanwala, Teh-Akhnoor, Dist-Jammu, State-J&K, Pin Code-174035, have changed my name from NEELAM KUMARI to NEELAM DEVI vide affidavit dated . 18-04-2026, before 1st Class Magistrate, High Court of Telagana State, Hyderabad.

I A SRIKRUSHNAMMA Mother of NO:JC710730L Rank NB SUB Name: A.SIVASANKARA REDDY R/o:H.No:0-1,BC Colony,Karimaddula,Gadivemula,Dist:Kurnool, State:AP-518513 Changed my name From A.SRIKRUSNAMMA to ANNEM SRIKRISHNAMMA proposed new name vide Affidavit dated 20/04/2026, before mohd muzibulla baig advocate high court of TS Toli chouki Hyd,

I GANGABAI E Mother of No:154478 57Y Rank Naik Name: NAGABOOSHANAM E R/o H.No:3/316,Perumal koil Street,Panapakkam kalani,Tiruttani taluk,Tiruvallur, State: Tamil Nadu -631204 Changed my name From GANGABAI E to GANGABAI M Proposed new name vide Affidavit dated 20/04/2026, before Mohd muzibulla baig advocate high court of TS Toli chouki Hyd,

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भाजपा की जनाक्रोश रैली, योगी महिलाओं के साथ पैदल चले

प्रदेश अध्यक्ष बोले-नकाब वालों के चक्कर में सपा ने 80% महिलाओं का नुकसान कराया

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास न होने पर लखनऊ में भाजपा ने मंगलवार को जन आक्रोश महिला पदयात्रा निकाली। सीएम योगी खुद इस पदयात्रा में महिलाओं के साथ पैदल चले। उनके साथ करीब 15 हजार महिलाएं चलीं। योगी के अलावा दोनों डिप्टी सीएम, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत पार्टी के सीनियर लीडर भी कड़ी धूप में पैदल चले।

पदयात्रा सीएम आवास से शुरू होकर विधानसभा तक करीब 2 किमी तक गई। यहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा- नकाब वालों के चक्कर में सपा-कांग्रेस ने 80% महिलाओं का नुकसान किया। महिलाओं के मन में जबरदस्त गुस्सा है। वहीं, सीएम योगी ने कहा- सपा हो या कांग्रेस, इनके कृत्य महिला विरोधी रहे हैं। आज महिलाओं में इनके प्रति कितना गुस्सा है। इसका अंदाजा भीषण गर्मी में इस भीड़ को देखकर लगाया जा सकता है। देश के अंदर केवल 4 जातियां हैं। पहली जाति महिला है। दूसरी गरीब की, तीसरी युवा और चौथी किसान की। उन्होंने कहा- कांग्रेस, सपा और उनके सहयोगी दलों से जुड़ी महिलाएं भी इस रैली में आई हैं। आज की रैली यहीं समाप्त नहीं होती है। यह आंदोलन बूथ, मंडल, ब्लॉक और जिले स्तर तक जारी रखना है।

गर्मी को देखते हुए पदयात्रा में जगह-जगह प्याऊ, एंबुलेंस की व्यवस्था की गई थी। रैली में शामिल महिलाओं ने राहुल गांधी मुर्दाबाद, नारी के सम्मान में भाजपा मैदान में जैसे नारे लगाए। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने संबोधन में कहा-सपा और कांग्रेस की स्थिति मेंढक की तरह है। इन्हें चाहे चांदी के चबूतरे में बैठा लो या सोने के। ये उछलेंगे तो नाले में ही कूंदेंगे। महिलाओं को आरक्षण जाति देखकर नहीं दिया जा सकता।

पदयात्रा में सीएम योगी, दोनों डिप्टी सीएम के अलावा कैबिनेट की महिला मंत्री भी हैं। इसके अलावा, गठबंधन की पार्टियां भी शामिल हुई हैं। इनमें ओपी राजभर, आशीष पटेल भी हैं। राजनीति के जानकार इसे भाजपा के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देख रहे हैं। भाजपा संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा- नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोकसभा में पारित न होने पर यह पदयात्रा निकाली गई। उन्होंने बताया कि महिलाओं को राजनीतिक रूप से मजबूत बनाने के लिए पीएम मोदी का महत्वपूर्ण कदम था। सभी दलों से सहयोग मांगने के बावजूद अधिनियम गिर गया।

बीजेपी जिला पंचायत सदस्य अनामिका सिंह के पति भूपेंद्र सिंह पर फायरिंग

गोंडा, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा में सोमवार रात बीजेपी की जिला पंचायत सदस्य अनामिका सिंह के पति भूपेंद्र सिंह को बदमाश गोली मारकर फरार हो गए। उनको गंभीर हालत में लखनऊ के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज चल रहा है। अब उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। भूपेंद्र सिंह पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह के करीबी माने जाते हैं। इस घटना से पूरे इलाके में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है।

यह घटना परसपुर थाना क्षेत्र के डेहरास गजराजपुरवा गांव की है। भूपेंद्र सिंह रात 10 बजे स्कॉर्पियो से किसी शादी समारोह में जा रहे थे। रास्ते में बाइक सवार दो बदमाशों ने उन पर फायरिंग कर दी। गोली लगने के बाद उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। शोर सुनकर आसपास रहने वाले लोग घरों से बाहर निकले और उन्हें मेडिकल कॉलेज ले गए। हालत गंभीर देखकर डॉक्टरों ने लखनऊ के अस्पताल में रिफर कर दिया।

जेडीयू विधायक दल के नेता बने श्रवण कुमार

पूर्व सीएम नीतीश कुमार ने दी मंजूरी, 3 दिन पहले दी गई थी वाय+सिक्योरिटी

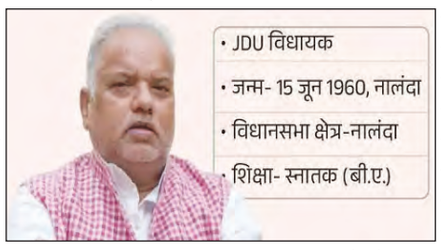

पटना, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। नालंदा एमएलए श्रवण कुमार जदयू विधायक दल के नेता चुने गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मंजूरी के बाद उनके नाम को विधानसभा भेजा गया। इसके बाद विधानसभा की ओर से नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। दरअसल, नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद विधायक दल के नेता का पद खाली था। इसको लेकर रविवार को सीएम हाउस में जदयू नेताओं की बैठक हुई थी। बताया जा रहा है कि श्रवण कुमार को जदयू विधायकों ने पहले ही नेता चुन लिया था।

इसके बाद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने भी इस फैसले पर मुहर लगा दी। बता दें 3 दिन पहले बिहार सरकार ने पूर्व मंत्री श्रवण कुमार की सुरक्षा को बढ़ाते हुए उन्हें Y+ श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। इस बीच नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार जेडीयू कार्यालय पहुंचे हैं। कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रहे हैं। श्रवण कुमार को विधायक दल का नेता चुने जाने पर निशांत ने कहा- 'अच्छा है उन्हें मैं बधाई देता हूं।'

जेडीयू ने 2030 में 200 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा

सीएम हाउस में रविवार को जदयू विधायकों की बैठक हुई। यह बैठक पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई, जिसमें 2030 तक 200 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया। 90 मिनट चली बैठक में नीतीश कुमार ने कहा, "मैं पूरे बिहार का दौरा करूंगा। आप लोग चिंता मत कीजिए, सब अच्छा होगा। मैं जैसे पहले काम करता था, वैसे ही काम करता रहूंगा।" हालांकि निशांत कुमार को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। बैठक के बाद अनंत सिंह ने बताया, "मीटिंग में नीतीश कुमार ने विधायकों से अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहकर काम करने को कहा है। उन्होंने अगली बार 200 सीटें जीतने का लक्ष्य रखकर मेहनत करने को कहा है।"

जेडीयू विधायक दल के मीटिंग में 3 प्रस्ताव

श्रवण कुमार ने कहा, "मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बैठक में चर्चा हुई है। हम लोगों से कहा गया है कि पिछली बार की तुलना में इस बार पार्टी से अधिक संख्या में मंत्री बनाए जाएंगे। बैठक में तीन प्रस्ताव लाए गए।"

पहला प्रस्ताव-पार्टी से दो डिप्टी सीएम बनाए जाने पर उनका स्वागत किया गया। सभी विधायकों ने डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी और विजेंद्र यादव का स्वागत किया।

दर्जनभर डकैतों ने ज्वेलरी व्यवसायी के घर डाली डकैती

बम चलाकर फैलाया दहशत, 2 घंटे देर से पहुंची पुलिस

वैशाली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के वैशाली जिले के महनार थाना क्षेत्र के थानपुर गांव में बीती रात एक ज्वेलरी व्यवसायी के घर भीषण डकैती की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, करीब 25–30 की संख्या में हथियारबंद डकैतों ने घर में घुसकर लूटपाट की और दहशत फैलाने के लिए एक दर्जन से अधिक बम फेंके। इस घटना से पूरे इलाके में भय का माहौल बन गया है।

बताया गया कि डकैतों ने सबसे पहले घर के मुख्य गेट को कटर से काटा और जबरन अंदर प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने 10 से अधिक बम फेंककर पूरे गांव में दहशत फैला दी। बमों की तेज आवाज से आसपास के लोग सहम गए और कोई भी घर से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा सका। डकैती के दौरान घर में मौजूद लोगों के साथ मारपीट भी की गई, जिसमें रंजीत साह और सुरेश साह घायल हो गए। दोनों घायलों का स्थानीय अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। डकैत ज्वेलरी शॉप के कीमती सामान और नकदी लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरा गांव दहशत में डूबा हुआ है।

पुलिस पर लापरवाही का आरोप, दो घंटे बाद पहुंची टीम

पीड़ित परिवार और ग्रामीणों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पुलिस और 112 नंबर पर कॉल करने के बावजूद पुलिस टीम करीब दो घंटे बाद मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के अनुसार, महनार में इस तरह की बड़ी डकैती कई वर्षों बाद हुई है, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल है।

गश्ती और खुफिया तंत्र पर उठे सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में डकैतों का गांव में प्रवेश करना, बम धमाके करना और घंटों तक लूटपाट करना पुलिस की गश्ती व्यवस्था और खुफिया तंत्र की विफलता को दर्शाता है।

पुलिस जांच में जुटी, छापेमारी जारी

सूचना मिलने के करीब दो घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की बात कही है। इस घटना ने एक बार फिर इलाके में पुराने समय की डकैतियों की याद ताजा कर दी है, जब बम और गोलियों का इस्तेमाल आम बात हुआ करता था।

भाजपा की पदयात्रा पर अखिलेश ने ली चुटकी

सीमा राजभर बनीं सपा महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को सपा मुख्यालय में कई कई नेताओं ने समाजवादी पार्टी का दामन थामा। इसमें बसपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एमएच खान, श्यामलाल निषाद, विजय कुमार लाल, अखिलेश पाठक, इशरत अली खान, नीलू सत्यार्थी शामिल रहे। सपा मुखिया अखिलेश यादव की मौजूदगी में ये पार्टी में शामिल हुए। इस मौके पर सीमा राजभर समाजवादी महिला सभा की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित की गईं। वे बलिया की रहने वाली हैं।

इस मौके पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा। सुबह हुई भाजपा की पदयात्रा पर चुटकी ली। कहा कि इतनी धूप में बिना चश्मा लगाए पद यात्रा की गई। पहली पर कोई सरकार अपने ही बिल पर इतनी मेहनत कर रही है। अब जब भाजपा जाएगी तो फिर कभी नहीं आएगी।

चायवाले की दुकान बंद करा दी गई

उन्होंने कहा कि हमें एक चायवाले लड़के ने चाय क्या बनाकर पिला दी, उसकी दुकान ही बंद करा दी गई। ये लोग किसी को रोजगार तो दे नहीं पा रहे, कम से कम कोई था जो कह रहा था कि हमसे अच्छी चाय कोई नहीं बना पाता। शायद, यही बात उन्हें बुरी लग गई। सपा मुखिया ने कहा कि महिला आरक्षण बिल पहले ही पास हो चुका है। इस बार इनकी बदनीयती नहीं पास हुई। ये दरारवादी लोग हैं। इनके संघी साथी जो छिपे हुए रहते हैं, उनके मंसूबे काम नहीं किए। आज आरक्षण से पहले संरक्षण की जरूरत है।

जो महिला आरक्षण बिल पास हुआ वो क्या था?

उन्होंने सीएम योगी के स्टेटमेंट 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' पर भी चुटकी ली। कहा कि ये शायद वनस्पति का असर है। कहा कि भाजपा बार बार झूठ का पाठ पढ़ाती है। सदन बुलाया गया है। सदन में सरकार ये बताए कि जो महिला आरक्षण बिल पास हुआ वो क्या था?

लंबे बाल और दाढ़ी तक पर भारी जुर्माना

लखनऊ के इस संस्थान में लेंसकार्ट विवाद जैसा मामला, अजब फरमान

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। चश्मा बनाने वाली मशहूर कंपनी लेंसकार्ट आजकल विवादों में है। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर कंपनी की पुरानी इंटरनल ग्रूमिंग पॉलिसी वायरल हो गई। इस पॉलिसी में बिंदी, तिलक और कलावा जैसे हिंदू धार्मिक प्रतीकों पर रोक का दावा किया गया था, जबकि हिजाब की अनुमति थी। इसके बाद लेंसकार्ट का विरोध शुरू हो गया। अब यूपी की राजधानी लखनऊ से भी ऐसा एक मामला सामने आया है। यहां लोहिया संस्थान में आउटसोर्स कर्मचारियों को एजेंसी की तरफ से अजब-गजब फरमान जारी किए गए हैं।

आदेश में कहा गया है कि बालों में जुड़ा या हेयरनेट ना पहनने पर महिला कर्मचारियों से 200 रुपये जुर्माना वसूला जाएगा। इसी तरह, पुरुषों को दाढ़ी या लंबे बाल रखने पर इतना ही जुर्माना भरना होगा। इस आदेश से कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त हो गया है।

आईकार्ड ना पहनने पर 100 रुपये जुर्माना

एजेंसी के कैंप मैनेजर की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि ड्यूटी पर रहते हुए आईकार्ड ना पहनने या नेमप्लेट ना लगाने पर 100 रुपये जुर्माना वसूला जाएगा। वर्दी ना पहनने पर 200 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना लगेगा। ड्यूटी के दौरान सोने, सिगरेट पीने और शराब का सेवन करने वालों को 500 रुपये जुर्माना भरना होगा।

'गिड़गिड़ाते रहे बच्चे, पैरों में गिर गए थे'

फिर भी न पसीजे 'कातिल'; बच्चों के सामने मां-बाप का कत्ल

मुरादाबाद, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मुरादाबाद शहर के चक्कर की मिलक में रामगंगा किनारे बने मकान में सोमवार की रात आठ बजे हुई वारदात ने सभी के रोंगटे खड़े कर दिए। मात्र 16 हजार रुपये को लेकर पनपे विवाद में पड़ोसी के बेटे ने अपने साथियों के साथ मिलकर राजा और उसकी पत्नी पर हमला कर दिया। बेटी अफ्शा और बेटा आतिफ गिड़गिड़ाते रहे। हमलावरों के पैरों में गिर गए, लेकिन फिर भी हमलावरों का दिल नहीं पसीजा। राजा और फराह की मौत होने तक चाकू से वार करते रहे। आठ साल की अफ्शा ने पुलिस को बताया कि उन लोगों को भी पीटा।

राजा की बेटी अफ्शा और आतिफ इस घटना से इतने भयभीत हैं कि उनकी सिसकियां अब तक नहीं रुक पा रही हैं। दोनों भाई बहन घटनास्थल पर मौजूद थे। उन्होंने पुलिस, दादा और चाचा समेत परिवार के अन्य लोगों को घटना के एक-एक पल के बारे में बताया। अफ्शा ने बताया कि छोटे भाई अब्बास की कई दिन से तबीयत खराब चल रही थी। सुबह पापा काम पर चले गए थे। शाम को घर आए थे। मां दिन भर अब्बास के पास ही चारपाई पर बैठी रही थी। मम्मी-पापा अब्बास की दवाई लेकर आए थे।

घर में आकर पापा एक चारपाई पर बैठे थे। दूसरी चारपाई पर मां और अब्बास थे। मैं और दूसरा भाई मकान के बाहर मौजूद थे। अभी घर में खाना भी नहीं बना था। इसी दौरान वे लोग हमारे घर में घुस आए। उन्होंने पापा से मारपीट शुरू कर दी थी।

नोएडा हिंसा के पीछे साजिश!

महेश जेठमलानी का दावा-मेट्रो शहरों को अस्थिर करने की योजना, बताया 'टेस्ट केस'

लखनऊ/नोएडा, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में हाल ही में हुई हिंसा ने अब नया मोड़ ले लिया है, जहां यह मामला सिर्फ श्रमिक असंतोष तक सीमित नहीं दिख रहा, बल्कि इसके पीछे एक बड़े और सुनियोजित षड्यंत्र की आशंका जताई जा रही है। जांच से जुड़े तथ्यों, गिरफ्तारियों के आंकड़ों और कानूनी विशेषज्ञों के बयानों ने इस घटना को व्यापक रणनीति का हिस्सा बना दिया है। हालांकि, प्रदेश सरकार की त्वरित और सख्त कार्रवाई से हालात कुछ ही घंटों में नियंत्रण में आ गए, जिससे संभावित बड़े नुकसान को टाल लिया गया।

'टेस्ट केस' के तौर पर देखी जा रही घटना

प्रसिद्ध अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने नोएड हिंसा की इस पूरी घटना को सामान्य मानने से इनकार करते हुए इसे एक सुनियोजित 'टेस्ट केस' बताया है। उनके अनुसार, यह परखा गया कि मेट्रो शहरों में किस तरह संगठित तरीके से हिंसा फैलाई जा सकती है। उन्होंने ' अर्बन रेडिकल नेटवर्क ' का जिक्र करते हुए कहा कि यह घटनाएं शहरी इलाकों में नई रणनीति के संकेत देती हैं, जहां संगठित समूह माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

जांच में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

जांच के दौरान सामने आए आंकड़े इस घटना को और गंभीर बनाते हैं। कुल 66 गिरफ्तारियों में से 45 लोग श्रमिक नहीं पाए गए, जिससे यह संकेत मिलता है कि आंदोलन में बाहरी लोगों की बड़ी भूमिका रही। आगजनी की घटनाओं में चिन्हित 17 आरोपियों में से 11 को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 8 गैर-श्रमिक हैं। इसके अलावा, भड़काने के आरोप में 32 लोगों की पहचान की गई, जिनमें 19 को गिरफ्तार किया गया है। 34 ऐसे लोगों को भी पकड़ा गया, जो श्रमिक नहीं होते हुए भी कथित प्रदर्शन में शामिल होकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे थे।

बाहरी तत्व और सोशल मीडिया की भूमिका

सूत्रों के अनुसार, यह पूरा घटनाक्रम नोएडा जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र को अस्थिर करने की साजिश का हिस्सा हो सकता है। कुछ संगठित नेटवर्क और बाहरी तत्वों की भूमिका की जांच की जा रही है। सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने और लोगों को भड़काने की कोशिशें भी सामने आई हैं, जिससे स्थिति को और गंभीर बनाने का प्रयास किया गया।

सीएम योगी की त्वरित कार्रवाई से हालात काबू में

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशासन ने तुरंत एक्शन लेते हुए हालात को कुछ ही घंटों में नियंत्रित कर लिया। साथ ही श्रमिकों के हित में त्वरित फैसले लिए गए, जिससे मजदूरों और उद्योग दोनों ने सहयोग किया और औद्योगिक गतिविधियां तेजी से सामान्य हो गईं।

डॉक्टर और एमबीबीएस स्टूडेंट की डूबने से मौत

छात्र के पिता ऑटो ड्राइवर; चंदा जुटाकर लाश लेने आ रहे

सिद्धार्थनगर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सिद्धार्थनगर में सोमवार को जूनियर डॉक्टर और एमबीबीएस सेकंड ईयर के छात्र की राप्ती नदी में डूबने से मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज के दोस्तों के साथ राप्ती नदी में दोनों नहाने पहुंचे थे। उन्हें डूबता देख दोस्तों ने मदद के लिए गुहार लगाई, लेकिन जब तक लोग पहुंचे दोनों गहरे पानी में समा चुके थे।

पुलिस ने 3 गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू शुरू किया। करीब 3 घंटे बाद दोनों के शवों को बाहर निकाला गया। मृतक डॉक्टर बस्ती का, जबकि एमबीबीएस छात्र राजस्थान के सवाई माधोपुर का रहने वाला था। रेजिडेंट डॉक्टरों के मुताबिक, छात्र के पिता ऑटो रिक्शा ड्राइवर हैं। उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। परिवारों को सूचना दी गई है। मामला जोगिया उदयपुर थाना क्षेत्र का है।

प्रेमी-प्रेमिका को उम्रकैद : छाती पर बैठ समीर ने घोंटा इमरान का गला, पत्नी ने पकड़े थे पैर-बेटे ने दिलाई सजा

हापुड़, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के हापुड़ स्थित बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में वर्ष 2024 में हुए इमरान हत्याकांड के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। पत्नी और उसके कथित प्रेमी द्वारा पति की हत्या करने के मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय ने दोनों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोनों को 50-50 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

रुखसार ने समीर को कमरे में छिपाया

जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) गौरव नागर ने बताया कि ग्राम छपकौली निवासी आबिद ने बाबूगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि 27 अगस्त 2024 को गांव का ही रहने वाला समीर, इमरान के घर सुबह करीब 10 बजे पहुंचा था। दोपहर करीब दो बजे जब इमरान अपने घर लौटा, तो उसकी पत्नी रुखसार ने समीर को कमरे में छिपा दिया। इमरान को पहले से ही अपनी पत्नी और समीर के बीच अवैध संबंध होने का शक था। जब वह कमरे में गया, तो उसने समीर को देख लिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई।

इमरान की छाती पर बैठकर समीर ने की उसकी हत्या

आरोप है कि समीर ने इमरान की छाती पर बैठकर उसका मुंह दबा दिया, जबकि रुखसार ने उसके पैर पकड़ लिए। इस दौरान दम घुटने से इमरान की मौत हो गई। घटना का चश्मदीद इमरान का पुत्र विहान था, जिसने पूरी वारदात अपनी आंखों से देखी। उसने ही परिजनों को बताया कि उसके पिता की हत्या उसकी मां रुखसार और समीर ने मिलकर की है। इस बयान ने मामले को मजबूत आधार दिया। मामले की सूचना मिलने पर बाबूगढ़ पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

बाइक सवार जीजा-साले को कार ने कुचला, दोनों की मौत

मैनपुरी, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मैनपुरी के थाना बेवर क्षेत्र में मंगलवार सुबह काली नदी के पास बाइक सवारों को कार ने चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार जीजा-साले की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों शादी समारोह में शामिल होकर घर वापस लौट रहे थे। थाना किशनी क्षेत्र के गांव ऊंचा इस्लामाबाद निवासी 28 वर्षीय विपिन कुमार सोमवार को अपने मामा के लड़के की शादी में शामिल होने के लिए जनपद फर्रुखाबाद गए थे। उनके साथ साला 25 वर्षीय राजू कश्यप निवासी प्रेम नगर कुसमरा भी था। मंगलवार सुबह दोनों बाइक से घर वापस लौट रहे थे, तभी थाना बेवर क्षेत्र में काली नदी के पास सुबह करीब चार बजे कार ने बाइक सवारों को चपेट में ले लिया।

जीडीए में करोड़ों की गड़बड़ी उजागर

ऑडिट में राजस्व हानि का खुलासा, पूर्व अफसरों पर कार्रवाई की तैयारी

गाजियाबाद, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण में वित्तीय अनियमितताओं का बड़ा मामला सामने आया है, जिसने प्राधिकरण की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऑडिट में करोड़ों रुपये के राजस्व नुकसान, नियमों की अनदेखी और गलत फैसलों के जरिए निजी पक्षों को लाभ पहुंचाने के संकेत मिले हैं। लोक लेखा समिति (2025-26) की बैठकों से पहले इन मामलों को लेकर प्राधिकरण पर जवाबदेही का दबाव बढ़ गया है और अब पुराने फैसलों की परतें खोली जा रही हैं। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के खिलाफ सामने आई ऑडिट आपत्तियों में भू-उपयोग परिवर्तन शुल्क, आरक्षित दर निर्धारण और इन्फ्रास्ट्रक्चर शुल्क की वसूली जैसे अहम मुद्दे शामिल हैं। जांच में पाया गया कि कई मामलों में नियमों को दरकिनार कर निर्णय लिए गए, जिससे प्राधिकरण को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। एक हाउसिंग सोसायटी के मामले में भू-उपयोग परिवर्तन शुल्क की गणना में गंभीर लापरवाही सामने आई। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद नए सिरे से शुल्क वसूला जाना चाहिए था, लेकिन प्राधिकरण ने पुरानी दरों पर ही ब्याज जोड़कर मामला निपटा दिया। इस निर्णय के चलते सरकार को लगभग 10.91 करोड़ रुपये का सीधा नुकसान हुआ। छह सामूहिक आवासीय भूखंडों की नीलामी में भी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। फ्लोर एरिया अनुपात (एफएआर) के आधार पर आरक्षित मूल्य तय करने के बजाय केवल क्षेत्र दरों को आधार बनाया गया, जिससे बिल्डरों को अनुचित लाभ मिला।

'कोर्ट में करूंगी आरोप लगाने वालों का सामना

कानूनी तौर पर दिया जाएगा जवाब', फेक जाति प्रमाण पत्र विवाद पर सहर शेख

ठाणे, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले से नकली जाति प्रमाण पत्र विवाद पर एआईएमआईएम की पार्षद सहर यूनुस शेख का बयान सामने आया है। मुंब्रा के वार्ड नंबर 30 से एआईएमआईएम पार्षद सहर शेख ने कहा, 'मुझ पर आरोप लगाया जा रहा है कि मैंने नकली दस्तावेज बनवाए और चुनाव लड़ा है। लोगों ने मुझ पर आरोप लगाए हैं।' इसके साथ ही उन्होंने कहा, 'एक इंसान के तौर पर, मैं उन झूठों से हैरान हूं जो फैलाए जा रहे हैं। हमने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जो जरूरी थी। मुझ पर आरोप लगाने वालों का सामना मैं कोर्ट में करूंगी। सभी को कानूनी तौर पर जवाब दिया जाएगा।'

बता दें कि सहर शेख से जुड़े फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले ने मुंब्रा की सियासत में हलचल मचा दी है। एआईएमआईएम की पार्षद सहर शेख के परिवार के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है। ठाणे तहसीलदार कार्यालय ने जांच के बाद सहर शेख के पिता यूनुस शेख के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की सिफारिश की है।

उन पर आरोप है कि एक फर्जी ओबीसी जाति प्रमाण पत्र का इस्तेमाल कर प्रमाण पत्र हासिल किया गया, जिसके आधार पर सहर शेख को चुनाव लड़ने की पात्रता मिली। बताया गया है कि यह जांच नगर निगम चुनाव के बाद विरोधी उम्मीदवार की शिकायत पर शुरू हुई थी। जांच में दस्तावेजों में गड़बड़ी और नियमों के उल्लंघन की आशंका जताई गई, जिसके बाद प्रशासन ने मामले को गंभीर मानते हुए एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की।

कांग्रेस आईटी सेल के 3 वर्कर्स हिरासत में

वसुंधरा राजे का कथित पत्र वायरल किया; सांसद विवेक तन्खा बोले- नहीं छोड़ा तो हाईकोर्ट जाएंगे

भोपाल, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के एक कथित पत्र को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने पर एमपी कांग्रेस आईटी सेल के 3 कार्यकर्ता पुलिस हिरासत में हैं। इसकी जानकारी कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा ने फेसबुक के माध्यम से दी है। विवेक तन्खा ने फेसबुक पर लिखा कि पिछले 27 घंटे से भोपाल साइबर पुलिस ने कार्यकर्ताओं को बिना किसी वाजिब कारण के हिरासत में रखा है। उन्होंने मुख्यमंत्री और डीजीपी को टैग करते हुए कहा कि एमपी पुलिस की इस कार्रवाई से उन्हें आश्चर्य और निराशा हुई है।

तन्खा ने आगे लिखा कि वसुंधरा राजे की तथाकथित ट्वीट, जिसे लाखों लोगों ने देखा और साझा किया। 15-16 अप्रैल से सार्वजनिक रूप से प्रसारित हो रही थी। बाद में 18 अप्रैल को शाम लगभग 8 बजे इसे फर्जी पत्र बताया गया। ऐसे में इस आधार पर हिरासत में लेना उचित नहीं है। तन्खा ने चेतावनी देते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं को रिहा नहीं किया गया तो उनके अधिवक्ता कुछ घंटों में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर के माननीय चीफ जस्टिस के समक्ष इस गैरकानूनी हिरासत और प्रक्रिया को चुनौती देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान पुलिस के नाम पर एमपी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को इस तरह डिटेन करना आपत्तिजनक है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बारोलिया ने कथित पत्र को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि वसुंधरा राजे के एक महत्वपूर्ण पत्र ने बीजेपी को कटघरे में खड़ा कर दिया है। महिला आरक्षण की आड़ में चल रहे पूरे षड्यंत्र को उजागर किया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब वही पत्र लाखों लोगों ने साझा किया है, तो कार्रवाई केवल चुनिंदा लोगों पर ही क्यों की जा रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि वसुंधरा राजे ने पहले आवेश में आकर पत्र लिखा और बाद में पार्टी में कार्रवाई की आशंका के चलते उससे पीछे हट गईं। अभिनव बारोलिया ने कहा कि यदि पत्र में लिखी बातें गलत हैं तो सभी पर एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए, और यदि सही हैं तो सच्चाई को दबाना बंद किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उन पर भी एफआईआर दर्ज की जाए।

बड़ा साइबर फ्रॉड खुलासा

210 करोड़ के घोटाले में 6 गिरफ्तार

गांधीनगर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के गांधीनगर साइबर सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की एक टीम ने वडोदरा में छापा मारकर एक अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड गैंग के 6 साथियों को गिरफ्तार किया है। पता चला है कि इस गैंग ने 210.70 करोड़ रुपये से ज़्यादा का साइबर फ्रॉड किया है। साइबर सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस ने दीपेश बाबू सिंह राजपुरोहित (मुख्य सरगना), अब्दुल कबीर पठान, विवेक वंजारा, मयंक बैरवा, रोहित वर्मा और मोहित रावल को गिरफ्तार किया है। इस नेटवर्क के खिलाफ पूरे देश में कुल 273 मामले दर्ज किए गए हैं।

राजदीप सिंह झाला पुलिस अधीक्षक राज्य सीआईडी साइबर क्राइम ने कहा यह गैंग बैंक अकाउंट किट और सिम कार्ड हासिल करके दूसरे लोगों के नाम पर खाते खोलता था। वे साइबर क्राइम और गेमिंग के ज़रिए मिली रकम को इन खातों में ट्रांसफर करते थे और चेक बुक या डेबिट कार्ड के ज़रिए निकाल लेते थे। आरोपी 'डिजिटल अरेस्ट', निवेश फ्रॉड, यूपीआई फ्रॉड, लोन फ्रॉड और पार्ट-टाइम नौकरी का झांसा देकर लोगों को ठगते थे। पुलिस ने 11 मोबाइल फोन, 12 चेक बुक, 5 पासबुक, 39 डेबिट कार्ड, 10 बैंक पेमेंट क्यूआर कोड और एक लैपटॉप ज़ब्त किया है।

साइबर एसपी राजदीप सिंह झाला ने कहा, "कमीशन के लालच में आकर किसी को भी अपने बैंक खाते की जानकारी या किट न दें।" साथ ही, "अगर साइबर फ्रॉड या न्यूड वीडियो कॉल जैसी कोई घटना होती है, तो तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करें।" यह भी भरोसा दिलाया गया है कि संवेदनशील मामलों में शिकायतकर्ता का नाम गुप्त रखा जाएगा।

बिंदी-हिजाब विवाद के बीच मुस्लिम बीजेपी नेता ने लेंसकार्ट स्टोर पर बोला धावा, स्टाफ को लगाया तिलक

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। चश्मा रिटेलर कंपनी 'लेंसकार्ट' इन दिनों एक बड़े विवाद के केंद्र में है। आरोप है कि कंपनी ने अपने कर्मचारियों को कार्यस्थल पर बिंदी और तिलक लगाने से मना किया था, जबकि हिजाब पहनने की अनुमति दी थी। इस मुद्दे ने तब तूल पकड़ लिया जब मुंबई में हिंदू संगठनों के सदस्यों ने एक मुस्लिम बीजेपी नेता के नेतृत्व में लेंसकार्ट के शोरूम में घुसकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कर्मचारियों को तिलक लगाया, कलाई पर कलावा बांधा और जमकर नारेबाजी की। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा की नेता नाजिया इलाही ने अन्य कार्यकर्ताओं के साथ मुंबई स्थित लेंसकार्ट स्टोर में पहुंचकर स्टाफ से तीखे सवाल किए।

इस दौरान परिसर के अंदर जय श्री राम के नारे भी लगाए गए। नाजिया इलाही ने स्टोर के फ्लोर मैनेजर मोहसिन खान से कथित पाबंदियों को लेकर सवाल पूछा। वायरल वीडियो में उन्हें यह कहते सुना जा सकता है कि, क्या इसीलिए तिलक रोका गया क्योंकि आप मोहसिन खान हैं? स्टोर के बाहर मीडिया से बात करते हुए नाजिया इलाही ने प्रबंधन पर एक धर्म को दूसरे के ऊपर बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह एक हिंदू राष्ट्र है। अगर मालिक माफी नहीं मांगते हैं, तो लेंसकार्ट का या तो बहिष्कार किया जाएगा या इसके सभी आउटलेट बंद करा दिए जाएंगे। स्थिति तब और नाटकीय हो गई जब नाजिया ने हिंदू कर्मचारियों को आगे बुलाया और उनके माथे पर तिलक लगाते हुए कहा कि अपनी धार्मिक पहचान व्यक्त करने में कोई शर्म नहीं होनी चाहिए। शोरूम के एक कर्मचारी ने दावा किया कि कंपनी की ट्रेनिंग के दौरान उन्हें स्पष्ट रूप से बताया गया था कि तिलक और कलावा पहनना मना है। कर्मचारी ने यह भी आरोप लगाया कि महिला कर्मचारियों को शादीशुदा होने के बावजूद 'मंगलसूत्र' पहनने की इजाजत नहीं थी।

इन दावों के बाद वहां मौजूद कार्यकर्ताओं का गुस्सा और भड़क गया। उन्होंने आउटलेट को तुरंत बंद करने और मामले की गहन जांच होने तक इसे न खोलने की मांग की। विवाद बढ़ता देख लेंसकार्ट के सीईओ पीयूष बंसल ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने माफी मांगते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल हुआ दस्तावेज गलत था और कंपनी की वर्तमान गाइडलाइंस को नहीं दर्शाता। बंसल के अनुसार, वह एक पुराना ट्रेनिंग नोट था जो अब एचआर पॉलिसी का हिस्सा नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिंदी और तिलक से जुड़े संदर्भों को पहले ही हटा दिया गया था।

एमपी में 31% महिला कलेक्टर, दक्षिणी राज्यों में 39%: प्रशासन में भी महिलाओं को बड़ी जिम्मेदारियां देने में राज्य पीछे

भोपाल, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में महिलाओं को 33% आरक्षण का कानून लागू होने का इंतजार है। हालांकि, प्रशासनिक ढांचे में महिलाओं की भूमिका की बात करें तो यहां भी महिलाओं को बड़ी जिम्मेदारियां देने में राज्य पीछे हैं। दक्षिण भारत के कई राज्यों में महिला कलेक्टरों की हिस्सेदारी 35 से 39% तक पहुंच चुकी है, जबकि हिंदी पट्टी में मध्यप्रदेश 31% के साथ सबसे आगे है। छोटा राज्य होने के बावजूद सिक्किम में भी यह आंकड़ा 33% तक है। वहीं हिंदी पट्टी में तस्वीर अपेक्षाकृत कमजोर है।

मध्यप्रदेश 55 जिलों में 17 महिला कलेक्टरों (करीब 31%) के साथ इस क्षेत्र में सबसे आगे है। यह हिंदी पट्टी का इकलौता बड़ा राज्य है, जहां आंकड़ा 30% के पार है। ओडिशा (3%) और तेलंगाना (39%) के बीच करीब 10 गुना का अंतर है।

बार गर्ल से बनी ड्रग सप्लायर

कॉलेज स्टूडेंट्स को करती थी टारगे, जानें- कौन है पुलिस के हत्थे चढ़ी अश्विनी?

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। वो पुणे से मुंबई काम की तलाश में आई थी। पढ़ी-लिखी ज्यादा नहीं थी, सिर्फ 10वीं तक पढ़ाई की थी, इसलिए कहीं अच्छी नौकरी नहीं मिल पाई। सपने बड़े थे और जल्दी उड़ान भरने की इच्छा, ऐसे में बार गर्ल बन गई। लेकिन बार गर्ल की चाकाचौंध भरी जिंदगी के पीछे अश्विनी पॉल एक अलग ही जिंदगी जी रही थी, जिससे पर्दा उसकी गिरफ्तारी के साथ उठा है। अश्विनी पॉल बार गर्ल से ड्रग सप्लायर बन गई, जो मुंबई में पार्टी ड्रग्स और कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स को ड्रग सप्लाई करने वाले गिरोह का मुख्य सदस्य है। मुंबई पुलिस ने ड्रग्स तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए अश्विनी पॉल नामक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि कभी बार गर्ल के रूप में काम करने वाली अश्विनी अब राज्य भर में पार्टी ड्रग्स की सप्लाई करने वाली एक मुख्य कड़ी बन चुकी थी। वह मुंबई में होने वाली लगभग सभी बड़ी पार्टियों में ड्रग्स की सप्लाई करती थी।

उधर, कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स को भी ये गिरोह निशाना बना था। इन्हें रंगबिरंगी ड्रग्स की गोलिया सप्लाई करती थी। अश्विनी पॉल जब बार गर्ल थी, तभी उसके कॉन्टेक्ट में कई गैंगस्टर्स आए। इन्हीं में से एक के साथ उसकी दोस्ती कुछ ज्यादा ही गहरी हो गई। इतनी गहरी कि जब वह गेल में बंद था, तब भी अश्विनी पॉल उसे मिलने जाया करती थी। यहीं से उसे ड्रग्स के धंधे में जाने का रास्ता मिला। पुलिस के अनुसार, अश्विनी पॉल का पार्टनर पहले से ही जेल में बंद था। उससे मिलने के लिए जब अश्विनी जेल जाती थी, तो वहीं उसकी मुलाकात ड्रग तस्कर इरफान से हुई। इरफान ने अश्विनी को पैसों का लालच दिया और उसे नशीली दवाओं की तस्करी की काली दुनिया में शामिल कर लिया।

अश्विनी पॉल मूल रूप से पुणे की रहने वाली है और सिर्फ 10वीं कक्षा तक पढ़ी है। साल 2012 में वह काम की तलाश में मुंबई आई थी और एक बार में काम करने लगी थी। इसके बाद वह जेल में इरफान के संपर्क में आई और ड्रग तस्करी की काली दुनिया में कदम रख दिये। अश्विनी पॉल के सपने बहुत बड़े थे। इसलिए उसने कुछ ही सालों में मुंबई से राज्यभर में नशे का कारोबार फैला दिया। इस बीच ही वह पुलिस के टारगेट पर आ गई। अश्विनी पॉल ने ड्रग्स के कारोबार में उतरने के बाद मुंबई महानगर सहित महाराष्ट्र के कई हिस्सों में मांग के अनुसार ड्रग्स की सप्लाई शुरू कर दी।

अब बर्फबारी से नुकसान पर भी मिलेगा मुआवजा

बीमा योजना में सेब बागवानी को एड-ऑन करने की तैयारी

शिमला, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बागवानों को प्राकृतिक आपदाओं से राहत देने के लिए राज्य सरकार एक अहम कदम उठाने जा रही है। अब भारी बर्फबारी से सेब को होने वाले नुकसान को भी फसल बीमा योजना के तहत कवर करने की तैयारी है। बागवानी विभाग इसे एड-ऑन कवर के रूप में शामिल करने का प्रस्ताव तैयार कर रहा है, जिसे मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।

जलवायु परिवर्तन के कारण प्रदेश में बर्फबारी का क्रम प्रभावित हुआ है। बेमौसम बर्फबारी ने बागवानों की मुश्किल बढ़ा दी हैं। इस साल अप्रैल में हुई बर्फबारी ने प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सेब को काफी नुकसान पहुंचाया है। बर्फ से सेब की सुरक्षा के लिए लगाई जाली यानी एंटी हेलनेट तक टूट गई थी, जिससे बागवानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। इसे देखते हुए सरकार अब बर्फबारी से हुए नुकसान को भी बीमा दायरे में लाने की दिशा में काम कर रही है, ताकि भविष्य में ऐसी आपदाओं से बागवानों को सुरक्षा मिल सके।

ओलावृष्टि पहले ही बीमा योजना के तहत एड-ऑन के तौर पर शामिल है। बागवानों को मौजूदा समय में विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा के लिए करीब 75 रुपये प्रति पौधा प्रीमियम देना पड़ता है, जबकि ओलावृष्टि से नुकसान के लिए 23 रुपये अतिरिक्त प्रीमियम लिया जाता है। अब बर्फबारी से हुए नुकसान को भी इसी ढांचे में शामिल करने की तैयारी की जा रही है, जिससे बिना ज्यादा आर्थिक बोझ बढ़ाए बागवानों को बेहतर सुरक्षा मिल सके।

हिमाचल प्रदेश में करीब 2.5 लाख परिवार बागवानी से जुड़े हैं। प्रदेश में सालाना करीब 5 से 7 लाख मीट्रिक टन सेब उत्पादन होता है। प्रदेश की आर्थिकी में सेब का 5000 करोड़ से अधिक का योगदान है।

सुसाइड का ड्रामा कर छात्रा को कमरे पर बुलाया, रेप कर बनाया वीडियो

भोपाल, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अशोका गार्डन इलाके में एक डेटा इंजीनियर ने दोस्ती और भावनाओं को कलंकित करते हुए रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात को अंजाम दिया। बातचीत बंद करने से बौखलाए इस पढ़े-लिखे युवक ने पहले खुदकुशी का नाटक रचा और फिर मदद करने पहुंची छात्रा का दुष्कर्म किया। आरोपी यहीं नहीं रुका, उसने मर्यादा की सारी हदें पार करते हुए वीडियो रिकॉर्ड कर लिया और लंबे समय तक छात्रा का शारीरिक शोषण करता रहा। परेशान होकर पीड़िता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। शिकायत पर अशोका गार्डन पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। मोहम्मद आकिब नामक युवक अशोका गार्डन क्षेत्र में रहता है। वह डेटा इंजीनियर है।

एक साल पहले शादी समारोह के दौरान उसकी जान-पहचान एक 23 साल की युवती से हुई थी। वह निशातपुरा थाना क्षेत्र में रहती है। बीकॉम अंतिम वर्ष की छात्रा है। दोनों के बीच दोस्ती हुई। मोहम्मद आकिब लगातार उसको प्रपोज करने लगा। छात्रा ने परेशान होकर बातचीत बंद कर दी।

नैनीताल हाई कोर्ट का फैसला

पिता नहीं बच सकते बच्चे के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से, 8000/माह देने का निर्देश

नैनीताल, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि पिता अपने नाबालिग बच्चे के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से यह कहकर बच नहीं सकता कि मां भी कमाती है या उस पर कर्ज और पारिवारिक जिम्मेदारियां हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बच्चे के भरण-पोषण का दायित्व सर्वोच्च है और स्वेच्छा से लिए गए वित्तीय बोझ इस जिम्मेदारी को कम नहीं कर सकते। न्यायाधीश न्यायमूर्ति आशीष नैथानी ने रुड़की परिवार न्यायालय के आदेश बरकरार रखा, जिसमें पिता को नाबालिग बच्चे के लिए प्रति माह 8,000 रुपये अंतरिम भरण-पोषण देने का निर्देश दिया गया था।

मामला दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत दायर याचिका से जुड़ा है, जिसमें बच्चे की मां ने भरण-पोषण की मांग की थी। परिवार न्यायालय ने आवेदन स्वीकार करते हुए पिता को आवेदन की तारीख से ही 8,000 रुपये मासिक देने का आदेश दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए पिता ने हाई कोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर की। उसका तर्क था कि वह और उसकी पत्नी दोनों सरकारी सेवा में है। वह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में और पत्नी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में कार्यरत है ,इसलिए पूरा बोझ उसी पर डालना उचित नहीं है।

उसने यह भी कहा कि उसकी आय से ऋण की किश्तें, माता-पिता और भाई-बहनों की जिम्मेदारियों पर खर्च होता है। दूसरी ओर बच्चे की ओर से कहा गया कि पिता स्थायी सरकारी कर्मचारी है और उसकी आय स्थिर है, इसलिए उसका वैधानिक दायित्व बनता है कि वह बच्चे का भरण-पोषण करे। निर्धारित राशि भी बच्चे की जरूरतों के हिसाब से उचित है। कोर्ट ने पाया कि बच्चे के पितृत्व को लेकर कोई विवाद नहीं है, इसलिए धारा 125 के तहत पिता का दायित्व स्पष्ट रूप से स्थापित है।

मां की आय के मामले पर कोर्ट ने कहा कि यह सही है कि मां की आय को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन केवल इस आधार पर पिता अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता।

कोर्ट ने आगे कहा कि धारा 125 एक सामाजिक न्याय का प्रविधान है, जिसका उद्देश्य अभाव और दरिद्रता को रोकना है, इसलिए इसकी व्याख्या आश्रितों के हित में उदारतापूर्वक की जानी चाहिए। नाबालिग बच्चे को माता-पिता की स्थिति के अनुरूप जीवन स्तर मिलना चाहिए। हाई कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि कर्ज की किश्तें या अन्य निजी खर्च स्वेच्छिक दायित्व हैं और बच्चे के भरण-पोषण के अधिकार से ऊपर नहीं हो सकते।

माता-पिता या अन्य स्वजनों की जिम्मेदारियां भी इस वैधानिक कर्तव्य को समाप्त नहीं करतीं। तथ्यों को देखते हुए कोर्ट ने माना कि 8,000 रुपये मासिक की राशि न तो अधिक है और न ही अनुचित। साथ ही आवेदन की तारीख से भरण-पोषण देने का आदेश भी सही ठहराया गया।

जान से खिलवाड़! मरीज बनकर एसडीएम ने मांगी दवा, मिलीं शुगर की फर्जी मेडिसिन

उधम सिंह नगर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के दिनेशपुर थाना क्षेत्र में आयुर्वेदिक दवाओं के नाम पर लंबे समय से लोगों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा था। प्रशासन की एक सुनियोजित कार्रवाई के दौरान इस पूरे फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हुआ। इसमें गदरपुर की उप जिलाधिकारी ऋचा सिंह ने खुद मरीज बनकर आरोपी तक पहुंचने का प्लान बनाया। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया को काफी समय से एक तथाकथित डॉक्टर के खिलाफ शिकायतें मिल रही थीं।

शिकायतों में आरोप था कि वह आयुर्वेदिक दवा के नाम पर लोगों को गलत और खतरनाक इलाज दे रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने जांच के निर्देश दिए, जिसके बाद एसडीएम ऋचा सिंह को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई। जांच के तहत एसडीएम ऋचा सिंह खुद शुगर की मरीज बनकर आरोपी के पास पहुंचीं। उन्होंने आरोपी से दवा खरीदी और उसकी जांच कराई।

पंजाब सरकार को हाईकोर्ट का झटका

भ्रष्टाचार और एनडीपीएस के आरोपी कर्मचारियों पर कार्वाई न करने पर लगा जुर्माना

चंडीगढ़, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब सरकार में भ्रष्टाचार और एनडीपीएस एक्ट जैसे गंभीर मामलों में फंसे कर्मचारियों और अधिकारियों पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने कड़ा रवैया अपनाया है। चीफ जस्टिस शील नागू व जस्टिस संजीव बेरी की खंडपीठ ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए पंजाब सरकार द्वारा जवाब दाखिल न करने पर 10 हजार रुपये जुर्माना लगाया है।

हाईकोर्ट ने जुर्माना राशि पीजीआई के पुअर पेशेंट रिलीफ फंड में जमा कराने का आदेश दिया है। साथ ही तीन सप्ताह का समय जवाब दाखिल करने के लिए दिया है। खंडपीठ ने कहा कि यह बेहद गंभीर और चिंता का विषय है कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं और दोषी करार देकर सजा भी सुनाई जा चुकी है, वे अब भी सरकारी नौकरी कर रहे हैं। कोर्ट ने सवाल उठाया कि ऐसे कर्मचारियों को नौकरी से बाहर क्यों नहीं किया गया। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह सिर्फ निचले स्तर के कर्मचारियों की ही नहीं, बल्कि उन उच्च अधिकारियों की भी जिम्मेदारी है, जिन्होंने दोष सिद्ध होने के बावजूद ऐसे कर्मचारियों को नौकरी में बनाए रखने की सिफारिश की। कोर्ट ने कहा कि उन अधिकारियों की जानकारी दी जाए ताकि उन पर भी कार्रवाई की जा सके।

सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह तथ्य रखा गया कि पंजाब के स्वास्थ्य विभाग में ही ऐसे 20 अधिकारी और कर्मचारी हैं जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार और एनडीपीएस के मामले दर्ज हैं और फिर भी वे सेवा में बने हुए हैं। इनमें से कुछ पर वर्ष 2019 से केस दर्ज हैं लेकिन अब तक उन्हें निलंबित करने पर भी विचार नहीं हुआ। एक क्लर्क को तो एनडीपीएस एक्ट में दोषी करार दिया जा चुका है। बावजूद इसके उसे दोबारा बहाल कर विभाग में नियुक्त कर दिया गया।

कारोबारी से 325 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी पुलिस 10 आरोपियों की कर रही तलाश

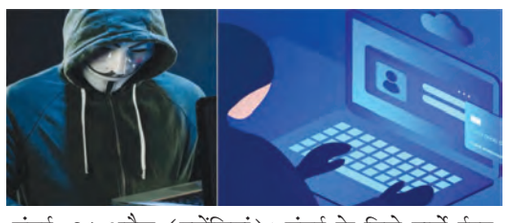

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई के विले पार्ले ईस्ट इलाके में करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी अपहरण जैसी कैद और जबरन वसूली का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक व्यवसायी को ज्यादा निवेश रिटर्न का वादा करके कथित तौर पर 3.25 करोड़ रुपये का चूना लगाया गया। यह जानकारी पुलिस ने दी। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों ने पहले व्यवसायी को पर्याप्त मुनाफे का आश्वासन देकर 1 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए राजी किया। बाद में जब व्यवसायी को संदेह हुआ और उसने अपना पैसा वापस मांगा, तो उसे और उसकी कंपनी के महाप्रबंधक को कथित तौर पर बंदूक की नोक पर बंधक बनाया गया, जान से मारने की धमकी दी गई और जबरन 22.5 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए। मुंबई के एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में 10 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उन्हें ढूंढकर गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

पीड़ित आयुष नकरा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, कथित साजिश 15 जुलाई, 2025 और 28 अगस्त, 2025 के बीच रची गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि चार दलालों - लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, देवकुमार रॉय, सुशीलकुमार यादव और चेतन संघवी - ने एक बड़े निवेश नेटवर्क से संबंध होने का दावा करते हुए उनसे संपर्क किया। उन्हें आर्चीशिप ग्रुप नामक एक फर्म में निवेश करने के लिए राजी कर लिया। आरोपी ने कथित तौर पर व्यवसायी को आश्वासन दिया कि उसका निवेश थोड़े ही समय में काफी बढ़ जाएगा और बार-बार इस बात पर जोर दिया कि उसका पैसा सुरक्षित रहेगा, जिससे धीरे-धीरे उसका विश्वास हासिल हो गया।

पुलिस ने बताया कि जब पीड़ित ने पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने कथित तौर पर उसे बंदूक से धमकाया। 28 अगस्त, 2025 को मुख्य आरोपियों में से एक उमेश कुमार सुमन उर्फ सुबोध रंजन ने लगभग 15 साथियों के साथ मिलकर कथित तौर पर व्यवसायी और उनकी कंपनी के महाप्रबंधक पंकज रावत का सामना किया। घटना के दौरान, हमलावरों ने कथित तौर पर दोनों व्यक्तियों पर लात-घूंसे बरसाए और उन पर पिस्तौल तान दी। आरोपियों ने कथित तौर पर धमकी दी कि अगर वे उनकी मांगें नहीं मानेंगे तो वे उन्हें मौके पर ही जान से मार देंगे। अपनी जान के डर से, व्यवसायी ने अपनी कंपनी के खाते से एक अन्य संस्था नई जीवन ज्योति फाउंडेशन को अतिरिक्त 2.25 करोड़ रुपये हस्तांतरित करने पर सहमति व्यक्त की,

मानसून से पहले हो सकती है इस सीजन की पहली बारिश

जारी हुआ येलो अलर्ट, चलेंगी तेज हवाएं भी

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई में मानसून से पहले इस सीजन की पहली बारिश की आशंका जताई गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई लिए मंगलवार को येलो अलर्ट जारी किया है। इस पूर्वानुमान से मुंबई के लोगों को हाल के दिनों में व्याप्त भीषण गर्मी और उमस से कुछ राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए बताया कि मुंबई के अलग-अलग जिलों में मंगलवार को गरज-चमक के साथ आंधी-तूफान आएगा। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

साथ ही मुंबई के कई इलाकों में बारिश का भी अनुमान है। आईएमडी ने मुंबई के साथ ही पालघर जिले में भी बुधवार (22 अप्रैल) तक हल्की बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है। वहीं, ठाणे और रायगढ़ जिलों को गरज के साथ बौछारें और मध्यम बारिश की संभावना के चलते येलो अलर्ट पर रखा गया है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, मानसून से पहले की बारिश से गर्मी से कोई खास राहत नहीं मिलने वाली है। अधिकतम तापमान 32-33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

यह मानसून से पहले के मौसम के सामान्य पैटर्न के अनुरूप है, जिसमें शाम की बारिश से तापमान में दोबारा वृद्धि होने से पहले अस्थायी राहत मिलती है। पिछले कुछ दिनों में महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और आंधी-तूफान आया है। इसमें पुणे, नासिक, सतारा और जलगांव जैसे इलाकों में बारिश हुई है। मालूम हो कि महाराष्ट्र में मानसून से पहले का मौसम, जो आमतौर पर मार्च से मई तक रहता है।

हवा में पगड़ियां, हाथों में कृपाण

जर्मनी के गुरुद्वारे में हिंसक झड़प सिखों के दो गुटों की भिड़ंत में 11 घायल

बर्लिन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। जर्मनी के एक गुरुद्वारे में दो गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प में 11 लोग घायल हो गए हैं। यह घटना रविवार को मोर्स शहर में नॉर्थ राइन-वेस्टफेलिया के डुइसबर्ग स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा में हुई। गुरुद्वारे के अंदर 40 से ज्यादा लोगों के बीच ना सिर्फ मारपीट हुई बल्कि चाकू, कृपाण भी चले। इस संघर्ष में कथित तौर गोली चलने का भी दावा किया है। हालांकि किसी को गोली लगने की कोई जानकारी अभी तक नहीं है।

गुरुद्वारे में झड़प के बाद पुलिस ने इलाके में अपनी खास यूनिट तैनात की हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है लेकिन आधिकारिक तौर पर झगड़े के पीछे की वजह नहीं बताई है। जर्मन अखबार बिल्ड ने बताया है कि दो गुटों की यह झड़प गुरुद्वारे के वित्त और प्रबंधन पर विवादों के चलते हुई है।

बिल्ड के मुताबिक, गुरुद्वारे में यह टकराव रविवार दोपहर को शुरू हुआ और देखते ही देखते इसने हिंसक रूप ले लिया। अखबार ने चश्मदीदों के हवाले से बताया कि एक गुट ने प्लान के तहत हमला किया और विरोधियों को बेकाबू करने के लिए पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया गया। चाकू और कृपाण से भी हमले किए गए।

चश्मदीदों ने एक गुट के पास बंदूक और पिस्टल होने की बात भी कही है। स्थानीय लोगों ने इस हिंसा की वजह गुरुद्वारा समुदाय के भीतर लंबे समय से चले आ रहे आंतरिक विवाद का नतीजा बताया है। गुरुद्वारे कमेटी पर नियंत्रण, प्रभाव और कथित वित्तीय मतभेदों पर काफी समय से दो गुट आमने-सामने हैं।

गुरुद्वारे पर नियंत्रण को लेकर विवाद

एक चश्मदीद ने बिल्ड' को बताया कि इस विवाद की पृष्ठभूमि में कमेटी के पूर्व सदस्यों और मौजूदा सदस्यों के बीच मतभेद होना है। इसमें समुदाय का पैसा भी शामिल है। काफी समय से यहां समस्याएं और परेशानियां चल रही हैं। रविंदर सिंह रॉबिन ने ट्वीट में जर्मनी के गुरुद्वारे की घटना पर कहा कि सिख गुरुद्वारे के अंदर लड़ रहे हैं और पगड़ियां हवा में उछल रही हैं।

मोर्स पुलिस ने बताया है कि हिंसा के बाद हालात पर काबू पाने के लिए बड़े पैमाने का ऑपरेशन शुरू किया गया। गोलीबारी की खबरों के बाद पुलिस और डसेलडोर्फ की स्पेशल टास्क फोर्स (SEK) की यूनिट ने गुरुद्वारे की इमारत को घेर लिया। हथियारों से लैस जवानों ने इमारत को नियंत्रण में लेते हुए हालात को काबू किया।

रायपुर निगम में 69 जमीनों की फाइलें गायब

रायपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। रायपुर नगर निगम के जोन 10 अमलीडीह ऑफिस से करीब 100 एकड़ जमीन से जुड़ी फाइल गायब हो गई है। निगम कमिश्नर विश्वदीप की बनाई जांच कमेटी की रिपोर्ट से पता चला है कि, सड़क के स्ट्रक्चर का प्रपोजल बिना किसी मंजूरी के भेजा गया। जिसमें कई बातें गलत और गुमराह करने वाली पाई गईं। इस मामले में कमिश्नर ने 4 अधिकारियों को सस्पेंड किया है। वहीं, पूर्व मेयर एजाज ढेबर ने कहा कि, नगर निगम के इतिहास में इतनी बड़ी लापरवाही का मामला पहली बार हुआ है।

रिपोर्ट-अमेरिकी एयरक्राफ्ट गिरने पर भड़क गए थे ट्रम्प

घंटों चिल्लाते रहे, अधिकारियों ने वॉर रूम ब्रीफिंग्स से बाहर रखा, व्हाइट हाउस ने रिपोर्ट खारिज की

वॉशिंगटन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान युद्ध के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी एफ-15 जेट गिरने के बाद भड़क गए थे। वे कई घंटों तक अधिकारियों पर चिल्लाते रहे। द वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) की रिपोर्ट के मुताबिक, इसी वजह से अधिकारियों ने उन्हें वॉर रूम की अहम ब्रीफिंग्स से दूर रखा। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस रिपोर्ट को खारिज किया है।

3 अप्रैल को ईरान के ऊपर अमेरिकी एफ-15 जेट गिरने के बाद दो एयरमैन लापता हो गए थे। एक को तुरंत बचा लिया गया, लेकिन दूसरा 24 घंटे से ज्यादा समय तक दुश्मन इलाके में फंसा रहा।

रिपोर्ट में सीनियर अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि ट्रम्प को स्थिति की जानकारी केवल जरूरी मौकों पर फोन से दी जा रही थी।

उन्हें रियल-टाइम ऑपरेशन वाली बैठकों में शामिल नहीं किया गया क्योंकि अधिकारियों को लगा कि उनकी बेसब्री का असर फैसलों पर पड़ सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, गुड फ्राइडे के दिन जब ट्रम्प को एयरमैन के लापता होने की जानकारी मिली तो उन्होंने सेना से कहा कि 'उन्हें

तुरंत वापस लाओ।' उन्होंने तेज कार्रवाई की मांग की, जबकि ईरान के अंदर ऑपरेशन जटिल और जोखिम भरा था।

अमेरिकी सेना दशकों से ईरान की जमीन पर ऑपरेशन नहीं कर रही थी। ऐसे में अधिकारियों को तय करना था कि बिना पकड़े दुश्मन इलाके में कैसे घुसा जाए और एयरमैन को कैसे निकाला जाए।

एयरमैन के रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स समेत कई अधिकारी सिचुएशन रूम से लगातार अपडेट ले रहे थे। ये बैठकें अगले 24 घंटे तक चलीं लेकिन ट्रम्प इनमें शामिल नहीं थे।

रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रम्प इस स्थिति की तुलना ईरान बंधक संकट से कर रहे थे जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति को चुनाव में भारी नुकसान उठाना पड़ा था। यह घटना उनके दिमाग में लगातार चल रही थी और जैसे-जैसे ऑपरेशन आगे बढ़ा, उनकी चिंता भी बढ़ती गई।

ऑपरेशन सफल होने के बाद ट्रम्प ने तारीफ की

अमेरिकी एजेंसियों ने लापता एयरमैन को लगातार खोज रही थीं। 4 अप्रैल की शाम को उसे भी सुरक्षित निकाल लिया गया। एक सीनियर अधिकारी के मुताबिक, यह मिशन सीआईए की मदद से पूरा हुआ, जिसने एयरमैन की लोकेशन का पता लगाया।

अधिकारियों ने इस ऑपरेशन को "घास के ढेर में सुई खोजने" जैसा बताया। रिपोर्ट के अनुसार, सीआईए ने एक भ्रामक अभियान भी चलाया, जिसमें यह फैलाया गया कि एयरमैन पहले ही मिल चुका है, ताकि दुश्मन गुमराह रहे।

रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद ट्रम्प ने अगले ही दिन सोशल मीडिया पर ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने को लेकर गालियों भरा संदेश पोस्ट किया। रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रम्प ने जानबूझकर संदेश में धार्मिक भाषा और 'अल्लाह' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया ताकि ईरान के नेताओं को असहज किया जा सके।

7 अप्रैल को उन्होंने और सख्त बयान दिया कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो "पूरी सभ्यता खत्म हो सकती है।" हालांकि, कुछ घंटों बाद उन्होंने 8 अप्रैल से दो हफ्ते के सीजफायर का ऐलान भी किया।

भूपेश बोले- कौशल्या भाभी को सीएम बना दीजिए

रायपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। महिला आरक्षण बिल के मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि विष्णु जी, अगर आपको तकलीफ है तो कौशल्या भाभी को मुख्यमंत्री बना दीजिए। बघेल ने आरोप लगाया कि जनसंघ, आरएसएस, विहिप और भाजपा ने कभी महिलाओं को शीर्ष नेतृत्व में मौका नहीं दिया।

महिलाओं को आरक्षण देने की पहल सबसे पहले राजीव गांधी ने की थी, लेकिन भाजपा ने उस समय अड़ंगा लगाया, नहीं तो 1989 में ही यह कानून पास हो जाता। पंचायत राज व्यवस्था का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में इसे लागू किया गया, जिसके बाद 1995 में पहला चुनाव हुआ।

इससे लाखों महिलाएं राजनीति में आईं और आज बड़ी संख्या में महिलाएं नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। कांग्रेस हमेशा से महिला आरक्षण की समर्थक रही है। भूपेश ने ये बातें अपने घर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही हैं।

बता दें कि लोकसभा में महिला आरक्षण बिल गिरने पर भाजपा ने आक्रोश रैली निकाली थी। साय सरकार एक दिन का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी में है, जो इसी महीने आयोजित हो सकता है। सीएम साय के मुताबिक विपक्ष के रुख के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया जाएगा। विशेष सत्र बुलाने की प्रक्रिया में पहले मुख्यमंत्री और कैबिनेट सत्र आयोजित करने का निर्णय लेते हैं। इसके बाद प्रस्ताव को राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाता है, और उनकी स्वीकृति के बाद ही सत्र बुलाया जाता है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद में पास नहीं होने के बाद बीजेपी अब कांग्रेस के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन करने की रणनीति बनाई है।

भारत से 100 रुपये से ज्यादा सामान खरीदने पर टैक्स

बालेन शाह के फैसले पर क्या कह रहे नेपाली अर्थशास्त्री? भड़की जनता

काठमांडू, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल की बालेन शाह सरकार ने भारत से 100 रुपये से ज्यादा का सामान खरीदने पर कस्टम ड्यूटी वसूलना शुरू कर दिया है। इसका सीधा असर आम लोगों पर खासकर दिहाड़ी मजदूरों पर पड़ रहा है। सरकार के इस फैसले के खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन भी किए जा रहे हैं। नेपाल और भारत के लोग बिना किसी वीजा-पासपोर्ट के एक दूसरे के देश में आते-जाते हैं। लिहाजा इसका असर दोनों तरफ पड़ा है। सरहदी इलाकों में भारतीय कारोबारियों को बालेन शाह सरकार के इस फैसले से झटका लगा है।

नेपाल में भारतीय सीमा के करीब रहने वाले लोग रोजमर्रा की जरूरतों जैसे नमक, खाना पकाने का तेल और दवा खरीदने तक के लिए भारत आते हैं और ऐसा वर्षों से होता आया है। नेपाल में

सामान भारतीय बाजार के मुकाबले महंगे होते हैं इसलिए नेपाल के लोग भारत आना ज्यादा पसंद करते हैं। सीमा के दोनों ओर रहने वाले परिवारों के बीच रिश्तेदारी, सांस्कृतिक परंपराएं और आर्थिक निर्भरता एक जैसी ही है। कई लोगों के लिए सीमा पार करना उतना ही आम है जितना कि पास के किसी शहर में जाना। लेकिन नेपाल सरकार ने यहां से अपना खजाना भरने का फैसला किया है।

नेपाली कांग्रेस के सांसद डॉ. प्रकाश शरण महत ने इसे कानून में पेश किया था और 2023 में नेपाल सरकार ने 100 रुपये से ज्यादा के सामान पर कस्टम ड्यूटी लगाना शुरू किया। हालांकि ऐसा करना इतना पेचीदा था कि इसे लागू नहीं किया गया। 2023 में जो कानून बना था उसके मुताबिक सामान के हिसाब से यह टैक्स 5% से 80% तक होता है। इसके तीन मकसद हैं- स्थानीय उत्पादन को बचाना, राजस्व बढ़ाना और छोटे पैमाने पर होने वाले बेकाबू आयात पर रोक लगाना। लेकिन नेपाली एक्सपर्ट्स का कहना है कि 100 रुपये की सीमा बहुत कम है। इसे बढ़ाकर कम से कम 1000 रुपये करना चाहिए।

इस मुद्दे पर नेपाल के राष्ट्रीय योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. गोविंद राज पोखरेल से खास बात की। डॉ. गोविंद, नीति विशेषज्ञ और अर्थशास्त्री हैं। उन्होंने एनबीटी ऑनलाइन से बात करते हुए कहा कि 'इससे सबसे ज्यादा असर मजदूरों पर होता है।

शादी से 8 दिन पहले युवती की मिली लाश

गुमला, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। गुमला में एक युवती का शव मंगलवार को उसके घर के आंगन में कटहल के पेड़ से बने फंदे से लटका मिला। घटना बिशुनपुर प्रखंड अंतर्गत सेरका सियारटोली की है। युवती की आठ दिनों बाद शादी तय हो चुकी थी और वो खुश भी थी।

इधर, मृतका के परिजनों ने आशंका जाहिर की है कि प्रेमी के दबाव की वजह से उसने दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इस घटना से शादी की खुशियां मातम में बदल गईं।

मृतका की पहचान 30 वर्षीय पूनम कुमारी के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार, यह प्रेम प्रसंग का मामला है। मृतका के परिजन प्रीतम खेरवार ने पुलिस को बताया कि पूनम ने प्रेम प्रसंग के चलते खुदकुशी की है।

वहीं, सूचना मिलने पर पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे कब्जे में ले लिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेजा गया है।

पूनम की शादी 29 अप्रैल को परसा बस्ती निवासी देवेंद्र खेरवार से तय हुई थी। शादी की तैयारियां चल रही थीं, जिसमें 26 अप्रैल को लगन पान और 28 अप्रैल को मड़वा की रस्म होनी थी। पूनम ने सोमवार को गुमला में अपने परिचितों को शादी का कार्ड भी दिया था। परिजनों ने बताया कि पूनम किसी अन्य लड़के से फोन पर बात करती थी। घटना से पहले रात में भी उसकी फोन पर बात हुई थी। इसी दबाव में सुबह वह अचानक घर से निकली और आंगन में फांसी लगा ली।

मृतका की भाभी और सेरका पंचायत की मुखिया जय मंत्री कुमारी ने बिशुनपुर थाना में आवेदन दिया है। उन्होंने युवती के फोन को ट्रेस करने और इस मामले में दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

जेडी वेंस के साथ पाकिस्तान में दिखा विवादित कारोबारी

नॉर्वे के भगोड़े उमर जहूर की मौजूदगी पर विवाद

वाशिंगटन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा के दौरान एक विवादित कारोबारी की मौजूदगी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उमर फारूक जहूर, जिसे नॉर्वे में बैंक फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में वांछित बताया जाता है, इस्लामाबाद में अमेरिकी अधिकारियों के साथ नजर आया। 11 अप्रैल को वेंस के इस्लामाबाद पहुंचने के दौरान सामने आए एक वीडियो में अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ उन्हें एक शख्स से मिलवाते दिखे।

बाद में उस शख्स की पहचान जहूर के रूप में हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब वेंस ईरान से जुड़ी शांति वार्ता के लिए पाकिस्तान पहुंचे थे। जहूर पाकिस्तान मूल का कारोबारी है, जिसका जन्म नॉर्वे के ओस्लो में हुआ और वह फिलहाल दुबई में रहता है। वह खुद को निवेशक और उद्यमी बताता है। हालांकि उसकी छवि अलग-अलग देशों में अलग है। यूरोप में उस पर गंभीर आरोप हैं, जबकि पाकिस्तान में उसे एक सफल निवेशक के तौर पर देखा जाता है।

नॉर्वे की एजेंसियों के अनुसार, जहूर 2010 से नॉर्डिया बैंक से जुड़े फ्रॉड केस में वांछित है और उस पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप भी हैं। उसे 2003 में गबन के मामले में सजा भी हो चुकी है। नॉर्वे सरकार कई बार उसके प्रत्यर्पण की कोशिश कर चुकी है, हालांकि जहूर इन आरोपों से इनकार करता है। उसका नाम स्विट्जरलैंड और घाना से जुड़े विवादों में भी सामने आ चुका है, लेकिन इन मामलों में उसके खिलाफ कोई अंतिम सजा नहीं हुई। 2020 में उसके खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस जारी हुआ था, जिसे 2022 में हटा लिया गया।

मेक्सिको के यूनेस्को साइट पर फायरिंग

एक कनाडाई महिला की मौत हमलावर ने खुद को भी गोली मारी

मेक्सिको, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मेक्सिको के यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट में एक गोलीबारी में 32 साल की टूरिस्ट कनाडाई महिला की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, हमलावर ने घटना के बाद खुद को भी गोली मार ली। हमले में कई अन्य लोग घायल हुए।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के समय मौजूद लोगों ने बताया कि टियोतिहुआकान पिरामिड साइट के पिरामिड ऑफ द मून से अचानक गोली चलने की आवाजें सुनाई दीं। लोग इधर-उधर भागने लगे। हमलावर अंधाधुंध फायरिंग कर रहा था।

घटना स्थल से पुलिस ने एक बंदूक, धारदार हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए। स्टेट सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टोबाल कास्टानेडा कामारिलो ने बताया कि घायलों में दो कोलंबियाई, एक रूसी और एक कनाडाई नागरिक शामिल हैं। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हमलावर की पहचान और मकसद अभी तक सामने नहीं आया है।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि वह मामले की अपडेट ले रही हैं और कनाडाई दूतावास के संपर्क में हैं।

दक्षिण कोरिया के9 तोप को बना रहा महाशक्तिशाली

चीन-पाकिस्तान को मिलेगी मात, 200 नए 'वज्र' लेगा भारत

सोल, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया अपनी बेहद लोकप्रिय तोप के9 थंडर को महाशक्तिशाली बनाने में जुट गया है। 155 एमएम की यह स्वचालित तोप दक्षिण कोरिया की कंपनी हनवहा एयरोस्पेस बनाती है। यह 8×8 व्हील्ड तोप युद्ध के बदलते स्वरूप को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है।

ऐसे समय पर जब दुश्मन के जवाबी तोप के हमले और ड्रोन अटैक बढ़ते जा रहे हैं, तब के9 तोप को और भी शक्तिशाली बनाने की तैयारी है। इससे दुश्मन के पलटवार पर यह तोप आसानी से अपना बचाव कर सकेगी। इस बदलाव के तहत के9 तोप की रेंज को 40 से बढ़ाकर 54 किमी तक करने की तैयारी है। इससे यह आसानी से लंबी दूरी तक वार करने में सक्षम हो जाएगी। भारत ने भी दक्षिण कोरिया से 200 के9 वज्र तोप को खरीदा है और ऐसे संकेत हैं कि 200 नए के9 वज्र तोप को खरीदा जा सकता है।

इस अपग्रेड के बाद के-9 तोप की मदद से लंबी दूरी तक न केवल हमला किया जा सकेगा

बल्कि लॉजिस्टिकल फुटप्रिंट को भी छिपाया जा सकेगा। दक्षिण कोरिया की कोशिश है कि वह दुनिया के तोप बाजार पर अपना कब्जा कर ले। नाटो देश भी अब लंबी दूरी तक हमला करने वाली तोपों पर फोकस कर रहे हैं और यही वजह है कि दक्षिण कोरिया भी इसकी रेंज को बढ़ाने पर काम कर रहा है। नाटो में शामिल कई देश जैसे पोलैंड और यूएई समेत पश्चिम एशिया के कई देश चाहते हैं कि उनकी पश्चिमी देशों के हथियारों पर से निर्भरता कम हो जाए। इसी वजह से वे दक्षिण कोरिया के हथियारों पर फोकस कर रहे हैं।

हाल ही में यूएई में ईरानी मिसाइल और ड्रोन हमलों को रोकने में दक्षिण कोरिया के एयर डिफेंस सिस्टम बहुत कारगर साबित हुए थे। नए के9 तोप में दक्षिण कोरिया फायर कंट्रोल के लिए अत्याधुनिक सिस्टम लगा रहा है। इसके अलावा सटीक हमला करने के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे यह तोप अब बहुत कम समय में अत्यधिक तेजी से गोले दागने में सक्षम हो जाएगी।

जापान ने भारत को दिया 'स्टील्थ' मास्टर का ऑफर

टोक्यो/नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। जापान ने भारत को अपनी सबसे बेहतरीन मोगामी क्लास की फ्रिगेट देने का प्रस्ताव दिया है। ये नई दिल्ली के साथ गहरे रक्षा संबंध बनाने की टोक्यो की कोशिशों का ही एक हिस्सा है। जापान के उच्च-अधिकारियों ने बताया उन्होंने भारत को इस फ्रिगेट का डिजाइन देने का प्रस्ताव रखा है।

यह युद्धपोत यहीं भारत के किसी शिपयार्ड में बनाया जा सकता है, जिसमें कुछ जरूरी सामान जापान उपलब्ध कराएगा। मोगामी क्लास की पहली फ्रिगेट 2022 में ही जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स में शामिल हुई थी।

ये एक शानदार युद्धपोत है जो 4,000 टन से ज्यादा वजन वाली है। इसकी कीमत 500 मिलियन डॉलर से ज्यादा है और ये एंटी-शिप, एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइलों और टॉरपीडो से लैस हैं। लेकिन सवाल ये है कि भारत के पास पहले से ही नीलगिरी क्लास की P17A युद्धपोत है जो जापानी युद्धपोत के मुकाबले थोड़ा बेहतर ही माना जाता है। फिर भी जापान के प्रस्ताव का साफ मतलब है कि पूर्वी और दक्षिणी चीन सागर में चीन की आक्रामकता के खिलाफ वो भारत के साथ अपने रक्षा संबंध को और मजबूत करना चाहता है।

स्टील्थ क्षमता और डिजाइन- मोगमी को भविष्य का युद्धपोत कहा जाता है और इसके न्यूनतम कोणीय डिजाइन की वजह से रडार के लिए इसे पकड़ना अत्यंत मुश्किल होता है जबकि भारतीय P17A (नीलगिरी) भी स्टेल्थ है लेकिन भारत ने इसमें भारी संख्या में हथियार लगाए हैं।

आकार और वजन- जापान के मोगमी क्लास का वजन करीब 5,500 टन है जबकि P17A नीलगिरी क्लास भारी है जिसका वजन करीब 6,670 टन है।

चालक दल- मोगमी की सबसे बड़ी खूबी खासियत इसका 'ऑटोमेशन' है। इसे सिर्फ 90 लोग ऑपरेट कर सकते हैं जबकि P17A को चलाने के लिए लगभग 226 चालक दल के सदस्यों की आवश्यकता होती है।

रडार क्षमता- मोगमी में जापानी OPY-2 X-band मल्टी-फंक्शन रडार है। जबकि भारतीय P17A में इजरायली मूल का EL/M-2248 MF-STAR रडार लगा है जिसे दुनिया के सबसे शक्तिशाली नौसैनिक रडार प्रणालियों में गिना जाता है।

एंटी-शिप मिसाइल क्षमता- मोगमी 'Type 17' मिसाइलों का उपयोग करता है जबकि P17A ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों से लैस है जिसे दुनिया का सबसे घातक क्रूज मिसाइल माना जाता है।

सतह से हवा में मार करने कती क्षमता- भारतीय P17A में बराक-8 मिसाइलें हैं जो लंबी दूरी तक सुरक्षा देती हैं। मोगमी मुख्य रूप से कम से मध्यम दूरी की मिसाइलों जैसे Type-03 Chu-SAM लगाया गया है।

सड़क हादसा दो की मौत

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हुआ हादसा, एक घायल

पाकुड़, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र में बीती रात एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना साहिबगंज-गोविंदपुर एक्सप्रेसवे पर धुंदापहाड़ी पुल के पास एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हुई। मृतकों की पहचान लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के फूलपहाड़ी गांव निवासी वकील मरांडी और पुलिस हांसदा के रूप में हुई है। संग्राम हांसदा गंभीर रूप से घायल हुए हैं। तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर लिट्टीपाड़ा के साप्ताहिक हाट से अपने घर फूलपहाड़ी लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई।

3 मई से बिहार यात्रा पर निकलेंगे निशांत कुमार

पटना, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सीएम के बेटे निशांत कुमार 3 मई से बिहार यात्रा पर निकलेंगे। मंगलवार को जेडीयू ऑफिस में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद निशांत ने ये ऐलान किया है। निशांत ने कहा, इस यात्रा में संजय अंकल समेत पार्टी के कार्यकर्ता मेरे साथ रहेंगे। पश्चिमी चंपारण से यात्री की शुरुआत होगी।

जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा, 'अभी वे खुद पार्टी के जिलाध्यक्षों से मिल रहे हैं। आने वाले समय में बिहार में उनकी यात्रा भी होगी। आगे क्या होना है ये पार्टी बैठ कर तय तरेगी।'

इधर, नालंदा एमएलए श्रवण कुमार जदयू विधायक दल के नेता चुने गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मंजूरी के बाद उनके नाम को विधानसभा भेजा गया। इसके बाद विधानसभा की ओर से नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। दरअसल, नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद विधायक दल के नेता का पद खाली था। इसको लेकर रविवार को सीएम हाउस में जदयू नेताओं की बैठक हुई थी। बताया जा रहा है कि श्रवण कुमार को जदयू विधायकों ने पहले ही नेता चुन लिया था।

इसके बाद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने भी इस फैसले पर मुहर लगा दी। बता दें 3 दिन पहले बिहार सरकार ने पूर्व मंत्री श्रवण कुमार की सुरक्षा को बढ़ाते हुए उन्हें Y+ श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है।

गंगा सप्तमी का धार्मिक महत्व, परंपरा और दान

वैशाख माह की कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को गंगा सप्तमी मनाई जाती है। गंगा सप्तमी तिथि का आरंभ 22 अप्रैल को रात 10 बजकर 50 मिनट पर होगा और इसका समापन 23 अप्रैल को रात 8 बजकर 50 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार सप्तमी 23 अप्रैल को पड़ रही है, इसलिए इसी दिन गंगा सप्तमी का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन श्रद्धालु व्रत और पूजा-अर्चना करते हैं।

गंगा सप्तमी, जिसे 'गंगा जन्मोत्सव' के रूप में भी जाना जाता है, हिंदू धर्म में मां गंगा की श्रद्धा और भक्ति का एक अत्यंत पावन पर्व है। वर्ष 2026 में यह शुभ तिथि 23 अप्रैल, गुरुवार को मनाई जाएगी। मान्यता है कि इसी दिन मां गंगा स्वर्ग लोक से भगवान शिव की जटाओं में पहुंची थीं, इसलिए इस दिन गंगा स्नान और पूजन का विशेष आध्यात्मिक फल मिलता है।

गंगा सप्तमी का धार्मिक महत्व

पावन परंपराएं

गंगा सप्तमी पर क्या करें दान?

आइए जानते हैं यहां गंगा सप्तमी के बारे में...

गंगा सप्तमी का धार्मिक महत्व

पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब गंगा पृथ्वी पर अवतरित हो रही थीं, तब उनके वेग से ऋषि जह्नु का आश्रम जलमग्न हो गया। इससे क्रोधित होकर ऋषि गंगा को पी गए। बाद में देवताओं के अनुरोध पर उन्होंने वैशाख शुक्ल सप्तमी के दिन अपने कान से गंगा को मुक्त किया। इसी कारण गंगा जी को 'जाह्नवी' (जह्नु की पुत्री) कहा जाता है।

यह दिन गंगा के 'पुनर्जन्म' का प्रतीक माना जाता है। इस दिन गंगा पूजन से कुंडलनी शक्ति का जागरण और पापों का नाश होता है। गंगा नदी केवल एक जल स्रोत नहीं है, बल्कि इसे पवित्रता, शुद्धि और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। गंगा सप्तमी के दिन गंगा माता की पूजा और स्नान करने से जीवन में पवित्रता आती है, पाप नष्ट होते हैं और व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ती है।

पावन परंपराएं

गंगा सप्तमी पर कुछ विशेष परंपराओं का पालन किया जाता है जो मन और आत्मा को शुद्ध करती हैं:

1. ब्रह्म मुहूर्त में स्नान

सप्तमी के दिन सूर्योदय से पूर्व गंगा नदी में स्नान करना 'अश्वमेध यज्ञ' के समान फलदायी माना जाता है। यदि गंगा तट पर जाना संभव न हो, तो घर पर ही नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करना चाहिए।

2. दीपदान की परंपरा

शाम के समय गंगा के घाटों पर या घर के मंदिर में दीपदान किया जाता है। जलती हुई ज्योत को नदी में प्रवाहित करना जीवन के अंधकार को मिटाने और पितरों की शांति का प्रतीक है।

3. षोडशोपचार पूजन

मां गंगा की प्रतिमा या गंगाजल के कलश का पूजन करें। उन्हें सफेद फूल, अक्षत, चंदन और नैवेद्य अर्पित करें। इस दौरान 'ॐ नमो गंगायै विश्वरूपिण्यै नारायण्यै नमो नमः' मंत्र का जाप करना अत्यंत श्रेष्ठ है।

गंगा सप्तमी पर क्या करें दान?

इस दिन दान का फल कभी समाप्त नहीं होता (अक्षय रहता है)। भीषण गर्मी का समय होने के कारण इन वस्तुओं का दान करें:

* शीतल जलः प्याऊ लगवाना या पानी का मटका दान करना।

* अन्न और फलः सत्तू, खरबूजा या आम का दान।

* वस्त्रः सफेद रंग के सूती वस्त्रों का दान।

विशेषः गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की जीवनधारा है। गंगा सप्तमी हमें पर्यावरण संरक्षण और अपनी आत्मिक शुद्धि का संदेश देती है।

बनने वाला है बुधादित्य योग

इन 3 राशियों के बुरे दिन होंगे समाप्त

30 अप्रैल 2026 को जब बुध मेष राशि में प्रवेश करेंगे और वहां पहले से मौजूद सूर्य के साथ युति बनाएंगे, तब 'बुधादित्य योग' का निर्माण होगा। ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की चाल का हमारे जीवन पर गहरा असर पड़ता है। 30 अप्रैल 2026 को बुद्धि के कारक 'बुध' अपनी राशि बदलकर मेष में प्रवेश करने जा रहे हैं, जहाँ पहले से ही ग्रहों के राजा 'सूर्य' विराजमान हैं। सूर्य और बुध की इस युति से 'बुधादित्य राजयोग' का निर्माण होगा। माना जाता है कि जिस व्यक्ति की कुंडली में यह योग होता है, उसे मान-सम्मान और अपार धन की प्राप्ति होती है। इस बार का गोचर विशेष रूप से इन 3 राशियों के लिए 'गोल्डन पीरियड' लेकर आने वाला है।

1. मेष राशिः आत्मविश्वास और तरक्की का समय

बुध का गोचर आपकी ही राशि के लग्न भाव में होने जा रहा है।

बुरे दिन समाप्तः पिछले काफी समय से मानसिक तनाव झेल रहे मेष राशि वालों को अब राहत मिलेगी।

धन लाभः यदि आपका पैसा कहीं फंसा हुआ था, तो वह वापस मिल सकता है। नौकरी में प्रमोशन और इंक्रीमेंट के प्रबल योग हैं।

खासः आपकी निर्णय लेने की क्षमता में सुधार होगा।

2. मिथुन राशि : आय के नए स्रोतों का उदय

चूंकि बुध आपकी राशि के स्वामी हैं, इसलिए यह योग आपके 11वें भाव (लाभ स्थान) में बनेगा।

धन की समस्या दूरः यह समय आर्थिक रूप से जैकपॉट जैसा साबित हो सकता है। एक से अधिक माध्यमों से धन का आगमन होगा।

करियरः व्यापार में बड़ा निवेश करना सफल रहेगा। नए लोगों से मुलाकात आपके बिजनेस को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

3. सिंह राशि : भाग्य का मिलेगा पूरा साथ

सिंह राशि के लिए बुध का यह गोचर भाग्य स्थान (9वें भाव) में होने वाला है। सफलता का मार्गः जो काम बनते-बनते बिगड़ रहे थे, वे अब तेजी से पूरे होंगे। भाग्य का साथ मिलने से आपके काम की सराहना होगी।

विदेशी लाभः यदि आप विदेश जाने या शिक्षा के लिए प्रयास कर रहे थे, तो अच्छी खबर मिल सकती है।

आर्थिक स्थितिः कर्ज से मुक्ति मिलने के योग हैं और बैंक बैलेंस में बढ़ोतरी होगी।

बुधादित्य योग का लाभ उठाने के लिए क्या करें?

अगर आपकी राशि इन तीनों में से नहीं भी है, तो भी आप इस शुभ योग का लाभ लेने के लिए ये उपाय कर सकते हैं:

गणेश जी की पूजाः बुधवार के दिन भगवान गणेश को दूर्वा चढ़ाएं।

सूर्य को अर्घ्यः तांबे के लोटे में जल भरकर प्रतिदिन सूर्य देव को अर्पित करें।

गाय की सेवाः बुधवार को गाय को हरा चारा खिलाना बुध को मजबूत करता है।

सोने की ये सही आदत दिलाएगी बड़ा फायदा

सोते समय दिशा का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। सही डायरेक्शन सिर रखकर सोना सबसे बेहतर माना जाता है। वास्तु के मुताबिक, इससे नींद की गुणवत्ता सुधरती है, मानसिक शांति मिलती है और शरीर में ऊर्जा बनी रहती है। यहां जानिए सिरहाना किस दिशा में होना चाहिए।

क्या आप भी रातभर सोने के बाद सुबह थकान महसूस करते हैं? कई बार इसकी वजह सिर्फ खराब लाइफ स्टाइल नहीं, बल्कि सोने की गलत दिशा भी हो सकती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, सोते समय सिर की दिशा का हमारे शरीर और दिमाग पर गहरा असर पड़ता है। आज की व्यस्त जिंदगी में अच्छी नींद पाना आसान नहीं है। लोग खानपान और रूटीन पर ध्यान देते हैं, लेकिन सोते समय सिर की दिशा को अक्सर नजर अंदाज कर देते हैं। वास्तु शास्त्र में इसे बेहद महत्वपूर्ण माना गया है, क्योंकि सही दिशा शरीर की ऊर्जा को संतुलित करने में मदद करती है। तो चलिए जानते हैं सोते समय सिर किस दिशा में रखना चाहिए।

दक्षिण दिशा में सिर रखकर सोने के फायदे

वास्तु के अनुसार, दक्षिण दिशा में सिर रखकर सोना सबसे शुभ माना जाता है। यह दिशा स्थिरता और ताकत का प्रतीक है। माना जाता है कि इस दिशा में सोने से शरीर का संतुलन पृथ्वी के चुंबकीय प्रभाव के साथ बेहतर होता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है और गहरी नींद आती है।

पूर्व दिशा देती है मानसिक शांति

पूर्व दिशा को सकारात्मकता और ज्ञान की दिशा माना जाता है। इस दिशा में सिर रखकर सोने से मन शांत रहता है और तनाव कम होता है। जो लोग अधिक सोचते हैं या मानसिक दबाव में रहते हैं, उनके लिए यह दिशा खासतौर पर फायदेमंद मानी जाती है। इससे फोकस और सोचने की क्षमता भी बेहतर होती है।

उत्तर दिशा से क्यों बचने की सलाह

वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर दिशा में सिर रखकर सोना उचित नहीं माना जाता। ऐसा कहा जाता है कि इससे शरीर और पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के बीच असंतुलन पैदा हो सकता है। इसके कारण नींद में रुकावट, बेचैनी और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

छोटी आदत से बड़ा बदलाव

सही दिशा में सोना सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि एक सकारात्मक आदत भी है। जब व्यक्ति यह मानकर सोता है कि वह सही दिशा में है, तो उसका मन भी शांत रहता है। यह छोटा सा बदलाव लंबे समय में बेहतर नींद, अच्छी सेहत और संतुलित जीवनशैली देने में मदद कर सकता है।

कृष्ण भक्त संत सूरदास के जीवन की 5 अनसुनी बातें

संत सूरदास हिंदी साहित्य के 'सूर्य' माने जाते हैं। वे भक्ति काल के एक ऐसे महान कवि थे जिन्होंने अपनी बंद आंखों से श्री कृष्ण के उस रूप का वर्णन किया, जिसे देख पाना खुली आंखों वाले विद्वानों के लिए भी संभव नहीं था। संत सूरदास का जन्म 1478 ई. में हुआ था।

उनके जन्म की याद में वैशाख शुक्ल पंचमी को सूरदास जयंती मनाई जाती है। यह वर्ष 2026 में सूरदास जयंती 21 अप्रैल, दिन मंगलवार को मनाई जा रही है। इस अवसर पर उनके भक्त भजन गाते तथा उनके पदों का पाठ करते हैं। साथ ही इस दिन भगवान श्री कृष्ण के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।

1. दिव्य दृष्टि का प्रताप

कहा जाता है कि सूरदास जन्म से अंधे थे, लेकिन उनके काव्य में श्री कृष्ण की बाल-लीलाओं और प्रकृति का इतना सूक्ष्म और जीवंत वर्णन मिलता है कि कई विद्वान हैरान रह जाते हैं। कुछ विद्वानों का मानना है कि जो व्यक्ति रंगों और चेष्टाओं का इतना सटीक वर्णन कर सके, वह जन्म से अंधा नहीं हो सकता। हालांकि, लोक मान्यताओं के अनुसार वे 'जन्मांध' ही थे और यह उनकी दिव्य दृष्टि का प्रताप था।

2. वल्लभाचार्य से मुलाकात और 'सूरसागर' की रचना

सूरदास पहले दीनता के पद गाया करते थे। जब उनकी मुलाकात महाप्रभु वल्लभाचार्य से हुई, तो उन्होंने सूरदास से कहा- 'सूर होकर ऐसो घिघियात काहे को हो, कछु भगवत-लीला वर्णन करो।' इसके बाद ही सूरदास ने श्री कृष्ण की लीलाओं का गान शुरू किया और कालजयी ग्रंथ 'सूरसागर' की रचना की।

3. अष्टछाप के जहाज

सूरदास को 'पुष्टिमार्ग का जहाज' कहा जाता है। वल्लभाचार्य के पुत्र विट्ठलनाथ ने कृष्ण भक्त कवियों का एक समूह बनाया था जिसे 'अष्टछाप' कहा जाता है। सूरदास इस समूह के सबसे प्रभावशाली और अग्रणी कवि थे।

4. अकबर से भेंट का प्रसंग

सूरदास की ख्याति इतनी फैली कि मुगल सम्राट अकबर भी उनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। कहा जाता है कि तानसेन के माध्यम से अकबर की मुलाकात सूरदास से हुई थी। अकबर ने जब उनसे अपनी प्रशंसा में कुछ गाने को कहा, तो सूरदास ने स्पष्ट मना कर दिया और कहा कि उनके हृदय में केवल 'नंदनंदन' यानी कृष्ण का वास है।

5. मृत्यु के समय का अंतिम पद

सूरदास का निधन मथुरा के गोवर्धन के समीप पारसौली/पारसोली नामक ग्राम में हुआ था। अपनी मृत्यु के समय उन्होंने अपनी भक्ति को सिद्ध करते हुए एक प्रसिद्ध पद गाया था— 'खंजन नैन रूप रस माते', जो श्रीकृष्ण के चंचल और सुंदर नेत्रों का वर्णन करता है। उन्होंने अपना पूरा जीवन श्री कृष्ण की भक्ति में समर्पित कर दिया और अंत समय में भी वे पूर्णतः कृष्णमय थे। संत सूरदास भारतीय भक्ति साहित्य के महान कवि और भक्त माने जाते हैं। वे जन्म से ही दृष्टिहीन थे, लेकिन उनके कवि हृदय और भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम ने उन्हें भारतीय साहित्य और भक्ति आंदोलन में अमर बना दिया। उनकी रचनाएं मुख्य रूप से ब्रज भाषा में हैं और इनमें कृष्ण की लीलाओं का अद्वितीय वर्णन मिलता है।

मन को शांत और तनाव मुक्त रखने के लिए आज से अपनाएं ये नियम

अपने मन को शांत रखना उतना भी मुश्किल नहीं है, जितना आमतौर पर सभी समझते हैं। काफी हद तक उसे एक स्थान के भीतर नियंत्रित किया जा सकता है, जहां आप प्रमुख रूप से सीमित हैं- वह आपका घर है। निश्चित रूप से, हमारी जीवनशैली के कारण वर्तमान तनावपूर्ण स्थिति का भी मन को अशांत करने में बहुत बड़ा हाथ है। सबसे बुनियादी और सरल चीज है घर की सफाई करना और उसे व्यवस्थित रखना। घर में अव्यवस्था से सकारात्मक ऊर्जा का चारों ओर प्रवाहित होना मुश्किल हो जाता है और घर में नकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बनता है।

गुरुवार को छोड़कर, फर्श को साफ करते समय पानी में चुटकी भर समुद्री नमक डालना चाहिए। इस उपाय से घर की नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है।

मानसिक शांति बनाए रखने के लिए दक्षिण-पश्चिम दिशा में एक पारिवारिक तस्वीर और घर की पश्चिम दिशा में परिवार के मुख्य जोड़े की एक तस्वीर लगाएं।

उदासी और निराशा को दर्शाने वाली तस्वीरों से बचना चाहिए क्योंकि वे निराशा और अवसाद के लिए जिम्मेदार होती हैं।

गायत्री मंत्र, गणपति अथर्वशीर्ष जैसे मंत्रों का जाप, संबंधित कुलदेवी और कुलदेवता से प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में शांति और सकारात्मक ऊर्जा लाने में मदद मिलती है।

विद्युत उपकरणों के माध्यम से मंत्र जप से आपके परिसर में सकारात्मक कंपन भी फैल सकता है, हालांकि स्वयं द्वारा जप सबसे शक्तिशाली है।

मंदिर में शुद्ध घी से बने दीये जलाने चाहिएं। साथ ही अगरबत्ती, धूप/गुग्गल जलाना, घंटानाद और शंख बजाना चाहिए। परिवार और धर्म की परंपरा के अनुसार दिवंगत आत्माओं के लिए अनुष्ठान करना भी बहुत महत्वपूर्ण है।

कैसे विदेश में भी बची रही भारतीय इमानदार जज के मूल्यों की लाज

बड़ौदा राज्य में ईमानदार जज शिंदे अपनी सेवाएं देते थे। बड़ौदा के तत्कालीन महाराजा के हृदय में शिंदे के प्रति गहरी श्रद्धा थी। महाराजा जब-जब विदेश जाते, अपने निजी सहायक के रूप में शिंदे को साथ ले जाते थे।

एक बार फ्रांस यात्रा के दौरान महाराजा ने शिंदे की सलाह पर पैरिस के एक बड़े जौहरी की दुकान से अत्यंत कीमती रत्न खरीदे। अगले दिन दुकानदार का एक प्रतिनिधि शिंदे के पास आया और उसने पूछा, ''सर, आपका कमिशन चैक से दिया जाए या नकद भुगतान से।''

शिंदे प्रतिनिधि की बात सुनकर हैरानी से बोले, ''किस बात का कमिशन?'' प्रतिनिधि बोला, ''सर्राफा की दुकानों में यह चलन है कि अच्छे ग्राहक लाने वाले व्यक्ति को कमिशन दिया जाता है।'' शिंदे बोले, ''आपके यहां जो भी परम्परा हो पर मैं सरकारी कर्मचारी हूं और यह नहीं ले सकता।'' इस पर प्रतिनिधि बोला, ''यह तो हमारी दुकान की परिपाटी है। मैं यह बात आपके महाराजा के समक्ष भी कह सकता हूं।''

शिंदे बोले, ''आप कमिशन काट करके अपना बिल बना दीजिए। इस कमिशन पर ग्राहक का हक होना चाहिए न कि उस व्यक्ति का, जो दुकान में ग्राहक लेकर आए।'' शिंदे के आगे प्रतिनिधि की एक न चली। उसने कमिशन काट कर बिल बना दिया और बोला, ''सर, आपकी ईमानदारी की सूचना महाराजा तक अवश्य जानी चाहिए।''

शिंदे बोले, ''ईमानदारी मनुष्य का धर्म है, अतः इस बात का जिक्र किसी से न करें इस बात को यहीं खत्म कर दें।'' इस पर प्रतिनिधि ने कहा, ''धन्य हैं आप।''

शास्त्रों की बात, जानें धर्म के साथ

जीवन में सकारात्मक परिवर्तन हमारी अच्छी वाणी से आता है, हमें हमेशा सच बोलना चाहिए

जीवन में सुधार और सकारात्मक परिवर्तन हमारी अच्छी वाणी से आता है। जब हम शुद्ध, मधुर और सच बोलते हैं, तो बड़े काम भी आसानी से सफल हो जाते हैं। कठिन तपस्या करना सभी के लिए संभव नहीं होता, लेकिन एक सरल और महत्वपूर्ण तप है- वाणी का संयम। हमें हमेशा सच बोलना चाहिए और दूसरों से अच्छा व्यवहार करना चाहिए। हमारी वाणी में प्रेम, सम्मान और शांति होनी चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 22 अप्रैल - 2026

आखिर मणिपुर में हिंसा की आग कब बुझेगी?

मनोज कुमार अग्रवाल

पूर्वोत्तर के अद्वितीय खूबसूरती वाले सेवन सिस्टर राज्यों में से एक राज्य मणिपुर कुछ समय की शांति के बाद एक बार फिर से सुलग उठा है। बीते सात अप्रैल को बिशनुपुर जिले के त्रोंगलाओबी गांव में हुए बम विस्फोट में एक बीएसएफ जवान के दो नाबालिग बच्चे मारे गए, जबकि उनकी मां घायल हो गई। मृतकों में एक पांच महीने का नवजात शामिल था। मैतेई नागरिक समाज समूहों ने आरोप लगाया है कि चुड़ाचांदपुर के कुकी-जो उग्रवादी समूह इस हमले के के पीछे हैं और उन्होंने केंद्रीय सुरक्षा बलों को हटाने की मांग भी की है। इस घटना के बाद मैतेई समुदाय के लोगों ने भारी प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के कैंप पर हमला बोल दिया। अफवाहों का सहारा लेकर कुछ लोग कैंप में घुसने और हथियार लूटने की कोशिश करने लगे। स्थिति नियंत्रण से बाहर होते देख सीआरपीएफ जवानों ने फायरिंग की, जिसमें तीन स्थानीय निवासी मारे गए। इस तरह पांच मौतें पिछले 10 दिनों में हो चुकी हैं। आपको बता दें जानकारी के अनुसार राज्य में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिससे स्थानीय लोगों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। मेइरा पाइबी समूहों ने घाटी क्षेत्रों में पांच दिन का बंद बुलाया है और 25 अप्रैल तक दोषियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय और गृह मंत्री ने शांति की अपील की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोग न्याय की मांग कर रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि सुरक्षा बल हमलावरों की पहचान करने में नाकाम रहे हैं। फिलहाल इंटरनेट सेवाएं कई जिलों में निलंबित हैं और तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

गौर तलब है कि दुनिया भर में होने वाली राजनीतिक हिंसा और संघर्षों का डेटा ट्रैक करने वाला स्वतंत्र अमेरिकी संगठन 'आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डेटा प्रोजेक्ट' ने एक साल पहले मई 2025 में एक रिपोर्ट जारी की थी, जो मणिपुर में 2023-2025 के बीच होनी वाली हिंसा पर बनाया गया महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसके अनुसार, लगभग शुरुआती 24 महीनों में मणिपुर में 1,000 से अधिक राजनीतिक हिंसा की घटनाएँ और 396 मौतें हुई थीं। लगभग 67000 लोग शरणार्थी शिविरों में रहने को बाध्य हुए। एनसीआरबी के एक शोध के अनुसार, इस समय राहत शिविरों में रहने वाले 65.8% लोग पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर से जूझ रहे हैं।

बता दे कि उत्तर-पूर्व हमेशा ऐसा नहीं था। 1949 में तमाम कोशिशों के बाद मणिपुर और त्रिपुरा का भारत में विलय हुआ था। फिर 70 के दशक में मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा पूर्ण राज्य बने, 'मिज़ो शांति समझौते' से होते हुए मिज़ोरम, 1987 में राज्य बना और चीन के लाख दबाव के बावजूद अरुणाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया। पूरे उत्तर पूर्व में बहुत सारी उठा-पटक के बाद 90 के दशक के अंत में शांति की शुरुआत होने लगी थी। 2000-2014 के बीच का समय इस शांति को स्थायित्व में बदलने का समय था। शांतिपूर्ण बदलाव के समय में 2014 में मोदी सरकार आ गयी जिसे उत्तर पूर्व की शांति को मजबूती देनी थी लेकिन सरकार की अक्षमता मई 2023 में खुलकर तब सामने आ गई जब मणिपुर में मैतेई और कुकी-जो समुदाय के बीच भीषण हिंसा भड़क गई। हिंसा बढ़ती जा रही थी और मोदी सरकार लाचारों की तरह हिंसा को बढ़ते देख रही थी। गृहमंत्री अमित शाह ने 29 मई से 1 जून, 2023 के बीच मणिपुर का दौरा करके एक बेहतर काम किया लेकिन शायद उनमें वो क्षमता ही नहीं थी कि वो इस संघर्ष को रोक पाने के उपाय खोज पाते। शायद इसीलिए इसके बाद वो एक साल तक मणिपुर गए ही नहीं।

अप्रैल 2024 में वो फिर से मणिपुर गए लेकिन इस बार उनका मक़सद मणिपुर में शांति नहीं, मणिपुर में लोकसभा चुनाव प्रचार करना था। इसके बाद वो आज तक मणिपुर नहीं गए। मतलब, भारत के गृहमंत्री, जिसके ऊपर भारत की आंतरिक सुरक्षा का वैधानिक दायित्व है वो मणिपुर जैसे संवेदनशील और हिंसाग्रस्त प्रदेश में 3 मई 2023 से आज तक मात्र दो बार ही गए, यह वास्तव में दुखद है। जो हालात दोबारा बन रहा है उसमे केंद्र सरकार और मणिपुर की बीजेपी सरकार को तमाम हालात की उच्च स्तरीय जांच कर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए नही तो यह देश के लिए बेहद दुखद होगा कि एक राज्य पिछले 3 सालों से लगातार हिंसा की आग में झुलस रहा है और सरकार की तमाम कोशिश नाकाम हो रहा है गौरतलब है कि इससे पहले मई 2023 में जो हिंसा मणिपुर में शुरु हुई थी, उसमें अब तक कम से कम 260 लोगों की जान जा चुकी है और लगभग 60,000 लोग विस्थापित हुए हैं।

यह हिंसा सबसे पहले मैतेई और कुकी समुदायों के बीच शुरू हुई थी और अब लगभग सभी समूह इसमें शामिल हो गए हैं। मणिपुर में मैतेई और कुकी पहले भी मिल-जुलकर नहीं रहते थे, मैतेई समुदाय मुख्य रूप से इंफाल घाटी के मैदानी इलाकों में रहते हैं, जबकि कुकी पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करते हैं। लेकिन तीन सालों की हिंसा के बाद अब मैतेई और कुकी न केवल अपने-अपने क्षेत्रों में सिमट गए हैं, बल्कि एक समुदाय के लोग दूसरे समुदाय के इलाके में जाने का जोखिम भी नहीं एक राज्य के भीतर ऐसा बंटवारा एक भारत-श्रेष्ठ भारत के अनुरूप तो बिल्कुल नहीं है, लेकिन सरकार सच देखकर भी आंख फेर रही है। 2023 में हिंसा इसलिए भड़की थी, क्योंकि मैतेई समदापाको अनुसूचित जनजाति दर्जा की मांग पर मणिपुर हाईकोर्ट ने फैसला लिया था कि मैतेई समुदाय को एसटी सूची में शामिल किया जाए। 2012 से ही मैतेई समुदाय यह मांग कर रहा था ताकि उन्हें आरक्षण, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में लाभ मिले। लेकिन तब कुकी-जो समुदाय ने डर जताया कि एसटी दर्जा मिलने पर मैतेई पहाड़ी क्षेत्रों में जमीन खरीद सकेंगे, उनकी राजनीतिक शक्ति बढ़ेगी जबकि आदिवासियों की जमीन, नौकरियाँ तथा संसाधन प्रभावित होंगे।

इस फैसले का विरोध शुरु हुआ और 3 मई 2023 को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने पहाड़ी जिलों में 'ट्राइबल सॉलिडैरिटी यानी आदिवासी एकता मार्च' निकाला। इस मार्च के बाद इम्फाल घाटी और पहाड़ी क्षेत्रों में हिंसा भड़क उठी। और फिर उसकी आग कितनी फैल गई, ये सबने देखा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मणिपुर चर्चा में आ गया था, क्योंकि यहां दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनके साथ सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया था। तब भी तत्कालीन मुख्यमंत्री बीरेन सिंह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उम्मीद थी कि वे जल्द से जल्द हालात सामान्य करने के लिए कदम उठाएंगे।

पिछले साल फरवरी में एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा, सितंबर में प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर का दौरा किया और इस साल फरवरी में भाजपा के ही युम्नाम खेमचंद सिंह के नेतृत्व में नयी सरकार बनी।

होर्मुज संकट ने फिर बढ़ाई चिंता

अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के लिए तय संघर्षविराम की समयसीमा समाप्ति के समीप आ चुकी है, लेकिन शांति की दिशा में बढ़ने की उम्मीदों पर एक बार फिर अनिश्चितता के बादल छा गए हैं। इस बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी कार्रवाई और ईरानी जहाज की जब्ती ने पहले से संवेदनशील स्थिति को और अधिक भड़का दिया है। यह घटनाक्रम केवल दो देशों के बीच तनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर भी पड़ सकता है। हाल के दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक ओर शांति समझौते की बात करना और दूसरी ओर ईरान को कठोर चेतावनी देना दोहरा संकेत देता है कि अमेरिकी नीति में स्पष्टता बिलकुल नहीं है। ऐसे विरोधाभासी संकेत बातचीत की प्रक्रिया को न सिर्फ कमजोर करते हैं, बल्कि भरोसे के माहौल को भी तोड़ देते हैं। जब ऐसा लगता है कि तनाव कम होने की दिशा में कोई सकारात्मक पहल हो सकती है, तभी कोई बयान या कार्रवाई स्थिति को फिर से उलझा देती है। ईरान द्वारा बातचीत में शामिल होने को लेकर अनिच्छा जताना भी इसी स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। ईरान का कहना है कि वह अमेरिकी शर्तों और प्रतिबंधों के दबाव में बातचीत नहीं करेगा। यह रुख बताता है कि दोनों देशों के बीच विश्वास का संकट अभी भी कायम है। ऐसे माहौल में किसी स्थायी समाधान की उम्मीद करना जल्दबाजी होगी। होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। यह मार्ग विश्व की ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि यहां तनाव बढ़ता है या समुद्री आवागमन बाधित होता है, तो इसका सीधा प्रभाव अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर पड़ेगा। तेल की कीमतों में उछाल, व्यापारिक लागत में वृद्धि और आर्थिक अस्थिरता जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए यह केवल क्षेत्रीय विवाद नहीं, बल्कि वैश्विक चिंता का विषय है। यूएस और ईरान दोनों को यह समझना होगा कि सैन्य दबाव और धमकी की रणनीति लंबे समय तक समाधान का विकल्प नहीं बन सकती। बातचीत तभी सफल हो सकती है, जब दोनों पक्ष समान सम्मान और पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ें। यदि वार्ता को शर्तों और दबाव के दायरे में रखा जाएगा, तो उसका सकारात्मक परिणाम निकलना कठिन होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को तनाव से मुक्त रखा जाए और वहां से निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जाए। यह केवल क्षेत्रीय स्थिरता के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन के लिए भी अनिवार्य है। दोनों देशों को यह समझना होगा कि उनके निर्णयों का प्रभाव केवल उनकी सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित करता है। यदि अमेरिका और ईरान बातचीत के अवसर को खो देते हैं, तो यह केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भी एक गंभीर झटका होगा। इसलिए जरूरी है कि दोनों देश टकराव की राजनीति से ऊपर उठकर संवाद और विश्वास की राह अपनाएं। यही वह रास्ता है, जो क्षेत्रीय शांति के साथ-साथ विश्व व्यवस्था को भी स्थिरता प्रदान कर सकता है।

आधी आबादी की योगी कैबिनेट में बढ़ेगी हिस्सेदारी

अजय कुमार

चुनावी साल में उत्तर प्रदेश की सियासत में राजनैतिक हलचल तेज होती जा रही है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों की घड़ी सिर पर आ रही है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी सरकार की ताकत को मजबूत करने के लिए कैबिनेट विस्तार की तैयारी में जुटे हैं। खास बात यह है कि इस विस्तार का केंद्र बिंदु महिला वोटरों को खुश करना हो सकता है। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक के गिरने के बाद भाजपा ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे विरोधी दलों पर महिला विरोधी होने का ऐसा ठप्पा लगा दिया कि पूरा माहौल बन गया है। इसी माहौल का फायदा उठाते हुए योगी सरकार कैबिनेट में महिला मंत्रियों की संख्या बढ़ाकर मतदाताओं का दिल जीतने की कोशिश कर सकती है। न केवल महिलाएं, बल्कि ब्राह्मण, पिछड़ी जाति और दलित वोटरों को भी रिझाने के लिए इन वर्गों को अधिक प्रतिनिधित्व देकर सियासी समीकरण साधे जा सकते हैं। यह कदम चुनावी साल में सत्ताधारी दल की चतुराई का नमूना पेश करेगा।

राज्य की राजनीति हमेशा से जाति, धर्म और लिंग आधारित समीकरणों पर टिकी रही है। योगी आदित्यनाथ ने सत्ता संभालते ही हिंदुत्व और विकास के एजेंडे पर जोर दिया, लेकिन अब चुनावी दबाव में सामाजिक समावेश को प्राथमिकता मिल रही है। वर्तमान कैबिनेट में महिलाओं की संख्या सीमित है। बेबी रानी मौर्य और स्वाति सिंह जैसी कुछ नेता हैं, लेकिन कुल मिलाकर प्रतिनिधित्व कमजोर पड़ता है। अगर कैबिनेट का विस्तार होता है, तो पूर्वी उत्तर प्रदेश से आगरा की भाजपा सांसद डॉ. प्रोमिला कटियार या गोरखपुर की रवीना कुरेल जैसी सक्रिय महिला नेताओं को जगह मिल सकती है। पश्चिमी इलाके से मेरठ की राजकुमारी दीया या सहारनपुर की उषा सिद्धू भी दावेदार हो सकती हैं। इनमें से कई विधायक या सांसद हैं, जो जमीनी मुद्दों पर मुखर रही हैं। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भाजपा ने जो प्रचार किया, उसके जवाब में यह कदम महिलाओं को संदेश देगा कि हमारी सरकार उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने महिला आरक्षण बिल को लेकर जो शोर मचाया, वह अब विधानसभा स्तर पर फल दे सकता है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर लगाए गए, महिला विरोधी ठप्पे ने विपक्ष को रक्षात्मक बना दिया है। योगी सरकार इसी मौके को भुनाने के लिए कैबिनेट में कम से कम चार-पांच नई महिला मंत्रियों को शामिल कर सकती है। इससे ग्रामीण महिलाओं से लेकर शहरी मतदाताओं तक संदेश जाएगा कि भाजपा महिलाओं के हितों की रक्षा करेगी। उदाहरण के तौर पर, बुनकर बाहुल्य इलाकों से पिछड़ी जाति की महिलाओं को जगह देकर दोहरी रणनीति अपनाई जा सकती है। अवध क्षेत्र की लक्ष्मी चौधरी या बुंदेलखंड की सुनीता सिद्धू जैसी नेता इस फॉर्मूले में फिट बैठती हैं। कैबिनेट विस्तार से न केवल संख्या बढ़ेगी, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों और जातियों का प्रतिनिधित्व भी सुनिश्चित होगा। यह चुनावी लाभ के साथ-साथ सामाजिक संतुलन भी लाएगा।

लेकिन महिला वोटरों को खुश करने की रणनीति केवल संख्या पर टिकी नहीं रहेगी। इन महिला मंत्रियों को महत्वपूर्ण विभाग सौंपे जाएंगे, जैसे महिला कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा या ग्रामीण विकास। इससे साबित होगा कि यह प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का माध्यम है। योगी सरकार पहले ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मुहलक्ष्मी योजना और पिंक बस जैसी योजनाओं से महिलाओं का विश्वास जीत चुकी है। कैबिनेट विस्तार इन प्रयासों को मजबूती देगा। विपक्षी समाजवादी पार्टी पर पिता-पुत्र की सियासत का आरोप लगाकर भाजपा महिलाओं को भावनात्मक रूप से जोड़ रही है। अखिलेश यादव सरकार के समय महिलाओं के प्रति उदासीनता के उदाहरणों को बार-बार उछाला जा रहा है। ऐसे में योगी का यह दांव विपक्ष को कटघरे में ला खड़ा करेगा।

आरोपों की आवाज़ ऊंची थी, पर निर्णय की नींव गहरी थी

आरके जैन

कभी-कभी अदालतों में सिर्फ़ मुकदमे नहीं, बल्कि लोकतंत्र के सिद्धांतों की भी असली परीक्षा होती है-और 20 अप्रैल 2026 को दिल्ली में यही तस्वीर दिखी। आरोपों और संस्थागत गरिमा के बीच सीधा टकराव था, और सवाल था कि न्याय किस आधार पर टिकेगा। दिल्ली उच्च न्यायालय के कक्ष में जब अरविंद केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा से खुद को मामले से अलग करने की मांग उठाई, तो बहस एक साधारण कानूनी प्रक्रिया से आगे बढ़कर न्यायिक निष्पक्षता पर केंद्रित हो गई। लेकिन सुनवाई के अंत में अदालत ने रिक्यूसल याचिका खारिज कर स्पष्ट कर दिया कि न्याय न आशंकाओं पर चलता है, न संकेतों पर डगमगाता है; वह ठोस प्रमाण, तर्क और कानून की मजबूत नींव पर टिका होता है।

बहस की दिशा अचानक तब बदली, जब अरविंद केजरीवाल ने अपने अतिरिक्त हलफ़नामे के माध्यम से मुद्दे को जज के निजी पेशेवर संबंधों तक विस्तार दे दिया। उन्होंने तर्क दिया कि जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा के बेटे और बेटी सरकारी पैनल के वकील हैं और उन्हें तुषार मेहता जैसे सॉलिसिटर जनरल के जरिए लगातार काम मिलता है, जो इसी मामले में जांच एजेंसियों का पक्ष रख रहे हैं। इसी आधार पर उन्होंने निष्पक्ष सुनवाई पर "उचित संदेह" जताते हुए जज के अलग होने की मांग की। यह दलील सीधे न्यायपालिका की निष्पक्षता और उसकी सार्वजनिक विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़ा करने वाली थी। केजरीवाल की दलील महज़ एक नेता की व्यक्तिगत आपत्ति नहीं, बल्कि उस व्यापक और गहरी लोकतांत्रिक चिंता की अभिव्यक्ति है कि न्याय सिर्फ़ निष्पक्ष हो ही नहीं, बल्कि निष्पक्ष दिखाई भी दे। खासकर तब, जब मामला राजनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील हो और उसमें केंद्र सरकार की एजेंसियां सक्रिय रूप से शामिल हों, हर संभावित जुड़ाव-चाहे प्रत्यक्ष हो या परोक्ष-स्वाभाविक रूप से सवाल और शंकाएँ पैदा कर सकता है। इसी नजरिए से देखें तो अरविंद केजरीवाल का तर्क पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता; यह लोकतांत्रिक पारदर्शिता, संस्थागत विश्वसनीयता और जवाबदेही की वैध मांग का भी संकेत देता है।

अदालत ने जब इस पूरे तर्क-विन्यास को गहराई से परत-दर-परत खंगाला, तो उसकी कानूनी मजबूती खुद ही सवालों के घेरे में आ गई। जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा ने स्पष्ट कहा कि महज़ आशंका या संकेत किसी न्यायाधीश को हटाने का वैध आधार नहीं बन सकते, क्योंकि इससे पूरी न्यायिक प्रक्रिया अस्थिर और संदिग्ध हो जाएगी। उन्होंने यह भी चेताया कि अगर ऐसे तर्कों को मान्यता मिल गई, तो हर मुकदमे में जजों के निजी जीवन और पारिवारिक संबंधों को हथियार बनाया जाने लगेगा। इसी निर्णायक मोड़ पर अदालत ने न केवल दलीलों को सिरे से खारिज किया, बल्कि स्पष्ट और सख्त शब्दों में आदेश सुनाया-याचिका खारिज की जाती है।

बहस के बीच एक ऐसा निर्णायक क्षण आया, जिसने पूरे विवाद का केंद्र ही बदल दिया-" अगर राजनेताओं के बच्चे राजनीति में आ सकते हैं, तो जजों के बच्चे वकालत क्यों नहीं कर सकते?" जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा की यह टिप्पणी महज़ एक प्रतिवाद नहीं, बल्कि एक गहरे संवैधानिक सिद्धांत की स्पष्ट और सशक्त पुनर्पुष्टि थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी भी नागरिक को उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर पेशा चुनने से वंचित नहीं किया जा सकता। यह सीधे-सीधे मौलिक अधिकारों का प्रश्न है, जिसे किसी मुकदमेबाज़ की रणनीति या सुविधा के लिए सीमित नहीं किया जा सकता।

इस पूरे घटनाक्रम को सिर्फ़ अदालत के निर्णय तक सीमित कर देना वास्तविक तस्वीर को छोटा कर देना होगा। अरविंद केजरीवाल का पक्ष साफ़ संकेत देता है कि राजनीति और न्यायपालिका के बीच अविश्वास की खाई लगातार गहराती जा रही है।

जब एक निर्वाचित नेता बार-बार अपने खिलाफ़ कार्रवाई को राजनीतिक करार देता है, तो यह केवल आरोप नहीं, बल्कि उस व्यापक माहौल की झलक है जहाँ संस्थाओं पर भरोसा डगमगाने लगता है। ऐसे परिदृश्य में अदालत पर भी यह अतिरिक्त दायित्व आ जाता है कि वह सिर्फ़ निष्पक्ष रहे ही नहीं, बल्कि अपनी निष्पक्षता को स्पष्ट, पारदर्शी और भरोसेमंद तरीके से प्रदर्शित भी करे।

अदालत ने इस पूरे विवाद को केवल तात्कालिक नहीं, बल्कि उसके व्यापक और दूरगामी प्रभावों के संदर्भ में देखा। जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा ने स्पष्ट कहा कि यदि केवल आशंका या अपुष्ट सूचनाओं के आधार पर फैसले होने लगें, तो न्यायपालिका की बुनियाद ही डगमगा सकती है। उन्होंने अपने आदेश में रेखांकित किया कि आरटीआई या परोक्ष जानकारियों के आधार पर किसी दुरुपयोग का कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया। यदि ऐसी याचिकाओं को स्वीकार करने की प्रवृत्ति शुरू हो गई, तो हर जज और उसके परिवार पर संदेह का वातावरण बनेगा, जो अंततः लोकतंत्र के लिए गंभीर रूप से घातक साबित होगा। यह घटनाक्रम लोकतंत्र के उस जटिल और नाज़ुक संतुलन को उजागर करता है, जहां पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग, संस्थाओं की स्वतंत्रता और स्थिरता से टकराती नजर आती है।

अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज होना केवल एक साधारण कानूनी फैसला नहीं, बल्कि एक स्पष्ट और मजबूत सिद्धांत की स्थापना है-कि न्यायपालिका आरोपों या दबाव के आगे नहीं झुकेगी। साथ ही, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ऐसे विवाद यह संकेत देते हैं कि आपसी विश्वास बहाल करने के लिए दोनों पक्षों को अपनी सीमाओं, जिम्मेदारियों और आचरण की मर्यादाओं को समझना और मानना होगा।

जब बहस थमती है और फैसले दर्ज हो जाते हैं, तब असली सवाल सामने आता है-न्याय की विश्वसनीयता किस पर टिकी है। इस पूरे प्रकरण ने साफ़ किया कि न्याय केवल निर्णयों से नहीं, बल्कि प्रक्रिया की पारदर्शिता और भरोसे से बनता है। अदालत ने याचिका खारिज कर यह रेखांकित कर दिया कि ठोस प्रमाण के बिना कोई भी आशंका न्यायिक हस्तक्षेप का आधार नहीं हो सकती। फिर भी, यह प्रश्न बना रहता है कि क्या हमारी राजनीतिक और न्यायिक संस्थाएं वह भरोसा कायम कर पा रही हैं, जिसकी एक सुदृढ़ लोकतंत्र को आवश्यकता है। अंततः, यही निष्कर्ष उभरता है-संतुलन, पारदर्शिता और सिद्धांतों के बीच सटीक तालमेल ही लोकतंत्र को मजबूत बनाता है।

धधकती धरती: विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

योगेश कुमार गोयल

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है।

मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है।

सूत न कपास फिर भी लट्ठम लट्ठा

डॉ टी महादेव राव

भगवान से तुमने क्या मांगा श्रीमती जी? अगले जनम में भी आपको ही पति के रूप में।

एक तो तुम मुझसे परेशान रहती हो, दूसरा मुझसे लड़ती झगड़ती रहती हो। रोज का जंजाल चलता है हमारे बीच। फिर भी तुम ...

आपके कहना सही है। इतनी मेहनत से तो आपको एक सही पति के रूप में तराशा है। अब प्रशिक्षित पति को छोड़कर नए किसी को फिर से कौन सुधार करे, मेहनत करे। इसलिए अगले जनम में आपको ही पति के रूप में पाना चाहती हूं। वही मांगा है।

आपने क्या मांगा है भगवान से? मैं...अब छोड़ो।

बताना तो पड़ेगा ही। बताइए न! मैंने अगले जनम में अच्छी पत्नी देने की अर्जी लगाई है। देखें क्या होता है? मतलब मैं अच्छी नहीं हूं। झगड़ालू हूं, तुमसे लड़ती बिगड़ती हूं। भागवान! मैं कब कहता हूं कि तुम अच्छी नहीं हो। तुम तो बहुत अच्छी हो। मगर क्या है न, भगवान की निगाह में भी तो तुम्हारी अच्छाई को प्रशंसा मिले, मान्यता मिले। इसलिए मैंने जानबूझकर अच्छी पत्नी शब्द का इस्तेमाल किया है।

न। मैं जानती हूं, तुम झूठ बोल रहे हो। पिछले दिनों सामने वाली सरिता के तारीफ के कसीदे काढ़ रहे थे। अच्छी पत्नी हैं आप, शिरीष जी बड़ी किस्मत वाले हैं जो आपसे ब्याहे गए। मतलब आपकी नजर में वही अच्छी पत्नी है। मैं तो गिनती में भी नहीं।

अरे यार! तुम तो बात का बतंगड़ बनाए जा रही हो। मेरा मतलब यह नहीं था। मतलब जो थोड़ी बहुत अच्छाई की कमी तुम में है उसे दूर कर मुझे अच्छी पत्नी के रूप में अगले जन्म में तुम्हीं को देंगे भगवान, ऐसा मेरा कहना था। अगर तुम मेरी कमियां बता दो तो मैं अभी से उनमें सुधार कर लूं, ताकि अगले जन्म में हम और तुम फिर दंपति के रूप में मिल सकें। हमने तो मुझे सरौते में सुपारी की तरह फंसा दिया है। अच्छाई बताओ तो तुम जितना खुश हो जाती हो बुराइयां बताऊंगा तो उससे ज्यादा गुस्सैल होकर झगड़ने लगती हो क्या करूं बोलो?

मतलब मुझ में बुराई है और तुम मेरी बुराई नहीं करना चाहते या नहीं बताना चाहते ताकि मैं अगले जन्म में तुम्हारी पत्नी न बन सकूं मुझसे परेशान हो गए हो तुम।अरे नहीं यार। तुम तो बात बनाने लगती हो लेकिन बताओ अचानक अगले जन्म की बात हुई तो हुई कैसे? कल एक स्वामी जी आए थे जिन्होंने कहा कि बार-बार भगवान से अगले जन्म में पति के रूप में इस जन्म के व्यक्ति को ही चाहोगी, मांगोगी तो भगवान अवश्य आपकी बात सुन लेते हैं। उनका कहना है इस मामले में भगवान बड़े प्रसन्न होते हैं और वरदान दे देते हैं। इसीलिए मैंने ऐसा कहा। यह बताने के लिए उस स्वामी जी ने कितने रुपए की दक्षिणा प्राप्त की? सिर्फ दो हज़ार पांच सौ सोलह रुपए दक्षिणा दी है मैंने।

जब मैं कहता हूं मुझे दोस्तों के साथ पार्टी करनी है पैसे दे दो तो तुम्हारे पास पैसे नहीं होते। तुम इनकार कर देती हो और इस तरह से स्वामी जी, बाबा जी, संत, योगी के नाम पर जो ठगी करते हैं उनको बड़ी रकम दान दक्षिणा के रूप में देती हो। यह तुम्हारी सबसे बड़ी बुराई है। इसे तुम सुधार भी नहीं सकती। और जो तुम अपने दोस्तों के साथ गुलछर्रे उड़ाते हो और पैसे बर्बाद करते हो।

सालों से एक ही गद्दे पर सोते आ रहे हैं तो, कितने समय बाद बदल देना चाहिए ?

हर चीज की एक एक्सपायरी डेट होती है। खाने-पीने से लेकर ब्यूटी प्रोडक्ट्स तक, हम किसी भी सामान को इस्तेमाल करने से पहले उसकी एक्सपायरी डेट जरूर चेक करते हैं। लेकिन क्या कभी आपने अपने तकिए, गद्दे या कटलरी के साथ ऐसा किया है? क्या आपने कभी सोचा है कि आप किसी तकिए, गद्दे या किचन में मौजूद बर्तनों को कब तक इस्तेमाल कर सकते हैं? जाहिर तौर पर इन सामानों पर पहले से ऐसी कोई तारीख नहीं लिखी होती है, हालांकि हेल्थ एक्सपर्ट्स अन्य किसी भी चीज की तरह ही इस तरह के सामानों को भी एक तय समय तक ही इस्तेमाल करना सही बताते हैं।

दरअसल, बार-बार सफाई करने के बावजूद हमारे घरों में कीटाणु और बैक्टीरिया बढ़ सकते हैं। खासकर रसोई और बाथरूम जैसी जगहों पर बैक्टीरिया बढ़ने का खतरा सबसे अधिक देखने को मिलता है। इसी तरह क्योंकि हम गद्दे और तकियों को धोकर साफ नहीं कर पाते हैं, ऐसे में

इनमें सालों से धूल-मिट्टी जमा होती रहती है, जो आपको बीमारियों के प्रति संवेदनशील बना सकती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि कितने समय तक इस तरह की चीजों का इस्तेमाल करना सही है-

बांस के कंटेनर

अगर आपकी किचन में बांस के कंटेनर मौजूद हैं, तो एक्सपर्ट्स इन्हें हर 2 से 3 साल बाद बदल देने की सलाह देते हैं। अधिक समय तक इस तरह के कंटेनर का इस्तेमाल करने से इसमें फफूंद लग सकती है या नमी के संपर्क में आने से बैक्टीरिया का खतरा भी बढ़ सकता है। ऐसे में अच्छी सेहत के लिए समय-समय पर इन कंटेनरों की सफाई करते रहें, साथ ही हर 2 से 3 साल बाद इन्हें बदल दें।

बर्तन साफ करने वाले स्पंज

बर्तन साफ करने वाले स्पंज में सबसे अधिक तेजी से बैक्टीरिया पनपते हैं। ऐसे में कीटाणुओं को मारने के लिए आप रोज 1 मिनट के लिए नम स्पंज को माइक्रोवेव कर सकते हैं। इससे अलग एक्सपर्ट्स हर 1 से 2 हफ्ते में स्पंज बदलने की सलाह देते हैं।

कटिंग बोर्ड

अगर आप कटिंग बोर्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो इसे हर एक से डेढ़ साल में बदलना जरूरी हो जाता है। इससे अलग एक्सपर्ट्स कच्चे मांस, पोल्ट्री और सब्जियों के लिए अलग-अलग कटिंग बोर्ड का उपयोग करने की सलाह देते हैं।

नॉन-स्टिक पैन

नॉन-स्टिक कोटिंग समय के साथ खराब होकर भोजन में हानिकारक रसायन छोड़ सकती है। ऐसे में उच्च गुणवत्ता वाले पैन या नॉन-स्टिक बर्तनों में निवेश करें, साथ ही हर 3 से 5 साल में इन्हें बदल दें।

तकिए

किचन के सामानों से अलग बात तकिए की करें, तो जैसा की ऊपर जिक्र किया गया है, समय के साथ तकिए में डेड स्किन सेल्स, धूल के कण और पसीना जमा हो जाता है, जिससे एलर्जी और श्वसन संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में समय-समय पक तकिए के कवर को धोते रहें, साथ ही किसी भी एक तकिए का इस्तेमाल केवल 1 से 2 साल तक ही करें।

गद्दा

हर 2 महीने के अंदर अपने गद्दों को कुछ समय धूप में जरूर रखें, साथ ही किसी लकड़ी की मदद से इनमें मौजूद धूल को बाहर निकालने की कोशिश करें। इससे अलग समय-समय पर गद्दों को पलटकर इनका इस्तेमाल करें, गद्दों पर बेडशीट से अलग भी एक कवर चढ़ाकर रखें और किसी भी गद्दे का इस्तेमाल केवल 7 से 10 वर्ष तक ही करें।

कालीन

कालीन भी धूल-मिट्टी को अपने अंदर इक्ट्ठा करते हैं। ऐसे में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए कालीनों को हर रोज वैक्यूम क्लीनर की मदद से साफ करें और हर 8 से 10 साल में इन्हें बदल दें।

ज्यादातर लोग भिंडी खरीदने से पहले करते हैं ये गलती! इन बातों का रखें ध्यान

इस समय बाजार में आपको पर्याप्त मात्रा में भिंडी मिल जाएगा। लेकिन, इसे खरीदने में की गई गतलियां कई बार स्वाद और पैसा दोनों के खराब होने का अहसास कराती है। आपसे भी ये गलती कई बार हुई होगी कि जब भी आप भिंडी खरीदकर लाते होंगे तो ये खराब निकल जाते होंगे। जैसे कि भिंडी ताजी नहीं होगी या फिर इनमें कीड़े निकल जाते होंगे। ऐसे में अपसोस मनाने से अच्छा ये है कि आप कुछ बातों का ध्यान रखें और जब भी भिंडी खरीदने जाएं तो इन टिप्रस को दिमाग में रख लें। तो, इससे आप ताजी भिंडी खरीद लेंगे वो भी फटाफट बिना समय लगाए।

कैसे करें ताजी भिंडी की पहचान?

सबसे पहले भिंडी के आखिरी हिस्स को देखें

भिंडी खरीदते समय सबसे पहले को इसके आखिरी हिस्से को देखें जो कि अगर फ्रेश और ताजे हरे रंग का होगा तो, समझ जाएं कि ये ताजी तोड़कर लाएगी भिंडी है। अगर ये सूखा हुआ और आखिरी हिस्से पर सिकुड़न सा दिख रहा है तो समझ जाएं कि ये बहुत पहले तोड़ी गई थी और इसकी ताजगी अब लगभग खत्म होने को हैष। इनमें बड़े बीज के साथ कीड़े होने की भी संभावना ज्यादा होती है।

भिंडी के टिप को तोड़कर देखें

ये सबसे पुराना तरीका है जिसमें लोग भिंड़ी को तोड़कर देखते हैं। लेकिन, कुछ लोग भिंडी को बीच से ही तोड़ने लगते हैं जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। तो, अगर आप बाजार में खड़े हैं और भिड़ी खरीद रहे हैं तो तो एक भिंडी उठाएं और इसके टिप को खटाक से तोड़कर देखें। अगर ये बिना किसी जोर लगाए टूट जाती है तो ये फ्रेश है और आप इसे खरीद सकते हैं।

भिंडी की रंगत बता देगी

भिंडी की रंगत बता सकती है कि ये ताजी है या नहीं। दरअसल, आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जब भी आप भिंडी खरीदने जाएं देखें कि ये कितनी हरी है और इसमें कितनी नमी नजर आ रही है। तो, आपको करना ये है कि भिंडी खरीदते समय इसकी रंगत पर नजर रखना है और अगर ये नमी से भरपूर हरी नजर आ रही है तो इसे खरीद लें।

ताजी देसी भिंडी में होंगे हल्के कांटे

भिंडी की सबसे बढ़िया वैरायटी कौन सी है, अगर इस बात पर ध्यान दें तो देसी भिंडी ज्यादा बेहतर होती है। देसी भिंडी की पहचान का सबसे सिंपल तरीका ये है कि इस पर हल्के कांटे नजर आएंगे और हांथ से छूने पर आप इसे महसूस करेंगे। तो, जब भी आप भिंडी खरीदने जाएं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसा करने से आपके पैसे भी बर्बाद नहीं होंगे और खाने में आपका स्वाद भी बरकरार रहेगा।

ये फूड अंग-अंग में भर देंगे एनर्जी, स्टेमिना भी हो जाएगा बूस्ट

भागदौड़ भरी जिंदगी में आजकल अक्सर लोग तनाव भरी जिंदगी जीते हैं। ऐसे में पार्टनर के साथ संबंध बनाने में बोरियत होने लगती है। इससे रिश्तों में खटास आने लगती है जो डिप्रेशन को कई गुना बढ़ा देती है। हर कोई जीवन में कभी न कभी इस परिस्थिति से जरूर गुजरता है। अगर आपके जीवन में भी ऐसा है तो विज्ञान प्रमाणित कुछ खास फूड का सेवन फिजिकल रिलेशन बनाने से पहले करें। निश्चित रूप इन चीजों के सेवन से मूड बेहतर बनेगा और स्टेमिना बूस्ट होगा और आप मन से अपने पार्टनर पर प्यार लुटाने के लिए तैयार हो जाएंगे। आइए जानते हैं कुछ ऐसे हेल्दी फूड्स के बारे में जिनका सेवन फिजिकल रिलेशनशिप से पहले करना फायदेमंद होता है।

ब्लैक रस्पबैरीज

ब्लैक रस्पबैरीज स्ट्रॉबेरी की तरह ही फ्रूट

होता है जो बेहद शक्तिशाली है। इसमें फायटोकेमिकल होता है जो कामेच्छा और स्टेमिना दोनों को बूस्ट करता है। भारत में रस्पबैरीज थोड़ा कम मिलती है लेकिन इसके बदले में आप जामनु या स्ट्रॉबेरी खा सकते हैं।

अनार

वेबएमडी ने रिसर्च के हवाले से बताया है कि अनार सेक्शुअल रिलेशनशिप में ताजगी लाने के

लिए बेहद फायदेमंद है। यह फर्टिलिटी और सेक्स पावर को बढ़ाता है। रिसर्च के मुताबिक फिजिकल रिलेशन से पहले अनार के जूस का सेवन मूड को बेहतर बनाता है। शरीर के रक्त संचार में वृद्धि करता है और सेक्स हार्मोन टेस्टेस्टोरोन के स्तर को बढ़ाता है।

तरबूज

गर्मी का मौसम आ गया है ऐसे में तरबूज सिर्फ डिहाइड्रेश में फायदेमंद नहीं है बल्कि यह यौन संबधों में बहुत जल्दी कामेच्छा को बढ़ाने में मददगार है। तरबूज में में सिट्रोलीन और अर्जेनाइन जैसे एमिनो एसिड पाए जाते हैं। ये दोनों एमिनो एसिड ब्लड वेसल्स को रिलेक्स पहुंचाते हैं। इन एमिनो एसिड के कारण ब्लड का फ्लो प्राइवेट पार्ट की तरफ बढ़ जाता है।

एवोकाडो

एवोकाडो पोषक तत्वों का खजाना है लेकिन यह यौन शक्तिवर्धन भी है। इसमें पर्याप्त मात्रा में हेल्दी फैट और फाइबर पाया जाता है जो एनर्जी और स्टेमिना दोनों को बढ़ाता है। इसमें विटामिन बी 6 पाया जाता है जो थकान को दूर करता है। थकान दूर होने से मूड बेहतर बनता है।

गर्मी में टैन और डल दिखने लगा है चेहरा? घर पर बना लें ये फेस पैक

गर्मी के मौसम में धूप और धूल-मिट्टी के संपर्क में आने से स्किन अपनी रंगत खोने लगती है। थोड़ी देर भी तेज धूप में बाहर निकलने पर टैनिंग के चलते चेहरा डल और बेजान दिखने लगता है। वहीं, एक बार

टैनिंग होने पर इससे छुटकारा पाना भी बेहद मुश्किल हो जाता है। ऐसे में लोग पार्लर जाकर डी-टैन जैसे महंगे ट्रीटमेंट लेने को मजबूर हो जाते हैं।

हालांकि, अगर आप भी इस तरह की परेशानी का सामना कर रहे हैं और पार्लर के खर्च से बचते हुए घर पर ही जिद्दी टैनिंग से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो यहां हम आपको एक कमाल के होममेड फेस पैक के बारे में बता रहे हैं।

दरअसल, इन दिनों सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें महिलाएं कॉफी से तैयार एक खास फेस पैक इस्तेमाल करती नजर आ रही हैं। वहीं, वीडियो में ये भी देखा जा रहा है कि ये पैक उन महिलाओं को कुछ ही मिनटों में चांदी जैसा ग्लो दे देता है। ऐसे में आइए जानते हैं इस वायरल फेस पैक के बारे में, साथ ही जानेंगे कि किस तरह इसका इस्तेमाल टैनिंग को खत्म कर चांद जैसी ग्लोइंग स्किन पाने में मददगार हो सकता है।

कैसे करें तैयार?

फेस पैक बनाने के लिए आपको 1 चम्मच कॉफी पाउडर, 1 चम्मच टमाटर के पेस्ट और 1 चम्मच चावल के आटे की जरूरत होगी।

पैक बनाने के लिए तीनों चीजों को एक साफ कटोरी में मिलाकर अच्छी तरह चला लें।

इसके बाद अपने चेहरे को फेस वॉश की मदद से अच्छी तरह धोकर साफ कर लें और पानी को स्किन से पूरी तरह साफ कर ऊंगलियों या साफ मेकअप बर्श की मदद से तैयार पैक को चेहरे पर लगाएं।

ध्यान रहे कि आपको पैक की एक पतली परत स्किन पर लगानी है और इसे आंखों से कुछ हद तक दूर ही रखना है।

करीब 15 से 20 मिनट तक स्किन पर पैक को लगा रहने दें।

तय समय बाद गुनगुने पानी से चेहरा धोते हुए सर्कुलर मोशन में चेहरे की मसाज करें।

स्किन से फेस पैक पूरी तरह साफ हो जाने के बाद कॉटन के साफ कपड़े की मदद से चेहरे से पानी को सोख लें।

हाइड्रेशन बनाए रखने के लिए आखिर में आप अपनी पसंद का कोई भी मॉइस्चराइज़र या सीरम इस्तेमाल कर सकते हैं।

गर्मियों में डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए परफेक्ट हैं ये जगहें, बेहद कम बजट में कर पाएंगे शादी

डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए कई लोग बीच साइड को अपनी पहली पसंद रखते हैं। इसके लिए आप ओडिशा का रुख कर सकते हैं। यहां पुरी बीच, चांदीपुर बीच, पारादीप बीच, गोपालपुर बीच, आर्यपल्ली बीच जैसी कई ओर जगहें हैं जो आपकी ड्रीम वेडिंग के लिए एकदम परफेक्ट साबित हो सकती हैं।

शादी हर किसी की लाइफ के सबसे खास पलों में से एक होती है। हर कोई ऐसी ड्रीम वेडिंग चाहता है जो उनके साथ-साथ सभी रिश्तेदारों के लिए भी यादगार बन जाए। इसी कड़ी में अब डेस्टिनेशन वेडिंग का ट्रेंड काफी तेजी से फैल रहा है। हालांकि, इस तरह की शादी में जेब खर्च अधिक हो जाता है। यही वजह है कि घर से दूर किसी खूबसूरत जगह पर सात-फेरे लेने का अधिकतर लोगों का सपना अधूरा ही रह जाता है। अगर आप भी इन्हीं लोगों में से एक हैं, तो समझ लीजिए कि अब अपने इस सपने को साकार करने का समय आ गया है। इस आर्टिकल में हम आपको भारत की ही कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप आसानी से सेलिब्रिटीज जैसी वेडिंग की फील ले सकते हैं। कमाल की बात यह है कि इससे आपकी जेब पर भी अधिक खर्चे का बोझ नहीं पड़ेगा।

बीच साइड वेडिंग के लिए बेस्ट हैं ये जगहः

डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए कई लोग बीच साइड को अपनी पहली पसंद रखते हैं। बीते कुछ समय पहले ही फेमस टीवी शो 'ये हैं मोहब्बतें' की एक्ट्रेस कृष्णा मुखर्जी ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड चिराग बाटलीवाला संग समुद्र किनारे सात फेरे लिए थे। वहीं, दोनों की शादी की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गई थीं। कई लोगों को समुद्र किनारे शादी करने का कृष्णा मुखर्जी का प्लान एक दम परफेक्ट लगा।

हालांकि, अगर आप इस तरह की शादी के लिए गोवा या मालदीव जैसी जगह जाने के लिए सोच रहे हैं, तो बता दें कि ये आपकी जेब पर काफी बोझ डाल सकता है। इससे अलग आप ओडिशा का रुख कर सकते हैं। यहां पुरी बीच, चांदीपुर बीच, पारादीप बीच, गोपालपुर बीच, आर्यपल्ली बीच जैसी कई ओर जगहें हैं जो आपकी ड्रीम वेडिंग के लिए एकदम परफेक्ट साबित हो सकती हैं। इन जगहों पर शादी का खर्च भी बेहद कम आता है। हालांकि यहां इसके लिए आपको आधिकारिक तौर पर अनुमति लेनी होगी।

पूरा होगा शाही महल में शादी का सपनाः

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ और अभिनेता विक्की कौशल ने 9 दिसंबर 2021 को राजस्थान के सवाई माधोपुर के सिक्स सेंस रिजॉर्ट में शाही शादी की थी। वहीं, खबरों की मानें तो दोनों ने अपनी जिंदगी के सबसे अहम दिन पर करीब 4 करोड़ रुपये खर्च किए थे। इसके अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने भी जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में भव्य तरीके से शादी रचाई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस रॉयल वेडिंग पर स्टार कपल ने करीब 2 करोड़ 14 लाख और 80 हजार रुपये का खर्चा किया था। ऐसे में अगर आप भी ऐसे ही किसी शाही महल में शादी करने का सपना देख रहे हैं, तो बता दें कि इसे बेहद कम बजट में भी पूरा किया जा सकता है। राजस्थान के किसी ऐतिहासिक महल के खर्च से बचने के लिए आप मध्यप्रदेश जा सकते हैं। यहां का मांडू शहर सस्ते वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

हिल स्टेशन पर यादगार बनेगा दिनः

वहीं, अगर बीच साइड या शाही महल से अलग आप पहाड़ों पर शादी करने का मन बना रहे हैं, तो बिना ज्यादा सोचे 'क्वीन ऑफ हिल्स' यानी मसूरी पहुंच जाइए। यहां आप कम खर्चे में डेस्टिनेशन वेडिंग के ख्वाब को आसानी से पूरा कर सकते हैं।

मसूरी में खूबसूरत पहाड़ियों के बीच रिजोर्ट्स और होटल्स में शादी करने का एक अलग ही मजा है। इससे अलग आप हिमाचल प्रदेश की ओर भी रुख कर सकते हैं।

मोती की तरह चमकेंगे दांत, बस ब्रश करते समय 2 चुटकी इस्तेमाल करें ये चीजें

समय के साथ दांतों की रंगत खराब होने लगती हैं। लगातार फास्ट फूड का सेवन और फिर फर्मेंटेड फूड्स को ज्यादा खाना दांतों की अपनी परत को खोखली करने लगती है और इससे हमारे दांत पीले पड़ने लगते हैं। ये देखने में तो खराब लगते ही हैं साथ ही समय के साथ ये पीलापन और बढ़ने लगता है। ऐसी स्थिति में आप दांतों के लिए इन दो टिप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं जो कि दांत को ऊपर से साफ करने, इसके पीलेपन को हटाने और फिर इसकी रंगत को बेहतर बनाकर चमकाने में मदद कर सकते हैं। तो, आइए जानते हैं दांत चमकाने के घरेलू नुस्खे।

बेकिंग सोडा और नींबू

बेकिंग सोडा और नींबू के इस्तेमाल से दांतों को साफ करना बेहद आसान होता है। दरअसल, ये दोनों दांतों पर जमा गंदगी की परत को साफ करते हैं और फिर इसका पीलापन हटाने में मदद करते हैं। दरअसल, नींबू का स्कॉर्बिक एसिड और बेकिंग सोडा का एक्टिवेटर गुण मिलकर दांतों पर जमा गंदगी को डिटॉक्स करते हैं और इन्हें साफ करने में मदद करते हैं। तो, आपको करना ये है कि ब्रश करते समय बेकिंग सोडा में नींबू का रस मिला लें और फिर दोनों को मिलाकर अपने दातों को स्क्रब करें। इसके बाद पानी से कुल्ला करें। ये काम आपको हफ्ते में 3 दिन करना है। आप पाएंगे कि आपके दांतों की चमक बढ़ जाएगी।

हल्दी और नमक से दांत साफ कैसे करें

हल्दी और नमक से दांत साफ करना दो तरीके से काम करता है। पहले तो, हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं तो नमक एक बेहतरीन स्क्रबर की तरह काम करता है। जब आप इन दोनों को मिलाकर दांतों की सफाई करते हैं तो, दांक मजबूत होने के साथ स्वस्थ भी होते हैं। दांतों की परत को नुकसान नहीं होता है और दांतों में कीड़े नहीं लगते। इसके अलावा नमक पूरे मुंह को साफ कर देता है।

बर्फ की तरह पेट को ठंडा कर देगा ये जूस, पूरी गर्मी पीते रहें!

दरअसल, गर्मियों में जैसे ही शरीर में पानी की कमी होने लगती है शरीर का खाना पचना बंद हो जाता है। इससे शुरू होती है अपच और ब्लोटिंग से जुड़ी

समस्याएं। दूसरा, पानी की कमी से शरीर के कई अंगों में अकड़न होती है और फिर स्किन भी ड्राई हो जाती है। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि आप पानी की कमी से बचें और इसके लिए रेगुलर संतुलित मात्रा में जूस पीते रहें, पानी वाले फल खाते रहें और पानी पीते रहें। ऐसी ही एक ड्रिंक है पुदीना पन्ना जो कि गर्मियों में शरीर में हाइड्रेशन बनाए रखने में मदद कर सकती है।

पुदीने का ये जूस कैसे बनाते हैं। पुदीना पन्ना बनाने की विधि

पुदीना पन्ना बनाना बेहद आसान है। ये आराम पन्ना से थोड़ा अलग है और इसे आप अपने हिसाब से खट्टा या मीठा बना सकता है। तो इसे बनाने के लिए सबसे पहले तो पुदीने की पत्तियों को पीसकर रख लें। ध्यान रखें कि इसके लिए पुदीना ज्यादा मात्रा चाहिए। इसके बाद आपको करना ये है कि इमली या कच्ची अमिया को पीसकर या पानी में मिलाकर रख लें। अब एक पैन लें और इसमें थोड़ा सा तेल डालें। इसमें सौंफ, अजवाइन, नमक और गुड़ डालें। सबको थोड़ा मिलाएं और जब गुड़ पिघल जाए तो इसमें पुदीने का रस या इमली या कच्ची अमिया के रस को मिला लें। अब इसमें थोड़ा और पानी मिलाएं और जब ये गाढ़ा हो जाए तो इसे छान कर रख लें।

इसके बाद आपको करना ये है कि इस पेस्ट में ठंडा पानी मिलाएं और जूस को पूरी तरह से मिक्स कर लें। अच्छे से मिक्स हो जाने के बाद इसे एक बोतल में डालकर फ्रिज में रख लें। फिर इसे जब चाहें निकालकर आराम से बैठकर पिएं। इस पन्ना जूस को आप जिस मात्रा में बनाकर पीना चाहते हैं पी सकते हैं। साथ ही अगर आपके पास इमली या कच्ची अमिया नहीं है तो अमचूर पाउडर से भी आप इसे बना सकते हैं। आपको इस गर्मी इस ड्रिंक को बनाकर जरूर ट्राई कर लेना चाहिए। ये ड्रिंक काफी हेल्दी है और पेट को ठंडा करने वाला भी है। इसके सेवन से आपका पाचन क्रिया तेज होगा, पेट ठंडा होगा और एसिडिटी व बदहजमी जैसी समस्याओं से बचाव होगा। इसके अलावा इससे पूरे दिन शरीर में एनर्जी बनी रहेगी और आप ताजा नजर आएंगे।